पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
नई दिल्ली, मंगलवार, 2 सितम्बर, 2025 | वर्ष-18 | अंक-148 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

अफगानिस्तान में भूकंप से तबाही

6 डिग्री मापी गई तीव्रता

800 से अधिक की मौत

- नंगरहार प्रांत के जलालाबाद शहर से 27 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में था भूकंप का केंद्र
- खतरनाक भूकंप की गहराई आठ किलोमीटर थी जिसने भारी नुकसान पहुंचाया

हजारों घायल, भूकंप से कई गांव बर्बाद

काबुल, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान में रविवार आधी रात को 11:47 बजे आए छह तीव्रता वाले भूकंप ने तबाही मचा दी। पाकिस्तान सीमा के पास पूर्वी अफगानिस्तान में आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर भले 6.0 रही लेकिन इससे जान-माल की बड़े पैमाने पर हानि हुई है। तालिबान सरकार के प्रवक्ता के अनुसार इस शक्तिशाली भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 800 से अधिक हो गई है, जिनमें से अधिकांश सुदूर कुनार प्रांत में हैं। इसके अलावा हजारों घायल हो गए हैं। भूकंप के समय ज्यादातर लोग सो रहे थे, इस वजह से वे इमारतों के मलबे में दब गए। शहर में रातभर झटके महसूस किए गए। अधिकारियों का कहना है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

> इस कठिन घड़ी में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं, और हम घायलों के जल्दी ठीक होने की कामना करते हैं। भारत प्रभावित लोगों को हर संभव मानवीय सहायता और राहत प्रदान करने के लिए तैयार है : **नरेंद्र मोदी**

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक भूकंप 2 लाख की आबादी वाले जलालाबाद शहर से लगभग 17 मील दूर आया। यह राजधानी काबुल से 150 किमी दूर है। रविवार रात आए भूकंप ने अफगानिस्तान में जारी मानवीय संकट को और बढ़ा दिया है। देश पहले से ही व्यापक गरीबी, खाद्यान्न की कमी और एक अपर्याप्त स्वास्थ्य सेवा प्रणाली से जूझ रहा है जो 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों और विदेशी सहायता बंद होने से और भी बदतर हो गई है। एनवाईटी की रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा मौतें पड़ोसी कुनार प्रांत में हुई हैं। भूकंप के बाद लैंडस्लाइड हुई, जिससे कई सड़कें बंद हो गईं। सरकार के प्रवक्ता ने लिखा कि भूकंप से देश के कुछ पूर्वी प्रांतों में गंभीर जान-माल का नुकसान हुआ है। हालांकि, उन्होंने ज्यादा जानकारी नहीं दी। यह पहाड़ी इलाका है। इन इलाकों तक पहुंचना बेहद मुश्किल है, जिससे बचाव और राहत कार्यों में दिक्कत आ रही है। इन इलाकों में सरकार लोगों को बाहर निकालने के लिए हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल कर रही है। पूर्वी अफगानिस्तान पहाड़ी इलाका है। यह दूरदराज के इलाकों में फैला है।

सार संक्षेप

धनखड़ ने उपराष्ट्रपति आवास छोड़ा

नई दिल्ली। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अब दक्षिणी दिल्ली के छतरपुर इलाके में स्थित अभय चौटाला के फार्म हाउस में रहेंगे। सोमवार शाम 6 बजे उन्होंने इस्तीफे के 42 दिन बाद उपराष्ट्रपति आवास छोड़ा। इंडियन नेशनल लोकदल के प्रमुख अभय चौटाला ने बताया कि हमारे परिवार के धनखड़ से पुराने रिश्ते हैं। हमने उनसे हमारे घर में रहने की अपील की, जो उन्होंने मान ली।

पुंछ में घुसपैठ की कोशिश नाकाम

श्रीनगर। कश्मीर के पुंछ जिले के मेंढर सेक्टर में लाइन ऑफ कंट्रोल के पास सोमवार को भारतीय सेना ने आतंकियों की घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी। सेना की व्हाइट नाइट कोर ने बताया कि सुबह बालाकोट के जनरल एरिया में एलओसी के पास संदिग्ध गतिविधि देखी गई थी। घुसपैठ की कोशिश को रोकने को जवानों ने तुरंत फायरिंग शुरू कर दी।

उच्च न्यायालयों के लिए चार न्यायाधीश नियुक्त

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने दो उच्च न्यायालयों के लिए चार न्यायाधीशों की नियुक्ति की है। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय ने नियुक्ति से संबंधित घोषणा की। अरुण कुमार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया है।

पाक सेना का हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, पांच की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे कश्मीर (पीओके) के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में सोमवार तड़के सेना का एक हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें पांच सैन्यकर्मी मारे गए। मृतकों में दो अधिकारी भी शामिल हैं। पाकिस्तानी सेना की ओर से जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक, एमआई-17 हेलिकॉप्टर नियमित प्रशिक्षण मिशन पर था, जिसमें उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी आ गई।

बिहार एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

एक सितम्बर के बाद भी वोटर लिस्ट में सुधार पर रोक नहीं

नई दिल्ली, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने बिहार में मसौदा मतदाता सूची तैयार करने के लिए पूर्व निर्धारित समय सीमा एक सितम्बर के बाद भी राज्य के निवासियों के दावे या आपत्तियां स्वीकार करने की चुनाव आयोग को सोमवार अनुमति दे दी।

इस साल जून में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत बिहार में मसौदा मतदाता सूची तैयार करने का शुरू किया गया। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अनुमति देते हुए चुनाव आयोग की इस दलील पर गौर किया कि नामांकन

जिन लोगों के नाम मतदाता सूची में नहीं है उनकी मदद के लिए वॉलंटियर्स नियुक्त होंगे : **सुप्रीम कोर्ट**

(इस साल निर्धारित विधानसभा चुनाव) की अंतिम तिथि से पहले दायर किए गए सभी दावों या आपत्तियों पर विचार किया जाएगा। शीर्ष अदालत ने राष्ट्रीय जनता दल और एआईएमआईएम द्वारा दावे और आपत्तियां दायर करने की समय सीमा दो सप्ताह बढ़ाने के लिए दायर आवेदनों पर विचार करते हुए यह अनुमति दी।

राजनीतिक दलों के ज्यादातर दावे नाम हटाने को लेकर : चुनाव आयोग

शीर्ष अदालत के समक्ष चुनाव आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने अदालत को बताया कि आरजेडी की याचिका में जिन 36 दावों का जिक्र किया गया है कि उन्हें विधिवत स्वीकार कर लिया गया है। चुनाव आयोग ने कहा कि जिन मतदाताओं के दस्तावेज अधूरे हैं उन्हें वो सात दिनों के भीतर नोटिस जारी करेगा। ईसी ने एसआईआर को एक निरंतर प्रक्रिया बताया। साथ ही साथ यह भी बताया कि राजनीतिक दलों की ओर से दायर ज्यादातर दावे और आपत्तियां मतदाता सूची से नामों को हटाने के लिए थीं, न कि शामिल करने के लिए।

चीन में एससीओ की बैठक में बोले मोदी

आतंक पर दोहरा मापदंड मंजूर नहीं

प्रधानमंत्री ने जोर-शोर से उठाया आतंकवाद का मुद्दा

बीजिंग, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। चीन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक के दूसरे दिन भारत को बड़ी सफलता मिली है। यहां पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भी मौजूदगी में पहलगाम हमले की निंदा की गई। मोदी ने आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद को विकास की राह में बड़ी बाधा करार देते हुए कहा कि शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सभी सदस्य देशों को इस मुद्दे पर दोहरा मापदंड छोड़कर मानवता के खिलाफ इस साझा चुनौती का

भारत पिछले चार दशकों से आतंकवाद का दंश झेल रहा है पहलगाम में हमने आतंकवाद का सबसे बुरा रूप देखा : **नरेन्द्र मोदी**

एकजुट होकर विरोध करने के अपने दायित्व को निभाना होगा। मोदी ने सोमवार को शंघाई सहयोग संगठन के राष्ट्र प्रमुखों के 25 वें शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए आतंकवाद के मुद्दे पर पूरी मजबूती के साथ भारत का पक्ष रखा।

यूक्रेन युद्ध समाप्त करने का रास्ता खोजना होगा

चीन के तियानजिन में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अपनी द्विपक्षीय बैठक के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम यूक्रेन में चल रहे संघर्ष पर लगातार चर्चा कर रहे हैं। हम शांति के लिए हाल के सभी प्रयासों का स्वागत करते हैं। हमें उम्मीद है कि सभी पक्ष रचनात्मक रूप से आगे बढ़ेंगे। संघर्ष को जल्द से जल्द समाप्त करने और स्थायी शांति स्थापित करने का रास्ता खोजना होगा। यह पूरी मानवता का आह्वान है।

भारत-रूस के संबंध बहुआयामी : पुतिन

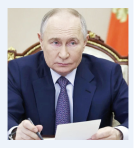

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी से कहा कि हमारे बीच बहुआयामी संबंध हैं। आपसे मिलकर मुझे बहुत खुशी हुई। सोमवार की बैठक से भारत-रूस संबंधों को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। रूस और भारत के बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात के बाद मोदी दिल्ली रवाना हुए।

सीबीआई से जुड़े 7,072 भ्रष्टाचार के मामले अदालतों में लंबित

केंद्रीय सतर्कता आयोग की वार्षिक रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, सीबीआई की जांच से जुड़े 7,072 भ्रष्टाचार के मामले देशभर की विभिन्न अदालतों में लंबित हैं। इनमें से 379 मामले तो 20 साल से भी पुराने हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 1,506 मामले तीन साल से कम समय से लंबित हैं, जबकि 791 मामले तीन से पांच साल से अदालतों में अटके पड़े हैं। चिंता का विषय यह है कि कुल लंबित मामलों में से 2,660 मामले 10 साल से ज्यादा पुराने हैं। इसके अलावा भ्रष्टाचार के 2,281 मामले दस से बीस साल तक और 379 मामले बीस साल से भी ज्यादा समय से लंबित हैं। सिर्फ मुकदमे ही नहीं, बल्कि अपील और पुनरीक्षण याचिकाओं की संख्या भी बड़ी है। देशभर के हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में सीबीआई और आरोपियों की ओर से दाखिल कुल 13,100 अपील लंबित हैं। इनमें से 606 अपील 20 साल से ज्यादा समय से अटकी हैं।

हिमाचल प्रदेश आपदा प्रभावित राज्य घोषित

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने विधानसभा में किया ऐलान

शिमला, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। हिमाचल प्रदेश में लगातार बारिश और भूस्खलन के कारण हो रहे व्यापक नुकसान को देखते हुए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार को विधानसभा सत्र के दौरान राज्य को आपदा प्रभावित घोषित कर दिया।

उन्होंने कहा कि इस भयावह आपदा से प्रदेश गंभीर संकट में है और वर्तमान में उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता प्रभावित लोगों का पुनर्वास है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार राहत और पुनर्वास के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी प्रभावित क्षेत्रों का पैदल निरीक्षण कर रहे हैं। आवश्यक

संसाधनों को तत्काल मुहैया करवाया जा रहा है और जरूरत पड़ने पर एयरफोर्स के हेलीकॉप्टरों की मदद ली जाएगी। यात्रियों की सुविधा के लिए वायुसेना के दो विमान भी तैनात किए गए हैं। मौसम अनुकूल होते ही राहत और बचाव कार्यों में और तेजी लाई जाएगी। राज्य में 21 अगस्त से मॉनसून फिर से सक्रिय हो गया है। इसके बाद से प्रदेश में लगातार बारिश, बादल फटने और भूस्खलन की घटनाएं हो रही हैं। इससे चम्बा, कुल्लू, लाहौल स्पीती, मंडी, शिमला, कांगड़ा और हमीरपुर जिले सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं।

राज्य में 320 लोगों की गई जान

शुरुआती अनुमान के अनुसार, राज्य में 320 लोगों की जान चली गई और लगभग 3 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ है। दरअसल यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब राज्य भारी बारिश और भूस्खलन से जूझ रहा है। सरकार लोगों को मदद पहुंचाने की पूरी कोशिश कर रही है।

दिल्ली में बाढ़ जैसे हालात

नई दिल्ली, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। दिल्ली में सोमवार को हुई तेज बारिश के बाद यमुना नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने लगा है। राजधानी में बाढ़ जैसे हालात बनने लगे हैं और प्रशासन ने पुराना रेलवे पुल को मंगलवार शाम से बंद करने का आदेश दे दिया है। हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से पानी छोड़े जाने के बाद सोमवार को राजधानी दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर बढ़ गया। राजधानी दिल्ली में बने पुराने रेलवे पुल (ओआरबी) पर यमुना का जलस्तर सुबह 11 बजे, 204.88 मीटर दर्ज किया गया। यहां यमुना का खतरे का निशान 205.33 मीटर है। लगातार बढ़ता जलस्तर निचले इलाकों के लिए खतरे का संकेत है। अधिकारियों का कहना है कि हालात फिलहाल काबू में हैं लेकिन अगले 24 घंटे बेहद अहम होंगे। भारतीय मौसम विभाग ने राजधानी में और बारिश का अलर्ट जारी किया है। हरियाणा के हथिनी कुंड बैराज से छोड़ा गया पानी बढ़कर 319,367 क्यूसेक हो गया है। इसके अलावा वज़ीराबाद बैराज से छोड़े गए पानी का स्तर 38,900 क्यूसेक हो गया है।

- यमुना नदी का जलस्तर बढ़ा
- पुराना रेलवे पुल पूरी तरह बंद रखने का आदेश

देश को पता चलने जा रही वोट चोरी की सच्चाई : राहुल गांधी

पटना, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बिहार के पटना में भाजपा पर करारा हमला बोला। राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा के लोग काले झंडे दिखाते हैं, भाजपा के लोग अच्छी तरह सुन लीजिए, एटम बम से बड़ा हाइड्रोजन बम होता है, बीजेपी के लोग तैयार हो जाओ, हाइड्रोजन बम आ रहा है, वोट चोरी की सच्चाई पूरे देश को पता चलने जा रही है। राहुल गांधी ने कहा कि अभी तक हुआ वोट चोरी का खुलासा तो एटम बम था अब आगे जिस खुलासे को उनकी पार्टी सामने लाने वाली है वह हाइड्रोजन बम होगा जिसके बाद चुनाव आयोग और भाजपा मुंह दिखाने लायक नही रहेगी। राहुल ने बिहार के लोगों को उत्साह से वोटर अधिकार यात्रा में भाग लेने और देश की राजनीति को नई दिशा देने के लिए धन्यवाद दिया। राहुल गांधी ने कहा कि हाइड्रोजन बम के बाद मोदीजी अपना चेहरा इस देश को नहीं दिखा पाएंगे। उन्होंने कहा कि बिहार में एक नया नारा चला है वोट चोर गद्दी छोड़ जो लोगों को बहुत पसंद आ रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी की चीन यात्रा पर भी बयान दिया। चीन और अमेरिका में भी लोग बोल रहे हैं, वोट चोर गद्दी छोड़। राहुल गांधी ने बिहार में समाप्त हुई वोटर अधिकार यात्रा के समापन समारोह में कहा कि महाराष्ट्र के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के गठबंधन को जीत मिली थी लेकिन चार महीने बाद हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा के गठबंधन ने उन्हें बुरी तरह हरा दिया। ताज्जुब की बात थी कि कांग्रेस गठबंधन के वोट कम नहीं हुए थे लेकिन विपक्षी गठबंधन के वोट काफी बढ़ गए थे।

बिहार में वोटर अधिकार यात्रा के समापन समारोह में भाजपा पर बोला हमला

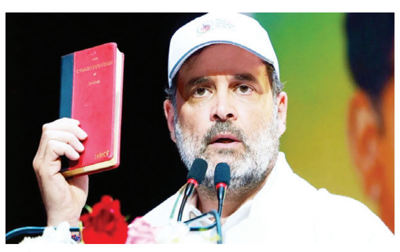

वोट चोरी का अब तक का खुलासा एटम बम है, अगला खुलासा हाइड्रोजन बम होगा जिसके बाद चुनाव आयोग व भाजपा मुंह दिखाने लायक नही रहेगी : **राहुल गांधी**

बाद में उनकी पार्टी ने जांच की तो पता चला कि महाराष्ट्र में करोड़ों फर्जी वोट भाजपा व चुनाव आयोग की मिलीभगत से जोड़े गए हैं। बिहार के युवाओं को मैं कहना चाहता हूं वोट चोरी का मतलब अधिकार की चोरी, आरक्षण की चोरी, रोजगार की चोरी, शिक्षा की चोरी, लोकतंत्र की चोरी, युवाओं के भविष्य की चोरी। यह आपकी जमीन, आपका राशन कार्ड लेकर अडाणी-अंबानी को दे देंगे।

तेजस्वी यादव ने अधिकारियों को दी चेतावनी

आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार बनी तो कार्रवाई होगी। अशोक चौधरी के विभाग के मंत्री के घर से करोड़ों मिला लेकिन मुख्यमंत्री अक्सर अशोक चौधरी के घर जाते हैं। ऐसे में क्या कार्रवाई होगी। मोदी जी झूठ की फैक्ट्री हैं। तेजस्वी ने राहुल के सामने फिर दोहराया, ओरिजिनल सीएम चाहिए या डुप्लीकेट सीएम चाहिए। सरकार नकल तो कर सकती है, विजन नहीं है, सोच नहीं मिल सकती है।

देश

उवाच

"राहुल गांधी काल्पनिक कहानियों में हीरो, लेकिन हकीकत में जीरो हैं। यह यात्रा मतदाता जागरूकता के बजाय भ्रम फैलाने और चुनाव आयोग जैसे संवैधानिक संस्थानों को कमजोर करने की साजिश है, 'वोटर अधिकार यात्रा' काल्पनिक फिल्म जो पर्दे पर आने से पहले ही पिट गई: **मुख्तार अब्बास नकवी, वरिष्ठ नेता भाजपा**

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	25.0	24.0
मुंबई	28.0	26.0
कोलकाता	32.0	31.0
चेन्नई	31.0	28.0

'वोटर अधिकार यात्रा' से लोग हुए जागरूक

राहुल गांधी के नेतृत्व में ऐतिहासिक यात्रा न केवल बिहार, बल्कि पूरे देश को प्रभावित करेगी : अशोक गहलोत

पटना, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। बिहार की राजधानी पटना में सोमवार को वोटर अधिकार यात्रा के समापन पर कांग्रेसी नेताओं ने दावा किया है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में इस यात्रा से बिहार की जनता जागरूक हुई है और आगामी विधानसभा चुनाव में इंडिया ब्लॉक की सरकार बनेगी। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि बिहार में इतिहास रचने जा रहा है। राहुल गांधी के नेतृत्व में ऐतिहासिक यात्रा न केवल बिहार, बल्कि पूरे देश को प्रभावित करेगी। अगर लोकतंत्र को बचाना है, तो वोट के अधिकार की रक्षा करनी होगी। उन्होंने कहा कि वोटर अधिकार यात्रा इसी पर आधारित है। उन्होंने दावा किया कि अगर वोट नहीं बचेगा तो आपका अधिकार खत्म हो जाएगा। आप रोजगार और महंगाई पर अपनी बात नहीं कह पाएंगे।

- **राहुल गांधी ने जो मुहिम बिहार के सासाराम से छेड़ी है, इसमें सहयोग करने के लिए सामने आना होगा : अशोक गहलोत**
- **पूरा बिहार राहुल गांधी के साथ खड़ा है, और आगामी चुनाव में महागठबंधन की सरकार बनेगी : अखिलेश प्रसाद सिंह**

पूर्व सीएम ने बिहार की जनता से अपील करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने जो मुहिम बिहार के सासाराम से छेड़ी है, इसमें सहयोग करने के लिए सामने आना होगा। कांग्रेस नेता अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि पूरा बिहार राहुल गांधी के साथ खड़ा है, और आगामी चुनाव में महागठबंधन की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि वोट चोरी के मुद्दे पर पूरे बिहार में गुस्सा है। भाजपा ने जो साजिश रची है उसे कामयाब नहीं होने देंगे। आजादी के बाद जो अधिकार बाबा साहेब अंबेडकर ने हमें दिया, वह किसी भी कीमत पर छीनने नहीं देंगे।

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के साथ पूरा बिहार साथ में है और महागठबंधन की सरकार बनने वाली है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने चुनाव आयोग को कई शिकायतें दी हैं, लेकिन आयोग जवाब नहीं दे रहा है। कांग्रेस नेता राजेश ठाकुर ने कहा कि यह यात्रा चुनाव के लिए नहीं, बल्कि वोट के अधिकार के लिए है। जिस तरह से इस अधिकार को छीना जा रहा है, वह सही नहीं है। हमें जो संविधान में हक मिला है, उसे छीनने नहीं देंगे। कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि यह यात्रा अब बिहार तक सीमित नहीं है; यह एक राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन बन गया है। यह नई क्रांति का आगाज बन गई है, क्योंकि यह यात्रा %वन मैन वन वोट% के अधिकार की रक्षा के लिए हो रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने चुनाव आयोग के साथ मिलकर जो साजिश रची है, वह सफल नहीं होगी। देश और बिहार के लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। राहुल गांधी के नेतृत्व में पूरा विपक्ष चट्टान की तरह खड़ा है। मतदाता अधिकार यात्रा' पर कांग्रेस सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा, चाहे युवा हों या किसान, सभी ने इस यात्रा का समर्थन किया है। सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि यह यात्रा नहीं क्रांति है, इसका उदघोष बिहार से हुआ है। जननायक राहुल गांधी क्रांति लेकर आए हैं।

भाजपा किस्तों में लोकतंत्र को समाप्त करती जा रही है : खड़गे

पटना। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को आरोप लगाया कि भाजपा जब से सत्ता में आई है, किस्तों में लोकतंत्र को समाप्त करती जा रही है। उन्होंने कहा कि इसके लिए वह रोज चोरी के नए-नए तरीके अपनाती है। पटना में 'वोटर अधिकार यात्रा' के समापन पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 15 दिन तक चली इस यात्रा ने पूरे देश को जगा दिया। इसमें भाजपा ने रुकावट डालने की कोशिशें की। हमारे कांग्रेस ऑफिस पर हमला हुआ। लेकिन, बिहार के लोगों ने यात्रा को पूरी तरह सफल बनाया। उन्होंने कहा कि देश में जब भी कमजोर तबकों के हुकूक पर खतरा पैदा होता है, राहुल गांधी उनकी आवाज बुलंद करते हैं। 'भारत जोड़ो यात्रा', 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' और 'जय बापू-जय भीम-जय संविधान' और अब ये यात्रा इसी कड़ी का हिस्सा है। यहां हमें साफ दिख रहा है कि बिहार की जनता इस 'डबल इंजन की भ्रष्ट सरकार' को जड़ से उखाड़ फेंकने का काम करेगी। उन्होंने एसआईआर की चर्चा करते हुए कहा कि इस मुद्दे पर विपक्ष सही था, ये सर्वोच्च न्यायालय ने भी माना। हम लोग चाहते थे कि संसद में बिहार की 'वोट चोरी' पर चर्चा हो। सारा विपक्ष आंदोलन करता रहा, लेकिन ये लोग चुनाव आयोग को बचाते रहे, मगर चर्चा नहीं होने दी।

बिहार की तर्ज पर देशभर में निकाली जाएगी 'वोटर अधिकार यात्रा': संजय राउत

बिहार की राजधानी पटना में 'वोटर अधिकार यात्रा' के आखिरी दिन विपक्ष दलों के तमाम नेता पहुंचे। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने इस यात्रा को सफल बताते हुए दावा किया कि इस यात्रा का संदेश बिहार के कोने-कोने तक पहुंचा है और अब बिहार की तर्ज पर देशभर में ये यात्रा निकाली जाएगी। संजय राउत ने कहा, 'यात्रा का संदेश पूरे देश में फैलेगा। 'वोटर अधिकार यात्रा' हर राज्य में शुरू होगी। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के नेतृत्व में यह एक ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में, हमने वोटों की हेराफेरी के प्रभावों को व्यक्तिगत रूप से अनुभव किया है। अब, इस क्रांतिकारी यात्रा का उद्देश्य देश भर में ऐसी प्रथाओं को रोकना है।

भाजपा लोकतांत्रिक व्यवस्था समाप्त करना चाहती हैं : तेजस्वी यादव

बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने सोमवार को यहां वोटर अधिकार यात्रा के समापन के मौके पर पटना के डाक बंगला चौराहे पर लोगों को संबोधित करते हुए भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा चुनाव आयोग के साथ मिलकर वोट की चोरी करना चाहती है। उन्होंने कहा कि बिहार लोकतंत्र की जननी है, लेकिन भाजपा यहां से ही लोकतंत्र समाप्त करना चाहती है। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने एनडीए की डबल इंजन की सरकार होने के दावे पर कटाक्ष करते हुए कहा कि बिहार में डबल इंजन की सरकार में एक इंजन अपराध में लगा और दूसरा इंजन भ्रष्टाचार में। बड़ी चालाकी से फर्जी वोट भी जोड़े जा रहे हैं।

बिहार का चुनाव सिर्फ प्रदेश का नहीं, देश के संकल्प का होगा : हेमंत सोरेन

पटना। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को कहा कि बिहार में होने वाला विधानसभा चुनाव केवल प्रदेश का नहीं, देश का संकल्प होगा। यह चुनाव देश की दशा और दिशा तय करेगा। पटना में 'वोटर अधिकार यात्रा' के समापन के मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने झारखंड की चर्चा करते हुए कहा कि राज्य अब बदल रहा है। आज वहां महिलाओं के पलायन को आर्थिक मदद देकर रोक दिया गया है। उन्होंने भाजपा पर धन और बल के जरिए सत्ता में आने का आरोप लगाते हुए कहा कि सीबीआई और ईडी का भय दिखाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे भी झूठे मामले में जेल में डाल दिया गया। अगर हम जेल नहीं गए होते, तो झारखंड में लोकसभा चुनाव में भाजपा का खाता नहीं खुलने देते।

'बिहार में सफल रही वोटर अधिकार यात्रा, जनता ने दिया पूरा साथ'

पटना। यूपी कांग्रेस चीफ अजय राय, कांग्रेस नेता पवन खेड़ा, और अविनाश पांडे का दावा है कि 'वोटर अधिकार यात्रा' सफल रही है। इनका कहना है कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के साथ पूरे बिहार की जनता खड़ी है, 16 दिनों में भरपूर प्यार मिला है, और बिहार में बदलाव तय है। बिहार के सासाराम से शुरू हुई 'वोटर अधिकार यात्रा' कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव के नेतृत्व में शुरू हुई थी। यह यात्रा मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के विरोध में निकाली गई थी, जिसे विपक्ष ने 'वोट चोरी' का आरोप लगाते हुए जन जागरूकता अभियान के रूप में प्रस्तुत किया।

वोटर अधिकार यात्रा भले समाप्त हो गई हो लेकिन यह लड़ाई समाप्त नहीं हुई है : मुकेश सहनी

पटना। विकासशील इंसान पार्टी के संस्थापक और बिहार के पूर्व मंत्री मुकेश सहनी ने आज वोटर अधिकार यात्रा के समापन के मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज वोटर अधिकार यात्रा भले समाप्त हो गई हो लेकिन यह लड़ाई समाप्त नहीं हुई है। उन्होंने लोगों का आह्वान करते हुए कहा कि हम सभी मिलकर इस सरकार को उखाड़ फेंकना है, जो सरकार वोट चोरी से बनी है। वोटर अधिकार यात्रा के अंतिम दिन आज राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के नेतृत्व में पटना में यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में वीआईपी सहित सभी घटक दलों के कार्यकर्ता शामिल हुए। इस मौके पर पूर्व मंत्री मुकेश सहनी ने कहा कि भाजपा के लोग पहले विधायक और सांसद खरीदते थे, लेकिन अब वोट की चोरी कर ही सरकार बनाने लगे। उन्होंने कहा कि इस लड़ाई को अब गांव के बूथों तक ले जाना है, जिससे लोग अपने वोट की रक्षा करते हुए इस सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए संघर्ष करें।

सार संक्षेप

भारत-नेपाल मित्रताः नेपाली सेना को दिए टारगेट प्रैक्टिस ड्रोन व उपकरण

नई दिल्ली। भारतीय सेना और नेपाली सेना के बीच रक्षा सहयोग और आपसी विश्वास को और मजबूत बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। नेपाल से दोस्ती निभाते हुए भारतीय सेना ने टारगेट प्रैक्टिस ड्रोन और ग्राउंड सपोर्ट उपकरण नेपाली सेना को सौंपे हैं। इसके लिए बाकायदा एक विशेष समारोह आयोजित किया गया। सेना के मुताबिक यह कार्यक्रम सोनौली के इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट पर आयोजित किया गया। भारतीय सेना ने यहां नेपाली सेना को छह टारगेट प्रैक्टिस ड्रोन दिए। खास बात यह है कि ये सभी ड्रोन स्वदेशी तकनीक से तैयार किए गए हैं। नेपाली सेना को दिए गए ये महत्वपूर्ण सैन्य उपकरण भारत में ही बनाए गए हैं। इस अवसर पर भारतीय सेना ने भरोसा दिया कि वह नेपाली सेना की क्षमता वृद्धि और आपसी सहयोग को लगातार समर्थन देती रहेगी। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि यह पहल दोनों मित्र देशों के बीच गहरे होते सैन्य संबंधों व भाईचारे की मिसाल है। गौरतलब है कि भारतीय थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नेपाल की आधिकारिक यात्रा कर चुके हैं।

रांची में भाजपा महिला कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन, कांग्रेस ऑफिस घेरने की कोशिश

रांची। बिहार में कांग्रेस के मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने सोमवार को रांची स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय का घेराव करने की कोशिश की। रैली की शक्ल में कांग्रेस कार्यालय की ओर बढ़ रही भाजपा महिला कार्यकर्ताओं को पुलिस और सुरक्षा बलों ने रांची यूनिवर्सिटी के गेट के पहले ही रोक दिया। इस दौरान पुलिस और महिला कार्यकर्ताओं के बीच हल्की नोकझोंक भी हुई।

पांच हजार से ज्यादा लोगों के एकत्रित होने की अनुमति नहीं : कोर्ट

- **बॉम्बे हाईकोर्ट का सख्त आदेश, आंदोलन का अधिकार है लेकिन शहर का माहौल बिगड़ना नहीं चाहिए**
- **मराठा आंदोलन पर बॉम्बे हाईकोर्ट में स्पेशल सुनवाई, वकील ने राजनीतिक हस्तक्षेप पर जताई चिंता**

मुंबई, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। मराठा आरक्षण आंदोलन को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। इस मामले में वकील गुणरत्न सदावर्ते ने आरोप लगाया कि आंदोलन में राजनीतिक हस्तक्षेप साफ नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट और एनसीपी के शरद पवार गुट के नेता प्रदर्शनकारियों को खाना-पानी ट्रक के जरिए पहुंचा रहे हैं। सदावर्ते ने बताया कि हाल ही में सुप्रिया सुले पर भी पानी की बोतल फेंकी गई और महिला रिपोर्टरों को भी परेशान किया गया।

उन्होंने कहा कि इसमें राजनीतिक मजबूरियां भी शामिल हैं। वे राजनीति और जाति को बीच में नहीं लाना चाहते, लेकिन कई विधायक और सांसद इस बात पर जोर दे रहे हैं कि प्रदर्शनकारियों को ओबीसी कोटे के तहत आरक्षण दिया जाना चाहिए। इसी दौरान मराठा समुदाय की तरफ से कोर्ट में पेश हुए वकील आनंद काठे ने सदावर्ते की बातों पर कड़ी आपत्ति जताई। कोर्ट ने काठे को समझाया कि इस मामले में उनका कोई अधिकार नहीं है और उन्हें बीच में बोलने की अनुमति नहीं है। कोर्ट ने कहा कि 2024 के सरकारी नियम के अनुसार मराठा समुदाय को आरक्षण दिया गया है और अब सवाल यह है कि क्या उन्हें यह आरक्षण चाहिए या कोई अलग व्यवस्था चाहिए। उच्च न्यायालय ने कहा कि आंदोलन शांतिपूर्ण है लेकिन मुंबई के लोगों को परेशानी हो रही है। कोर्ट ने कहा कि 5,000 से ज्यादा लोगों के एकत्रित होने की अनुमति नहीं है और अगर इससे ज्यादा लोग आ रहे हैं तो पुलिस को कार्रवाई करनी चाहिए। हाईकोर्ट ने सरकार से पूछा कि क्या मुंबई के लोगों की यह परेशानी तब तक चलेगी जब तक आंदोलनकारियों की मांगें पूरी नहीं होतीं।

वकील गुणरत्न सदावर्ते ने आंदोलन को मुख्यमंत्री के मराठा न होने से जोड़ा और कहा कि बीड हिंसा और आजाद मैदान पर पुलिस केस दर्ज न किए जाने पर भी सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने बताया कि कोर्ट के आसपास भी प्रदर्शनकारियों ने घेरा बनाया हुआ है। कोर्ट ने मराठा समुदाय के वकीलों से पूछा कि क्या ये सब शांतिपूर्ण तरीके से हो रहा है? जिस पर वकीलों ने माना कि कुछ और लोग भी शामिल हैं, जिन पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

जम्मू : बाढ़ प्रभावित लोगों के पुनर्वास के लिए पर्याप्त उपाय करने को केंद्र प्रतिबद्ध : अमित शाह

जम्मू, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में बारिश और बाढ़ ने तबाही मचा रखी है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त है। लोगों को लगातार हो रही बारिश की वजह से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को जम्मू में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया और पीड़ितों से मुलाकात की। अमित शाह ने उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू के चक मंगू इलाके में बाढ़ प्रभावित गांवों के लोगों से मुलाकात की।

मोदी सरकार प्रभावित लोगों के साथ पूरी तरह खड़ी है और उनकी मदद के लिए हर संभव प्रयास करेगी : अमित शाह

इसे लेकर स्थानीय लोगों ने कहा कि आज उनकी गृहमंत्री से मुलाकात हुई और उन्होंने आश्वासन दिया कि उन्हें हर संभव राहत राशि उपलब्ध करवाई जाएगी। चक मंगू के एक निवासी ने बताया कि गृहमंत्री आज हमारे इलाके में आए थे। उन्होंने सभी को राहत और पुनर्वास मुहैया कराने का भरोसा दिलाया। अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि जम्मू में हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित चक मंगू गांव का दौरा किया। आपदा मोचन बल राहत एवं बचाव कार्य पूरे जोर-शोर से चला रहे हैं। साथ ही प्रभावित लोगों को चिकित्सा सहायता भी प्रदान कर रहे हैं। मोदी सरकार प्रभावित लोगों के पुनर्वास के लिए पर्याप्त उपाय करने के लिए प्रतिबद्ध है।

'युद्ध अभ्यास' के मोर्चे पर भारत-यूएस एक साथ

नई दिल्ली, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका 'युद्ध अभ्यास' के मोर्चे पर एक साथ आए हैं। दोनों देशों की सेना एक महत्वपूर्ण युद्धाभ्यास को अंजाम देने जा रही है। भारत और अमेरिका का यह संयुक्त युद्धाभ्यास अमेरिका में आयोजित किया जा रहा है। इस युद्धाभ्यास में दोनों देशों की सेनाएं मानव रहित हवाई प्रणालियों के इस्तेमाल और इनसे निपटने के तरीकों समेत आधुनिक युद्ध का अभ्यास करेंगी।

'युद्ध अभ्यास 2025' में शामिल होने के लिए भारतीय सैन्य दल अमेरिका रवाना हो चुका है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक भारतीय सेना की एक टुकड़ी अमेरिका के अलास्का स्थित फोर्ट वेनराइट के लिए रवाना हुई है। यहां यह अभ्यास 1 से शुरू होकर 14 सितम्बर तक चलेगा। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि भारत और अमेरिका के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास 'युद्ध अभ्यास 2025' का यह 21वां संस्करण आयोजित किया जा रहा है। रक्षा

- **अमेरिका में दो हफ्ते तक चलेगा युद्धाभ्यास**

मंत्रालय के अनुसार इस अभ्यास में शामिल भारतीय सैन्य दल में मद्रास रेजीमेंट की एक बटालियन से चयनित सैनिकों को रखा गया है। वहीं, अमेरिकी सेना की ओर से आर्टिक वुल्व्स ब्रिगेड कॉम्बैट टीम की 11वीं एयरबॉर्न डिवीजन के फर्स्ट बटालियन, 5वीं वीं इन्फैंट्री रेजीमेंट 'बॉबकैट्स' के जवान व अधिकारी भाग लेंगे। दो सप्ताह तक चलने वाले इस अभ्यास में सैनिक विभिन्न सामरिक युद्धाभ्यास और कौशलों का अभ्यास करेंगे। इनमें हेलीबोर्न ऑपरेशन, निगरानी संसाधनों एवं मानव रहित हवाई प्रणालियों का प्रयोग शामिल है।

संकट भूस्खलन से प्रभावित आवागमन से अभी भी फंसे हुए है सैकड़ों फलों से लदे ट्रक

कश्मीर हाइवे बंद होने से कश्मीर के बागवानी क्षेत्र को जबरदस्त नुकसान

■ **सुरेश एस डुग्गर**

जम्मू, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। कई दिनों तक पूरी तरह से स्थगित रहने के बाद, अधिकारियों ने आज श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर आवश्यक वाहनों की आंशिक आवाजाही की अनुमति दे दी, जबकि सैकड़ों फलों से लदे ट्रक अभी भी फंसे हुए हैं, जिससे कश्मीर के बागवानी क्षेत्र को भारी नुकसान की आशंका बढ़ गई है।

एसएसपी ट्रैफिक एनएचडब्ल्यू राजा आदिल ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि उधमपुर-रामबन खंड में भूस्खलन से प्रभावित कई स्थानों पर बहाली का काम चल रहा है। उन्होंने सलाह दी कि हम यातायात को सुचारू रूप से चलाने के लिए काम कर रहे हैं। हालांकि, यात्रियों को अपनी यात्रा की योजना बनाने से पहले नियंत्रण कक्ष से मंजूरी का इंतजार करना होगा।

उधमपुर की उपायुक्त सलोनी राय, जिन्होंने बली नाला में स्थिति की समीक्षा की, ने कहा कि भारी बारिश के कारण कई स्थानों पर मरम्मत कार्य में देरी हुई है। वे कहती थीं कि थोड़े समय के

- **फल मंडियां ऐसे माल से भरी पड़ी हैं जिनकी शेल्फ लाइफ खत्म हो रही है**
- **बाग तोड़े गए फलों से भरे, जिन्हें भेजा नहीं जा सकता**

व्यवधान के बाद बहाली का काम फिर से शुरू हो गया। आज शाम से, आवश्यक भारी मोटर वाहनों की आवाजाही की अनुमति दी जाएगी। पर इस सीमित राहत के बावजूद, फल उत्पादक चिंतित हैं। कश्मीर घाटी फल उत्पादक सह विक्रेता संघ के अध्यक्ष बशीर अहमद बशीर कहते थे कि बागोगोशा नाशपाती, गलामस्त और लाल घाला सेब ले जाने वाले 700-800 से ज्यादा ट्रक अभी भी फंसे हुए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि फल मंडियां ऐसे माल से भरी पड़ी हैं जिनकी शेल्फ लाइफ खत्म हो रही है। बाग तोड़े गए फलों से भरे हैं जिन्हें भेजा नहीं जा सकता। जब तक फलों के ट्रकों को प्राथमिकता से गुजरने की अनुमति नहीं दी जाती, उत्पादकों को अपूरणीय क्षति होगी।

एशिया की दूसरी सबसे बड़ी मानी जाने वाली सोपोर फल मंडी के अध्यक्ष फयाज अहमद मलिक के बकौल, व्यापार लगभग ठप हो गया है। वे कहते थे कि रोजाना 100 से ज्यादा ट्रकों से घटकर अब मुश्किल से 20 रह गए हैं। बागोगोशा जैसी जल्दी खराब होने वाली वस्तुएं इस देरी को बर्दाश्त नहीं कर पाएंगी। अगर राजमार्ग जल्द ही पूरी तरह से बहाल नहीं किया गया, तो बागवानी क्षेत्र को करोड़ों का नुकसान हो सकता है। जबकि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला कह रहे हैं कि राजमार्ग को खोलने में 20 से 25 दिनों का समय लगेगा और रेल यातायात सामान्य होने में भी इससे अधिक वक्त लगने की शंका है। दरअसल लखनपुर, जम्मू, उधमपुर, नगरोटा और काजीगुंड में ट्रकों और यात्री वाहनों सहित 2,000 से ज्यादा वाहन फंसे हुए हैं। इस बीच, उत्पादकों और व्यापारियों ने सरकार से फलों से लदे ट्रकों को प्राथमिकता से मंजूरी देने की अपील की है और चेतावनी दी है कि लगातार देरी से कश्मीर की सेब अर्थव्यवस्था चर्रमरा सकती है, जो घाटी भर में हजारों परिवारों का भरण-पोषण करती है।

उल्टा पुल्टा

व्यक्ति : (रेलवे के पूछताछ खिड़की पर) आपने अभी कहा कि ट्रेन टाइम पर आ रही है...।

अधिकारी : हां, सही है...।

व्यक्ति : लेकिन इससे पहले तो ट्रेन पटरी पर आया करती थी...।

कैपिटल ज़ोन

किरेन रिजिजू ने चरती लाल गोयल की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को किया संबोधित, कहा

लोकतंत्र में संस्थाओं का सुचारू संचालन जरूरी

चरती लाल गोयल के जीवन-वृत्त पर आधारित एक विशेष स्मारिका का किया विमोचन

नई दिल्ली, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने दिल्ली विधानसभा के प्रथम सभापति श्री चरती लाल गोयल की 98वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सदन में भाषण अक्सर सार्थक बहस की बजाय बाहरी राजनीतिक लाभ के लिए दिए जाते हैं, जिससे चर्चाओं की गुणवत्ता प्रभावित होती है। ऐसे समय में श्री चरती लाल गोयल द्वारा प्रदर्शित नैतिकता, ईमानदारी और लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रकाश सभी नेताओं के लिए मार्गदर्शक है।

श्री रिजिजू ने श्री गोयल की विनम्र शुरुआत से लेकर अनुशासन, निष्पक्षता और समर्पण के बल पर हासिल की गई ऊंचाइयों को याद किया। उन्होंने 1993 से दिल्ली विधानसभा के सुचारू संचालन में गोयल जी की भूमिका और उनके द्वारा स्थापित उच्च मानकों को रेखांकित किया। उन्होंने उनके जीवन की सादगी, ईमानदारी और चुनावी राजनीति से स्वेच्छा से दूर होने के दुर्लभ निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे उदाहरण आज की राजनीति में बहुत कम देखने को मिलते हैं। उन्होंने कहा

सदन में भाषण अक्सर सार्थक बहस की बजाय बाहरी राजनीतिक लाभ के लिए दिए जाते हैं, जिससे चर्चाओं की गुणवत्ता प्रभावित होती है : **किरेन रिजिजू**

कि ऐसे नेताओं को याद करना केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि लोकसेवा, सामाजिक कल्याण और सहभागी शासन के प्रति अपने संकल्प को नवीनीकृत करने का अवसर है।

कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री कॉरपोरेट कार्य हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता विशिष्ट अतिथि, दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, दिल्ली के मेयर राजा इक़बाल सिंह,गांधी स्मृति के वाइस चेयरमैन एवं भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल, पूर्व राज्यपाल जगदीश मुखी और दिल्ली विधान सभा के विधायकगण,पूर्व विधायकगण,निगम पार्षद और अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित थे। सभी ने मिलकर दिल्ली विधानसभा की परंपराओं और मूल्यों को सुरक्षित रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

इस अवसर पर दिल्ली विधानसभा के प्रथम अध्यक्ष श्री चरती लाल गोयल के जीवन-वृत्त पर आधारित एक विशेष स्मारिका का भी विमोचन किया गया। केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने अपने संबोधन में श्री चरती लाल गोयल के साथ बिताए पलों को याद करते हुए उन्हें दिल्ली की नब्ज़ समझने वाले, जनसुनवाई करने वाले एक अभिभावक समान नेता बताया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने श्री चरती गोयल जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी गरिमामयी छवि, आदर्श आचरण और प्रेरक जीवन हमें यह याद दिलाता है कि सदन की कार्यवाही को शिष्टाचार, परस्पर सम्मान व रचनात्मक संवाद की भावना से संचालित करना चाहिए।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि दिल्ली के प्रथम विधान सभा अध्यक्ष श्री चरती लाल गोयल को स्मरण करना केवल औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह जनसेवा, सामाजिक कल्याण और सहभागी शासन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को पुन: पुष्ट करने का अवसर है। उन्होंने 1993 से दिल्ली विधानसभा के गठन और 1912 में स्थापित केंद्रीय विधान परिषद से लेकर गोपालकृष्ण गोखले, मदन मोहन मालवीय, लाला लाजपत राय और बिपिनचंद्र पाल जैसे महान नेताओं की विरासत का उल्लेख करते हुए गोयल जी की प्रेरक जीवन यात्रा का भी वर्णन किया।

श्री गुप्ता ने गोयल जी को कठोर लेकिन स्नेही, अनुशासित के साथ साथ आत्मीय भी बताया। उन्होंने चुनावी राजनीति से स्वेच्छा से संन्यास लेने के उनके निर्णय को सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी और अनुशासन का अनूठा उदाहरण बताया।

लाखों क्यूसेक पानी छोड़कर दिल्ली में बाढ़ की स्थिति बना रही हरियाणा सरकार : देवेंद्र यादव

पिछले कई दिनों से लगातर भारी बारिश के कारण बढ़ रहा यमुना का जल स्तर

नई दिल्ली, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि भाजपा की दिल्ली सरकार की यमुना में बढ़ते जलस्तर पर असंवेदनशीलता के कारण दिल्ली एक बार फिर बाढ़ से डूबने की दहलीज पर खड़ी है। क्योंकि कल 31 अगस्त को यमुना खतरे के निशान 204.50 मीटर को पार करके 205.33 मीटर के उपर बह रही है। यमुना का जल स्तर पिछले कई दिनों से लगातर भारी बारिश के कारण बढ़ रहा है जिस पर रेखा गुप्ता सरकार पूरी तरह से निष्क्रिय दिखाई दे रही है। जानकारी यह है कि यमुना के नजदीकी क्षेत्रों में सरकार ने बाढ़ राहत के पुख्ता इंतजाम नही किए है।

देवेन्द्र यादव ने कहा कि भाजपा की हरियाणा सरकार ने यमुना नगर, करनाल, सोनीपत के क्षेत्रों में अलर्ट जारी होने के बाद हथिनी कुंड से लाखों क्यूसेक पानी दिल्ली में तबाही मचाने के लिए छोड़कर पूरी बेरहमी का परिचय दिया है। हथिनी कुंड के सभी गेट खोलकर 31

■ कांग्रेस ने रेखा गुप्ता सरकार पर लगाया निष्क्रियता व अनदेखी करने का आरोप

अगस्त को रात 2 बजे 1.65 लाख क्यूसेक, सुबह 4 बजे 1.65 लाख क्यूसेक, सुबह 6 बजे 1.95 क्यूसेक और सुबह 7 बजे 2.72 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। दिल्ली में लाखों क्यूसेक पानी अगले 24 घंटों में पहुॅचने के बाद दिल्ली में बाढ़ की पूरी संभावना बन चुकी है, क्योंकि सरकार किसी भी तरह से इससे निपटने के लिए कोई इंतजाम नही कर रही है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि हथनी कुंड से पानी छोड़ने से पहले हरियाणा सरकार को दिल्ली सरकार से बात करनी चाहिए थी।

मुख्यमंत्री का जीएसटी रिटर्न देने का बयान कहीं घोषणा बनकर न रह जाए : यादव

नई दिल्ली। देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री दिवाली से पहले दिल्ली के व्यापारियों को 1600 करोड़ का जीएसटी रिटर्न देने की घोषणा में कितनी वास्तविकता इसका अंदाजा पिछले 7 महीनों के दिल्ली सरकार के कार्यकाल और निर्णयों से लगाया जा सकता है, क्योंकि अभी तक सरकार ने घोषणाएं करने के अलावा कुछ नही किया है। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या मुख्यमंत्री व्यापारियों को लाईसेंस देने की जटिल प्रकिया को आसान बनाने, व्यवसाय स्थापित कर संचालन में आने वाली प्रशासनिक अड़चनों और वैश्विक और स्थानीय आर्थिक उतार चढ़ाव में व्यापारियों की आर्थिक अनिश्चितता में सुधार करने के लिए कोई योजना बना रही है।

गणपति बप्पा का आशीर्वाद लेने पहुंचे राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। 10 दिवसीय गणपति फेस्टिवल महोत्सव में लाल बाग के राजा ट्रस्ट द्वारा आयोजित नेताजी सुभाष पैलेस में इन दिनों श्रद्धलुओं का जमघट लगा हुआ है। साथ ही दिल्ली की जानेमानी हस्तियां भी इस अवसर पर निरंतर गणपति बप्पा जी का आशीर्वाद लेने पहुंच रही है। जिसमें भारत के प्रमुख राजनीतिज्ञ और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बाप्पा जी का आशीर्वाद लेने पहुंचे राजनाथ सिंह ने कहा कि यहां की सुरक्षा व्यवस्था देखकर मेरा हृदय गदगद हो गया और यहां आकर मुझे परम शांति का अनुभव हुआ है। मैं वैसे भी गणपति जी का परम भक्त हूं और यहां आकर मुझे अपूर्व शांति का अनुभव हुआ है। ट्रस्ट के चैयरमेन राकेश बिंदल ने कहा कि गणेश भगवान की असीम कृपा है जो देश के जाने माने नेता, अभिनेता, संत महात्मा यहां पहुंच रहे है। वाइस चेयरमैन सत्यभूषण जैन ने कहा की गणपति बप्पा आपके मार्ग से सभी बाधाओं को दूर करें और आपको एक उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाए। इस अवसर पर कई प्रतिष्ठित हस्तियां उपस्थित रहीं जिनमें संस्था के प्रधान प्रदीप कुमार अग्रवाल, मुख्य यजमान धर्मपाल सिंगल, रतन कुमार, अनिल गुप्ता आदि प्रमुख हैं।

ब्रिक्स सीसीआई हेल्थकेयर समिट 2025 आयोजित

नई दिल्ली, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। ब्रिक्स सीसीआई हेल्थकेयर वर्टिकल के अध्यक्ष एवं कार्यकारी निदेशक-रणनीति प्रण शर्मा के नेतृत्व में शुक्रवार को राजधानी दिल्ली में ब्रिक्स सीसीआई हेल्थकेयर समिट 2025 का सफल आयोजन हुआ। 'ब्रिजिंग ट्रेडिशन एंड इनोवेशन' थीम पर आधारित इस सम्मेलन ने परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों और आधुनिक स्वास्थ्य प्रणाली को जोड़ने की दिशा में वैश्विक सहयोग को नई गति दी।

प्रण शर्मा ने इस पूरे आयोजन की नींव रखी और इसे सफलतापूर्वक संयोजित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आज विश्वभर में लोग रसायन आधारित उत्पादों से हटकर प्राकृतिक, सुरक्षित और टिकाऊ विकल्पों की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने जोर दिया कि आयुर्वेद और अन्य परंपरागत पद्धतियों को आधुनिक विज्ञान से जोड़कर ही भविष्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत और समावेशी बनाया जा सकता है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के

आयुर्वेद व परंपरागत पद्धतियों को आधुनिक विज्ञान से जोड़कर ही भविष्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत और समावेशी बनाया जा सकता है : **प्रण शर्मा**

रूप में केंद्रीय आयुष मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि लोकसभा सांसद अनुराग शर्मा थे। जबकि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने विशेष वीडियो संदेश भेजा। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि आयुर्वेद पूरे ब्रिक्स देशों में लोकप्रिय हो रहा है। सम्मेलन में आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा, दक्षिण अफ्रीका के उच्चायुक्त एच.ई. अनिल सुकलाल, रूस के चार्ज द'अफेयर्स रोमन बाबुश्किन, सेशल्स की उच्चायुक्त एच.ई. हरिसोआ लालातियाना अकुशे सहित कई देशों के राजनयिक भी शामिल हुए।

आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विज़न के अनुसार आयुष हमारी धरोहर है और यह परंपरा तथा आधुनिक विज्ञान को जोड़कर समावेशी वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली की नींव रखता है। वहीं सांसद अनुराग शर्मा ने कहा कि पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को क्लिनिकल ट्रायल की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि इनका प्रभाव लंबे समय से प्रमाणित है। ब्रिक्स सीसीआई के उपाध्यक्ष समीप शास्त्री, सह-अध्यक्ष एवं महानिदेशक डॉ. बीबीएल माधुकर और अध्यक्ष हरवंश चावला सहित संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी और गवर्निंग बॉडी सदस्य भी मौजूद रहे।

विश्व का प्रथम व सबसे बड़ा वस्त्र विरासत वॉक

वॉक में दो हजार से अधिक सुपरमॉडल्स और पांच हजार से अधिक स्वयंसेवक होंगे शामिल

नई दिल्ली, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। अंजलि झा फ़ाउंडेशन गर्व के साथ प्रस्तुत करता है भारत भ्रमण-भारत की समृद्ध वस्त्र विरासत का एक ऐतिहासिक उत्सव। विश्व के प्रथम और सबसे बड़े वस्त्र विरासत वॉक के रूप में परिकल्पित यह पहल भारत के बुनकरों और कारीगरों की शाश्वत कला को समर्पित है। 28 राज्यों और 30 से अधिक शहरों को आच्छादित करते हुए, भारत भ्रमण में 40 से अधिक पारंपरिक वस्त्र प्रदर्शित किए जाएंगे। जिनमें प्रत्येक अपने क्षेत्र की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को प्रतिबिंबित करेगा। इस वॉक में 2,000 से

अधिक सुपरमॉडल्स और 5,000 से अधिक स्वयंसेवक शामिल होंगे, जो भारत के शिल्प समुदायों की अद्भुत प्रतिभा को एक अभूतपूर्व मंच प्रदान करेंगे। उनमें से कई अपनी परंपराओं के अंतिम संवाहक हैं। भारत भ्रमण केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक आंदोलन है। जो धरोहर और युवाओं, परंपरा और आधुनिकता, अतीत और भविष्य को जोड़ता है। इसका उद्देश्य भारत की जीवंत शिल्प परंपराओं का पुनरुत्थान, उत्सव और संरक्षण करना है।

जिम मालिक पर हमले का आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। सेंट्रल दिल्ली के राजेंद्र नगर इलाके में जिम मालिक पर हमला करने के आरोपी को पुलिस ने पुडुचेरी के एक होटल से गिरफ्तार किया है।

आरोपी की पहचान कीर्ति नगर निवासी राहुल उर्फ पंकज चौधरी (38) के रूप में हुई है। सेंट्रल दिल्ली के डीसीपी निधिन वाल्सन ने बताया कि घटना 11 अगस्त को राजेंद्र नगर में हुई थी। 13 अगस्त को राजेंद्र नगर थाने में हत्या की कोशिश और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। जिम मालिक ने पुलिस को बताया कि 5 अगस्त को उनके एक क्लाइंट

विकास सोलंकी ने उससे दुर्व्यवहार किया और जान से मारने की धमकी दी थी। इसके बाद 11 अगस्त को सोलंकी अपने साथियों विक्रम, सरोज, पंकज, राहुल चौधरी, संजय चौधरी और अन्य लोगों के साथ देसी पिस्टल, रिवॉल्वर, लोहे की रॉड और लकड़ी के डंडों से लैस होकर जिम में जबरन घुस आया। आरोपियों ने जिम मालिक पर हमला कर दहशत फैलाने की कोशिश की।

डीसीपी ने बताया कि जांच के दौरान राजेंद्र नगर पुलिस ने मुख्य आरोपियों में से एक विकास सोलंकी को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। हालांकि, अन्य आरोपी फरार थे। डिस्ट्रिक्ट स्पेशल स्टाफ को फरार आरोपियों की तलाश में लगाया गया। गहन जांच और तकनीकी निगरानी के आधार पर पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी राहुल उर्फ पंकज चौधरी पुडुचेरी के एक होटल में छिपा हुआ है। इसके बाद एक विशेष टीम ने पुडुचेरी में छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

दिल्ली से अगवा 5 साल का बच्चा कैथल में मिला, पुलिस ने परिवार को सौंपा

नई दिल्ली, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने शाहबाद डेयरी थाना क्षेत्र से अगवा पांच साल के बच्चे को हरियाणा के कैथल से सकुशल मुक्त कराया। पुलिस ने वारदात से 24 घंटे के भीतर बच्चे को खोज निकाला और उसे माता-पिता को सौंप दिया। बच्चे की सकुशल वापसी से परिवार में खुशी का माहौल है। परिवार के लोगों ने पुलिस का आभार व्यक्त किया है। फिलहाल पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को प्रेस रिलीज जारी कर पूरी घटना और बच्चे की घर वापसी की जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक 29 अगस्त को शाहबाद डेयरी में रहने वाले एक शख्स ने बताया कि उनका पांच साल का बेटा दोपहर करीब 12.30 बजे पड़ोस में रहने वाली सोनी के साथ खेल रहा था। इस दौरान सोनी ने बताया कि वह बच्चे को बाजार ले जा रही है, लेकिन, लौटे समय वह बच्चे के साथ नहीं आई। परिवार ने बच्चे की तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला।

पश्चिम विहार में राम लीला के लिए भूमि पूजन संपन्न

नई दिल्ली, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। आगामी 22 सितंबर से शुरू होने वाली प्रभु श्रीराम की भव्य लीला मंचन हेतु आज पश्चिम विहार ए-2 ब्लॉक स्थित रामलीला मैदान में भूमि पूजन समारोह सम्पन्न हुआ। यह रामलीला पश्चिमी दिल्ली की सबसे पुरानी और प्रसिद्ध रामलीला है जो पिछले क़रीब 45 वर्षों से लगातार आयोजित की जा रही है ।

पश्चिम विहार रामलीला कमेटी के चेयरमैन योगेश शर्मा, प्रधान भारत भूषण दुआ

के अनुसार श्री रामलीला महोत्सव के लिए रविवार को भूमि पूजन समाजसेवी बालू राम गुप्ता सहित क्षेत्र के अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा लिया गया। इस अवसर पर स्थानीय विधायक करनैल सिंह, निगम पार्षद शिखा भारद्वाज, विनीत वोहरा मुख्य रूप से मौजूद थे। इस अवसर पर कलाकारों द्वारा रामलीला के प्रमुख दृश्य भी मंचित किए गए।आगामी दो अक्टूबर को भव्य दशहरा महोत्सव रेडिसन ग्राउंड भैरा एंकलेव पश्चिम विहार में मनाया जाएगा। रामलीला कमेटी के महामंत्री अश्वनी बागड़ी ने मंच संचालन किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 1981 से निरंतर रामलीला महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। इस महोत्सव में गुड मॉर्निंग टीम का भी महत्वपूर्ण योगदान रहता है।

बोझ जितना हल्का होगा, सफर उतना आसान होगा

■ जीवन के हर पड़ाव पर लागू होता है सिद्धांत

■ सबसे बड़ा बोझ उतारने वाला साधन है क्षमा

जीवन में हम सब सफलता, शांति और खुशी की तलाश करते हैं। हम चाहते हैं कि हमें बाहर और भीतर दोनों तरह से स्थिरता और आराम मिले। लेकिन अक्सर हम इस मूल सत्य को भूल जाते हैं कि जितना कम बोझ हम उठाएंगे, उतना अधिक आराम पाएंगे। यह केवल भौतिक बोझ की बात नहीं है, बल्कि भावनात्मक, मानसिक, आध्यात्मिक और भौतिक बोझ की भी बात है। बोझ जितना हल्का होगा, सफ़र उतना आसान होगा। यही सिद्धांत जीवन के हर पड़ाव पर लागू होता है। हमें बस रुककर सोचना होगा कि कैसे अनावश्यक बोझ चाहे वह सामान हो, अपराधबोध, अहंकार, पछतावा या मोह- हमें धीमा करता है, ऊर्जा छीनता है और दृष्टि को धुंधला कर देता है।

सबसे सामान्य उदाहरण से शुरू करें स्कूल जाने वाले बच्चे से। जब छोटा बच्चा पढ़ाई शुरू करता है, वह जिज्ञासा, मासूमियत और आनंद से भरा होता है। लेकिन जल्दी ही उसके स्कूल बैग का वज़न बढ़ने लगता है। किताबों का भी और अपेक्षाओं, दबाव और तुलना का भी। नर्सरी का बच्चा सिर्फ़ ज़रूरी किताबें, कहानियां और खेल-कूद का सामान ले जाता है। लेकिन जैसे-जैसे कक्षा बढ़ती है, बैग भारी होता जाता है, यह जीवन में अनावश्यक बोझ बढ़ने का प्रतीक है। जब बच्चे का बोझ हल्का होता है, वह ज्यादा स्वतंत्र महसूस करता है, तेज़ चलता है, साफ़ सोचता है और सफ़र का आनंद लेता है। लेकिन जब बोझ बढ़ जाता है, उत्साह घटता है, शरीर दुखता है और खुशी खो जाती है। यही सिद्धांत बड़ों, पेशेवरों, नेताओं और हर इंसान पर लागू होता है।

प्रोफेसर डॉ. अच्युत सामंत
संस्थापक
केआईआईटी और केआईएसएस

यात्रा में भी हम अनुभव करते हैं कि जितना कम सामान हो, चलना उतना आसान होता है। ज्यादा सामान, ज़्यादा परेशानी। जीवन भी एक यात्रा है। जो कम भावनात्मक और मानसिक बोझ रखते हैं, वही बेहतर ढलते हैं। अगर हम अतीत की गलतियों, टूटे रिश्तों, द्वेष या बीती उपलब्धियों से चिपके रहते हैं, तो वर्तमान को अपनाने और भविष्य की तैयारी से खुद को रोक लेते हैं। इसलिए क्षमा सबसे बड़ा बोझ उतारने वाला साधन है। जब हम माफ़ करते हैं, हम अनावश्यक बोझ छोड़ देते हैं और खुद को मुक्त करते हैं।

हर धर्म और दर्शन में 'कम सामान' की शिक्षा दी गई है। गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा-बिना आसक्ति, अहंकार और फल की इच्छा के कर्म करो। यह है कम बोझ। बौद्ध धर्म में मुक्ति का मार्ग इच्छाओं और आसक्तियों को छोड़ने से है। यह भी कम बोझ है। जैन धर्म में संयम और न्यूनतम जीवन साधना का साधन है। इस्लाम में पैग़म्बर मोहम्मद ने कहा कि दुनिया से अलिप्त रहो, अल्लाह तुमसे प्रेम करेगा। ईसाई संतों और रहस्यवादियों ने भी सांसारिक चीज़ों से दूर रहने और सादगी अपनाने पर जोर दिया। गांधीजी ने भी यही सिद्धांत अपनाया दुनिया में सबकी ज़रूरत के लिए पर्याप्त है, पर सबके लालच के लिए नहीं। जितना अधिक बोझ, उतनी दूर शांति। जो व्यक्ति छोड़ना सीखता है, वह हल्का, स्वतंत्र और जीवन के प्रति सहज हो जाता है।

मेरे जीवन में संघर्ष, ज़िम्मेदारी और चुनौतियां रही हैं। बचपन से लेकर सार्वजनिक जीवन तक मैंने ग़रीबी भी देखी और सफलता भी। पर मैंने हमेशा 'कम उठाओ, ज़्यादा दो' का सिद्धांत अपनाया। आज भी बड़े संस्थान चलाने के बावजूद मैं निजी जीवन को सरल रखने की कोशिश करता हूं। अनावश्यक वस्तुओं से दूर रहता हूं, जल्दी माफ़ कर देता हूं और असफलताओं पर ज्यादा नहीं अटकता। यही मेरा सुकून है। यही मानसिक शांति है। आज की दुनिया में सफलता का मतलब दौलत, पद और प्रसिद्धि समझा जाता है। पर असली सफलता सरलता में है। महामारी ने हमें यह सिखा दिया कि जीने के लिए बहुत कम चीज़ों की ज़रूरत होती है। स्वास्थ्य, परिवार और आंतरिक शक्ति। जीवन का सफ़र जन्म और मृत्यु के बीच है। हम खाली हाथ आते हैं और खाली हाथ चले जाते हैं। असली मायने यह है कि हमने कैसा जीवन जिया। क्या हम खुश थे? क्या हमने माफ़ किया? क्या हमने अनावश्यक बोझ छोड़ा? अगर हां, तो हमारी यात्रा सहज और शांतिपूर्ण रही। आइए, हम सब अपने-अपने तरीके से कम उठाने और ज़्यादा जीने का प्रयास करें।

नौएडा

नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण

मुख्य प्रशासनिक भवन, सैक्टर-6, नौएडा, गौतमबुद्ध नगर

वेबसाइट: www.noidaauthorityonline.in

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

अर्ह निविदाकारों से निम्न जॉब हेतु ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है, जिन्हें निम्नानुसार तिथियों तक अपलोड किया जा सकता है एवं प्राप्त ई-निविदाओं को उनके सम्मुख दर्शायी गई तिथियों पर खोला जाएगा। निविदा संबन्ध में समस्त विवरण व शर्तें नौएडा प्राधिकरण की अधिकारिक website: www.noidaauthorityonline.in & https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। किसी परिवर्तन, संशोधित एवं अतिरिक्त सूचनाओं के लिए उक्त वेबसाइट देखते रहें।

ए) फ्रेस-टेण्डर कार्यः-

क्र. सं.	जॉब संख्या	कार्य का नाम	निविदा की धनराशि (रु. लाख में)
1.	15/उ.म.प्र./वरि.प्र. (व.स.-1)/2025-26	प्रशासनिक कार्यालयों/बारातघरों तथा स्टॉफ भवन के अनुरक्षण कार्य (सैक्टर-16 में बी-ब्लॉक पार्क के पास शौचालय के निर्माण का कार्य), नौएडा।	27.02
2.	13/उ.म.प्र./वरि.प्र. (व.स.-3)/2025-26	भवनों का अनुरक्षण (ग्राम बरौला सैक्टर-49 में खसरा सं.-1131, 1132, 1133 एवं 1134 (शुत्र सम्पत्ति) पर सी.आर.पी.एफ. भूमि पर तार फेसिंग एवं बारबेड तार लगाने का कार्य) नौएडा।	15.18

उपरोक्त निविदा को दिनांक **16.09.2025 सायं 5.00 बजे** तक अपलोड किया जा सकता है। प्राप्त ई-निविदाओं की प्री-क्वालिफिकेशन दिनांक **17.09.2025 को 11.00 बजे** खोली जायेगी।

बी) रि-टेण्डर कार्यः-

क्र. सं.	जॉब संख्या	कार्य का नाम	निविदा की धनराशि (रु. लाख में)
3.	08/उ.म.प्र./वरि.प्र. (व.स.-5)/2025-26	सड़कों का अनुरक्षण (सेक्टर-60 में दिशा-सूचक बोर्ड लगाने का कार्य), नौएडा।	14.08
4.	17/उ.म.प्र./वरि.प्र. (व.स.-5)/2025-26	चारदीवारी, कॉंटेदार तार लगाने का कार्य (सेक्टर-71 में बायो- मीथेनेशन प्लान्ट की बेरिकेटिंग कराने का कार्य), नौएडा।	13.80
5.	20/उ.म.प्र./वरि.प्र. (व.स.-5)/2025-26	चारदीवारी कोटेदार तार लगाने का कार्य (सेक्टर-71 के सी-ब्लॉक के वाणिज्यिक भूखण्ड की चारदीवारी की मरम्मत, ग्रिटवास प्लास्टर एवं कॉईल फेन्सिंग का कार्य), नौएडा।	15.27

उपरोक्त निविदा को दिनांक **08.09.2025 सायं 5.00 बजे** तक अपलोड किया जा सकता है। प्राप्त ई-निविदाओं की प्री-क्वालिफिकेशन दिनांक **09.09.2025 को 11.00 बजे** खोली जायेगी।

महत्वपूर्ण सूचना-

नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में शासन से स्वीकृत मास्टर प्लान एवं उत्तर प्रदेश औद्योगिक क्षेत्र विकास अधिनियम, 1976 के विपरीत प्लॉटिंग या किसी भी प्रकार का अन्य निर्माण पूरी तरह अवैध है। जनसामान्य को आगाह किया जाता है कि इस प्रकार की अवैध कॉलोनियों एवं अवैध निर्मित भवनों में भूखण्डों/अपार्टमेंट/दुकान/गोडाऊन/फार्महाउस की खरीद-फरोख्त से पूर्णतः सचेत रहें तथा कॉलोनाइजर के लुभावने एवं भ्रामक विज्ञापनों से बचें। साथ ही नौएडा अधिसूचित क्षेत्र के हिण्डन एवं यमुना नदियों के डूब क्षेत्र (Flood Plain Zone) में अनधिकृत/अवैध प्लॉट एवं फार्म हाऊसों के कारोबार में संलिप्त भूमाफियाओं के चंगुल में न फंसे।

उप महाप्रबन्धक (सिविल)
नौएडा

स्वच्छ, हरित, सकुशल, सुरक्षित नौएडा

कैपिटल ज़ोन

उवाच "आवारा कुत्तों का सर्वेक्षण किया जाए। इसके लिए आरडब्ल्यूए व एओए को पत्र लिखा जाए, जिसमें यह जानकारी मांगी जाए कि उनकी सोसाइटी एवं सेक्टर में बिना नसबंदी वाले कुत्ते कितने हैं। सूचना के साथ ही फोटोग्राफ भी दिए जाएं : **डॉ. लोकेश एम, नोएडा प्राधिकरण सीईओ।**

नगर निगम कार्यकारिणी के छह सदस्यों की चुनाव प्रक्रिया के दौरान हंगामा

महापौर ने की चुनाव निरस्त

- भाजपा महानगर अध्यक्ष ने मनाया जश्न
- महापौर ने सदन की अनुशासनहीनता करार दिया

गाजियाबाद, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। गाजियाबाद नगर निगम कार्यकारिणी के छह सदस्यों का चुनाव की प्रक्रिया को महापौर सुनीता दयाल ने एकाएक निरस्त कर दिया। इस दौरान जमकर हंगामा भी हुआ। इस दौरान महापौर का उस समय हाई हो गया, जब जब चुनाव की प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही भाजपा के महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल पार्टी की तरफ से घोषित पांच उम्मीदवारों के साथ चुनाव स्थल पर माला पहनकर पहुंच गए। जिसके बाद महापौर ने पूरी प्रक्रिया को ही एक सिरे से निरस्त कर दी। महापौर ने इसे सदन की अनुशासनहीनता करार दिया। नगर निगम के कविनगर स्थित जानकी भवन परिसर में कार्यकारिणी के छह सदस्यों के लिए चुनाव की प्रक्रिया रखी गई थीं। सुबह साढे 11 बजे से नामांकन प्राप्त किए जाने का कार्यक्रम रखा गया था।

12 बजे तक नामांकन किए जाने थे। भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल की तरफ से पार्टी की तरफ से पांच पार्षद गौरव सोलंकी, प्रवीण चौधरी, प्रमोश यादव, विनीत दत्त व देवनारायण शर्मा ने नामांकन भरा। इसके अलावा विपक्ष की ओर से अजय शर्मा व शशि सिंह ने भी नामांकन कर दिया। जिसके बाद कुल आठ लोग मैदान में आ गए। मदन राय को चुनाव न लड़ने के लिए मना लिया गया था। जबकि शशि को मनाया जा रहा था। तभी मयंक गोयल माला लेकर सदन दूसरी साइड पहुंच गए। जश्न मनाने लगे। तभी महापौर भी वहां पहुंच गई। उन्होंने यह माहौल देखकर इसे अनुशासनहीनता बताए हुए पूरी चुनावी प्रक्रिया को ही निरस्त कर दिया। इस दौरान महापौर व भाजपा महानगर अध्यक्ष के बीच नोक झोंक भी हुई।

जिसके बाद महापौर का पारा हाई हो गया और उन्होंने पूरी चुनाव प्रक्रिया को निरस्त कर दिया।

आवारा कुत्तों पर अंकुश लगाने के लिए होगा सर्वे

- सोसायटी, सेक्टर के गांव में सर्वेक्षण करने के दिए निर्देश

नोएडा, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ ने आवारा कुत्तों पर अंकुश लगाने के लिए सोमवार को बैठक की। इस बैठक में आवारा कुत्तों की संख्या पता लगाने के लिए सोसाइटी, सेक्टर व गांवों में सर्वेक्षण कराने का निर्देश दिया। इसके अलावा कटखने कुत्तों को उठवाकर एनिमल शेल्टर में रखा जाएगा। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने निर्देश दिया कि आवारा कुत्तों का सर्वेक्षण किया जाए। इसके लिए आरडब्ल्यूए व एओए को पत्र लिखा जाए, जिसमें यह जानकारी मांगी जाए कि उनकी सोसाइटी एवं सेक्टर में बिना नसबंदी वाले कुत्ते कितने हैं। सूचना के साथ ही फोटोग्राफ भी दिए जाएं। जिन कुत्तों की नसबंदी हो चुकी है, उनके कान पर वी नोच का निशान बना होगा। इसका मतलब वी-आकार का कटाव य वी-आकार का निशान होता है। इससे इनका सर्वेक्षण कराना आसान होगा। सीईओ ने बताया कि कटखने, आक्रामक वाले कुत्तों को उठाकर रखने के लिए दो नए शेल्टर जल्द खोलने के निर्देश दिए। इनके संचालन के लिए एजेंसी नियुक्त करने के लिए आरएफपी जल्द जारी करने के निर्देश दिए। नए शेल्टर शुरू होने तक अभी वर्तमान में काम कर रही एजेंसी के जरिए कटखने कुत्तों को उठवाकर एनिमल शेल्टर या एनिमल अस्पताल में रखने के निर्देश दिए। लोग आवारा कुत्तों से संबंधित शिकायत प्राधिकरण के कॉल सेंटर 0120-2425025 पर शिकायत कर सकते हैं। सीईओ ने अलग से टोल फ्री नंबर जारी करने के निर्देश दिए।

आवारा कुत्तों के खानपान की व्यवस्था के लिए फीडिंग प्वाइंट बनाए जाएंगे। इसके लिए एओए, आरडब्ल्यूए से समन्वय कर स्थान चिन्हित किए जाएंगे। इसके अलावा जो अभी फीडिंग प्वाइंट चल रहे हैं, उनकी रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए गए।

नोएडा में बाढ़ की आशंका को देखते हुए मवेशियों को किया जा रहा स्थानांतरित

- एसीईओ ने ली समीक्षा बैठक

नोएडा। एसीईओ संजय खत्री ने सोमवार को वर्क सर्किल-9 के क्षेत्र का निरीक्षण किया। सुल्तानपुर गांव में बन रहे तालाब के काम की रफ्तार धीमी पाए जाने पर नाराजगी जताई। यमुना का जलस्तर बढ़ने की वजह से बाढ़ की आशंका को देखते हुए सेक्टर-135 में बने गौंवश आश्रय स्थल को उसी सेक्टर में दूसरी जगह स्थानांतरित करने का काम शुरू कर दिया गया है। एसीईओ संजय खत्री ने तालाब में पाथ वे, बैठने के लिए बेंच, सेल्फी प्वाइंट लगाने समेत अन्य काम करते हुए इसको आकर्षक भ्रमण स्थल बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिला प्रशासन से समन्वय कर बाकी अतिक्रमण को हटवाकर गांव की तरफ तालाब का निर्माण शुरू करने के निर्देश दिए। प्राधिकरण द्वारा सेक्टर-135 में गौवंश आश्रय स्थल का संचालन किया जा रहा है। यमुना नदी का जल स्तर बढ़ने की वजह से आश्रय स्थल तक पानी पहुंचने की संभावना है। आगामी दिनों में बाढ़ भी आ सकती है। इसको देखते हुए आश्रय स्थल को दूसरी जगह स्थानांतरित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

एसीईओ ने बताया कि सेक्टर-135 में ही 45 मीटर चौड़ी सड़क के साथ ग्रीन बेल्ट में आश्रय स्थल बनाया गया है। यहां पर करीब 50 गौवंश स्थानांतरित भी कर दिए गए हैं। बाकी गौवंश को भी यहां जल्द लाया जाएगा। इस स्थल पर पर्याप्त पीने का पानी एवं चारे की व्यवस्था के निर्देश दिए हैं। इसके बाद एसीईओ ने एक्सप्रेस वे के समानांतर 45 मीटर चौड़ी सड़क के साथ ब्रिकवर्क से बना मुख्य नाला क्षतिग्रस्त मिला। इसके अलावा सड़कों पर जगह-जगह गड्ढ़े मिले। इनको ठीक करने के निर्देश दिए गए।

सार संक्षेप

आईएमएस लॉ कॉलेज में लीगल एनरिचमेंट प्रोग्राम का समापन

नोएडा। सेक्टर 62 स्थित आईएमएस लॉ कॉलेज में पांच दिवसीय लीगल एनरिचमेंट प्रोग्राम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। मंगलवार से सोमवार तक आयोजित इस कार्यक्रम में व्याख्यान, इंटरैक्टिव सत्र, मॉक ट्रायल, प्रतियोगिताएं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां शामिल की गई। जिसमें गणमान्य अतिथि, विधि विशेषज्ञों, संकाय सदस्य एवं छात्रों को एक मंच पर साथ लाकर नए शैक्षणिक सत्र की यादगार शुरुआत की गयी। कार्यक्रम के पहले दिन आईएमएस के महानिदेशक प्रोफेसर (डॉ.) विकास धवन, डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर डॉ. गोविंद प्रसाद गोयल एवं विभागाध्यक्ष डॉ. अंजुम हसन ने छात्रों का मार्गदर्शन किया। छात्रों को संबोधित करते हुए प्रोफेसर (डॉ.) विकास धवन ने कहा कि आप अपने शैक्षणिक सफर की शुरुआत पूरे समर्पण, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ करेंगे तो आगे की राह स्वतः ही सरल और सफल हो जाएगी। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को मूट कोर्ट मॉक ट्रायल कराया गया जिसमें छात्रों ने अदालत की कार्रवाई का वास्तविक अनुभव प्राप्त की।

बच्ची को जंगल में ले जाने के प्रयास में एक पकड़ाया

नोएडा। थाना सेक्टर-24 स्पाइस मॉल के पीछे लोगों ने एक व्यक्ति को पकड़ लिया। आरोप है कि वह व्यक्ति एक बच्ची को झाड़ियों में लेकर जा रहा था। पकड़े जाने पर उसने भगने का प्रयास किया। लोगों ने उसकी पिटाई की। पुलिस को जानकारी दी गई। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया है। आरोपी पहचान सुशील के रुप में हुई है। उसकी उम्र करीब 45 साल है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि निठारी में रहने वाले आरोपी अपने घर के सामने रहने वाली महिला को काम पर छोड़कर उसकी बेटी को अपने साथ लेकर आ रहा था। बताया गया कि वो बेटी घर छोड़ने की बजाए स्पाइस मॉल के पीछे जंगल में ले जाने लगा। संदिग्ध लगने पर लोगों ने उसे पकड़ लिया। बच्ची से बातचीत की। इसके बाद आरोपी की स्थानीय लोगों ने पिटाई कर दी। जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। जिसमें जंगल की रोड़ पर काफी भीड़ है। दो लोग आरोपी को पीट रहे है।

कंपनी में लगी आग, लाखों का सामान जलकर राख

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-7 स्थित एक कंपनी में आग लग गई। आग से लाखों का मॉल जलकर राख हो गया। जानकारी मिलते ही मौके पर 5 गाड़ियां भेजी गई। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस दौरान कोई जनहानि नहीं है। सीएफओ प्रदीप चौबे ने बताया कि कंपनी ई-09 सेक्टर-7 में है। यहां विकलांगों के लिए उपकरण बनाए जा रहे है। आग की वजह शॉट सर्किट बताई जा रही है। आग सुबह सात से साढ़े सात बजे के बीच लगी। गार्ड ने आग की सूचना पुलिस ओर दमकल विभाग को दी। आग प्रथम तल पर लगी। जिसके बाद तेजी से फैली। मौके पर एक एक करके पांच दमकल की गाड़ियों को भेजा गया। करीब एक घंटे तक पानी का छिड़काव किया गया। जिसके बाद आग पर काबू पाया गया।

पेयजल के लिए सभासद द्वारा डाली गई जनहित याचिका की सुनवाई 17 को होगी

खोड़ा, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। खोड़ा में पेयजल की किल्लत दिनों दिन बढ़ती जा रही है। यहां पर निवासरत 12 लाख आबादी शुद्ध पेयजल की बूंद बूंद के लिए तरस रही है। दर्जनों बार धरना प्रदर्शन के बावजूद जिला प्रशासन शासन से जुड़े अधिकारी और जनप्रतिनिधि पेयजल उपलब्ध करवाने में अभी तक नाकामयाब ही रहे है। लोगों को चिंता सता रही है कि शीघ्र ही पेयजल मुहैया नहीं कराया गया तो बड़ी संख्या में लोग पलायन को मजबूर हो जाएंगे। खोड़ा में निवासरत अधिकतर गरीब तबके से है। लाखों की संख्या में फैक्ट्रियों में कार्यरत कामगार किराए के मकानों में रहते है। वार्ड 2 के भाजपा सभासद सतीश गुप्ता ने पेयजल के गंभीर संकट को देखते हुए उच्च न्यायालय में जनहित याचिका डालकर पेयजल उपलब्ध कराने की मांग की है। 28 अगस्त को हुई सुनवाई के दौरान नोएडा प्राधिकरण जल निगम गाजियाबाद नगर पालिका परिषद जिलाधिकारी गाजियाबाद और शासन को पक्षकार बनाया गया है। नोएडा प्राधिकरण के वकील द्वारा प्राधिकरण का पक्ष रखते हुए न्यायालय को अवगत कराया गया कि नोएडा प्राधिकरण द्वारा नोएडा ग्रेटर नोएडा की कई सोसाइटियों में पानी देना प्रस्तावित है। इसलिए प्राधिकरण के पास अतिरिक्त पेयजल की उपलब्धता नहीं है। सभासद के विद्वान वकील द्वारा दी गई दलील में बताया गया कि छह माह पूर्व प्रमुख सचिव नोएडा प्राधिकरण के सीईओ और अन्य अधिकारियों की हुई बैठक में खोड़ा को 50 एमएलडी पेयजल देने पर सहमति बनी थी। परन्तु अब प्राधिकरण द्वारा जल निगम को सहमति पत्र नहीं देने की वजह से शासन द्वारा पेयजल के लिए स्वीकृत 183 करोड़ रुपए की योजना अधर में लटकी हुई है। सभासद सतीश गुप्ता ने बताया कि उच्च न्यायालय ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी पक्षों को मय साक्ष्य के आगामी 17 सितम्बर को सुनवाई की तिथि मुकर्रर की है।

दो लोगों ने नोएडा एनसीआर में चोरी किए 100 वाहन

- एक नाबालिग, 18 वाहन बरामद
- छोटी दुकान और गांवों में बेचते थे वाहन

नोएडा, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। थाना फेज-1 पुलिस ने एक सेक्टर-8 नर्सरी के गेट से लगभग 15 कदम की दूरी पर चोरी की बाइक के साथ एक बदमाश को गिरफ्तार किया। इसकी पहचान अनुज शर्मा निवासी बुलंदशहर हुई। पूछताछ की गई तो नाबालिग को पकड़ा गया। इसकी निशानदेही पर कुल 18 वाहन बरामद किए गए। इसमें 15 बाइक, 3 स्कूटी, ऑटो थ्री व्हीलर है। ये सभी नोएडा दिल्ली और एनसीआर के अन्य शहरों से चोरी किए गए है। अनुज पर 21 और नाबालिग पर 11 मुकदमे दर्ज है।

एडीसीपी सुमित शुक्ला ने बताया कि नाबालिग के साथ मिलकर ये अपना गैंग चला रहा था। दिल्ली एनसीआर में कॉलोनियों, कंपनियों के बाहर खड़ी बाइक और वाहनों की रेकी करते। इसके बाद लॉक तोड़कर उनको चोरी कर ले जाते है। चोरी किए गए वाहनों को कही भी गली मोहलला में खड़ा कर चले जाते है। कुछ दिन बाद सभी चोरी के वाहनों को एक स्थान पर एकत्रित करते है। ये लोग सेक्टर-8 में एफ ब्लाक में खाली स्थान पर गाड़ी को छिपाए थे। ये लोग स्थान को बदलते रहते थे। ताकि किसी को शक न हो।

एनसीआर के शहर थे टारगेट

एडीसीपी सुमित शुक्ला ने बताया कि ये दोनों लोग शातिर किस्म है। गुड़गाव के अलावा नोएडा, दिल्ली में इन लोगों ने 100 से ज्यादा वाहन चोरी किए है। ये लोग विगत दो से तीन सालों से चोरी कर घटना कर रहे थे। इसमें नाबालिग भी एक शातिर किस्म का अपराधी है। इनके द्वारा चोरी किए गए वाहनो की ट्रैक किया जा रहा है। वाहन चोरी करने के बाद ये एक स्थान पर वाहनों को रखते थे। इसके बाद छोटे दुकानदार , गांव में लोगों को बताते थे कि बाइक लेनी है तो बता दे। 5 से 10 हजार में बाइक बेच देते थे। इसके अलावा पार्टस निकालकर भी बेचते थे। इसी से अपना जीवन यापन करते है।

बॉटेनिकल गार्डन बस स्टैंड को किया जाएगा मॉडल

- एयरपोर्ट के लिए यहां से मिल सकेंगी बस

नोएडा, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। सेक्टर-38 ए बॉटेनिकल गार्डन बस स्टैंड को नोएडा प्राधिकरण ई-बसों के लिए मॉडल बस स्टैंड बनवाएगा। यहां पर ई-बसों के लिए प्लेटफार्म के साथ ही चार्जिंग प्वाइंट बनाए जाएंगे। ऐसे में बसें प्लेटफार्म पर लगने के साथ ही चार्ज भी होती रहेंगी।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में 500 ई-बस सिटी बस के तौर पर चलाने की तैयारी है। आगे जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का संचालन भी शुरू होना है। एयरपोर्ट के लिए सीधे बॉटेनिकल गार्डन से बसें चलेंगी। यात्रियों की संख्या भी बढ़ेगी। इन सभी तथ्यों को देखते हुए प्राधिकरण ने बॉटेनिकल गार्डन बस स्टैंड के लिए तैयारी शुरू कर दी है। पूरी परियोजना का प्रारूप तैयार हो गया है। अब आगे मंजूरी के बाद टेंडर जारी होगा। प्राधिकरण की तैयारी के मुताबिक यहां पर 26 ई-बसों के लिए प्लेटफार्म बनवाए जाएंगे। इसके साथ ही चार्जिंग प्वाइंट भी बनेंगे। महामाया फ्लाईओवर की तरफ से आने पर ऑटो का जमावड़ा मास्टर प्लान रोड-3 पर और सेक्टर-38 अंडरपास के कोने पर दिखता है। इसको व्यवस्थित बनाने के लिए बस स्टैंड के अंदर ही ऑटो लेन व स्टैंड भी बनाया जाएगा। तैयारी यह है कि बस से उतरने वाले यात्री को ऑटो के लिए बाहर न जाना पड़े। इसी तरह यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस सहायता केंद्र भी बनाया जाएगा। एयरपोर्ट के साथ ही शहर में अन्य जगहों के लिए भी बस संचालन यहीं से होगा। इसको देखते हुए टिकट काउंटर और फूड कोर्ट भी बनाया जाएगा। वहीं यात्री सुविधाओं में शौचालय, प्रतीक्षालय भी शामिल होगा। प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि बस स्टैंड के कायाकल्प की योजना बनाई गई है। इसमें सुविधाओं को हाईटेक करने के साथ सुरक्षा पर भी जोर दिया जाएगा। पूरे परिसर की निगरानी के लिए सीसीटीवी भी लगवाए जाएंगे।

दुकानदारों द्वारा सीसी सड़क को मलबा डालकर किया जा रहा बर्बाद

- अधिकारियों की लापरवाही से मलबे से पाटी जा रही है लाखों की लागत से बनी सड़क

खोड़ा, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। लाखों रुपए की लागत से नोएडा प्राधिकरण द्वारा दीपक विहार के सामने बनाई गई सी सी सर्विस सड़क लापरवाही की भेंट चढ़ रही है।

बारिश के दौरान नाले के उफनाने की वजह से नाले का पानी चार छह घंटे तक सड़क पर भर जाता है। सड़क पर जलभराव की वजह से दुकानदारों को परेशानी होती है। जलभराव की वजह से ग्राहक दुकानों पर खरीददारी करने से कतराते है। जलभराव से तंग आकर दुकानदारों ने इसका सस्ता विकल्प खोज लिया। कई दुकानदार दुकानों के सामने मलबा गिराकर सी सी सड़क को पाटकर ऊंचा कर रहे है। इससे सड़क की खूबसूरती तो बिगड़ ही रही है। साथ ही लोगो को सर्विस रोड पर आवागमन में दिक्कतें हो रही है। सर्विस रोड पहले से ही दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण से कराह रही है। परचून की दुकान हार्डवेयर इलेक्ट्रिक पार्ट ए सी रिपेयर बिल्डिंग मटेरियल सप्लायर डेटिंग पेंटिंग से और गाड़ियों की सर्विस से जुड़े दुकानदारों ने अपनी दुकानें बढ़ाकर सर्विस रोड पर काबिज हो गए है। उल्लेखनीय है कि दीपक विहार के सामने नोएडा प्राधिकरण द्वारा गहरे नाले और सर्विस रोड का निर्माण दो वर्ष पहले ही कराया गया था नगर पालिका परिषद के अधिकारियों द्वारा सर्विस रोड को खोड़ा में सम्मिलित किए जाने की मांग की गई। लेकिन अधिकारियों ने अनुमति नहीं दी। सर्विस रोड की देखभाल और साफ सफाई की जिम्मेदारी नगर पालिका परिषद के पास है। सीमा नोएडा प्राधिकरण और सी सी सड़क खोड़ा से सटी होने और दो प्रशासनिक संस्थाओं के बीच झूलने की वजह से देखभाल के अभाव में नपा के अधिकारी भी अतिक्रमण हटवाने से दूरी ही बना कर रखते है। इसी वजह से लाखों रुपए की लागत से हाल में बनी सड़क मलबे में तब्दील हो रही है। नपा के अधिशासी अधिकारी से संपर्क करने का प्रयास किया गया। लेकिन बाहर होने की वजह से बात नहीं हो पाई।

बेटी की शादी के लिए जमा 44 लाख की रकम ठगों ने दुकानदार के खाते से निकाली

नोएडा, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। बेटी की शादी के लिए जमीन बेचकर बैंक में जमा रकम साइबर अपराधियों ने निकाल ली। ठगों ने मोबाइल हैक कर ठगी की वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित दुकानदार का दावा है कि उसने बैंक और खाता संबंधी जानकारी किसी से साझा नहीं की। इसके बावजूद उसके साथ 44 लाख रुपए की ठगी हो गई। पीड़ित की शिकायत पर साइबर क्राइम थाने की पुलिस ने अज्ञात ठगों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है। पीड़ित के खाते से साइबर अपराधियों ने 20 से अधिक बार में रकम विभिन्न खातों में ट्रांसफर की। बैंक से रकम निकालने गए दुकानदार को खाता खाली मिलने पर अपने साथ ठगी होने का पता चला। जिन खातों में ठगी की रकम गई है पुलिस ने उनकी जांच करनी शुरु कर दी है। सेक्टर 141 के शाहदरा गांव निवासी कालीचरण ने बताया कि वर्तमान में वह प्लास्टिक का सामान बेचने की दुकान करते हैं। उनकी पांच बेटियों में से दो की शादी हो चुकी है। तीसरे नंबर की बेटी की शादी के लिए वह लंबे समय से रिश्ता देख रहे थे। बेटी की शादी के लिए कालीचरण ने बीते दिनों बुलंदशहर में अपनी तीन बीघे जमीन बेच दी। जो भी रकम मिली उसे उसने बैंक आफ इंडिया की भंगेल शाखा के खाते में जमा कर दिया ताकि शादी के पहले रकम निकाली जा सके। बीते 22 अगस्त को जब वह इसमें से कुछ रकम निकालने के लिए बैंक गए तो उन्हें ठगी की जानकारी हुई।

जीबीयू ने राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार करने के लिए किया समझौता

ग्रेटर नोएडा, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय ओलंपिक, कामनवेल्थ गेम्स व राष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ी तैयार करने के लिए कदम उठाया है। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति राणा प्रताप सिंह ने एचसीएल फाउंडेशन के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्तार किया है। इस साझेदारी का उद्देश्य जमीनी स्तर से छात्रों को खेलों में प्रोत्साहित करना और उन्हें राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने हेतु चयन व विशेष प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है। इस पहल के तहत देशभर के 500 से अधिक युवा खिलाड़ियों, विशेषकर बालिकाओं और वंचित तबके के युवाओं, को सशक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें एचसीएल फाउंडेशन की जमीनी स्तर पर गहरी पैठ और अवसंरचना सहयोग को जीबीयू की विश्वस्तरीय खेल सुविधाओं और अकादमिक कार्यक्रमों से जोड़ा जाएगा। इस साझेदारी के अंतर्गत खिलाड़ियों को संरचित कोचिंग, पोषण संबंधी सहयोग, अकादमिक सहायता और सुरक्षित आवास जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि उनके समग्र विकास को सुनिश्चित किया जा सके।

कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह ने कहा कि यह साझेदारी हमारे साझा दृष्टिकोण को दर्शाती है जिसमें अकादमिक उत्कृष्टता और खेल प्रशिक्षण को एकीकृत कर भावी चैंपियनों का निर्माण किया जाएगा। ऐसे खिलाड़ी आत्मविश्वासी, सक्षम और सामाजिक रूप से उत्तरदायी नागरिक बनेंगे। एमओयू पर हस्ताक्षर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. विश्वास त्रिपाठी और

- जीबीयू में विश्वस्तरीय खेल सुविधाओं और अकादमिक कार्यक्रमों के साथ ओलंपिक खेलों पर होगा फोकस

एचसीएल फाउंडेशन की सीनियर वाइस प्रेसिडेंट एवं डायरेक्टर, ग्लोबल सीएसआर डॉ. निधि पुंधिर ने किए। इस अवसर पर सभी डीन, एचसीएल फाउंडेशन की टीम और बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे। डॉ. निधि पुंधिर ने कहा कि खेल परिवर्तन का एक सशक्त माध्यम है। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के साथ इस सहयोग के जरिए हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हर पृष्ठभूमि से आने वाले युवा खिलाड़ियों को समान और समावेशी अवसर मिलें। गौरतलब है कि एचसीएल फाउंडेशन का 'स्पोर्ट्स फॉर चेंज' कार्यक्रम 2016 से अब तक 80 करोड़ का निवेश कर 64,311 युवा खिलाड़ियों को सहयोग दे चुका है, जिनमें 169 पैरा-एथलीट्स शामिल हैं। इस कार्यक्रम में 50.7 प्रतिशत महिला खिलाड़ियों की भागीदारी रही है। कार्यक्रम के अंतर्गत 145 कोच, 149 स्कूल एवं कॉलेज प्रवेश और अनेक छात्रवृत्तियां तथा प्रशिक्षण अवसर प्रदान किए गए हैं। इस एमओयू से जीबीयू और एचसीएल फाउंडेशन मिलकर आने वाले वर्षों में भारत को नई खेल प्रतिभाएं देंगे, जो विश्व स्तर पर देश का नाम रोशन करेंगी।

एनसीआरटीसी ने यात्री सुरक्षा के लिए उठाए एक और अहम कदम

साहिबाबाद व गाजियाबाद नमो भारत स्टेशनों के पास खुली पुलिस चौकी

गाजियाबाद, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। नमो भारत के यात्रियों के लिए सुरक्षा व्यवस्था को और बेहतर करने की दिशा में एनसीआरटीसी उत्तर प्रदेश पुलिस के सहयोग से प्रत्येक स्टेशन के करीब पुलिस चौकी का निर्माण किया है। सोमवार को साहिबाबाद और गाजियाबाद नमो भारत स्टेशनों के पास पुलिस चौकी का उद्घाटन कर इन्हें उत्तर प्रदेश पुलिस को सौंपा गया। ऐसी पुलिस चौकी दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के प्रत्येक स्टेशन पर बनाई जाने की योजना है।

एनसीआरटीसी के प्रवक्ता पुनीत वत्स ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा नमो भारत कॉरिडोर के लिए दो थाने भी नियत एक गए हैं। जिनमें से एक थाना गाजियाबाद कमिश्नरेट और दूसरा थाना मेरठ जनपद में होगा, जिनकी निर्माण प्रक्रिया जारी है। नमो भारत स्टेशनों पर बनने वाली पुलिस चौकी इन्हीं थानों के अंतर्गत कार्य

करेंगी। साहिबाबाद और गाजियाबाद स्टेशनों की पुलिस चौकी का सोमवार को शीर्ष अधिकारियों की मौजूदगी में यूपी पुलिस को हैंडओवर किया गया। साहिबाबाद नमो भारत स्टेशन के गेट नंबर-2 के पास इस पुलिस चौकी का निर्माण किया गया है। इस चौकी में नमो भारत ट्रेन व स्टेशनों पर होने वाली घटनाओं से जुड़े मामलों की शिकायत दर्ज कराई जा सकेंगी। ये चौकी थाना लिंक रोड और ट्रांस हिडन जोन के अंतर्गत आती है। बाद में केवल नमो भारत स्टेशन व इससे जुड़े मामले और शिकायतों का ही इस चौकी में निवारण होगा और नियत थाना के अंतर्गत कार्य किया जाएगा। गाजियाबाद नमो भारत स्टेशन के पास बनी पुलिस चौकी नगर (गाजियाबाद) जोन के अंतर्गत है, जहां गाजियाबाद स्टेशन से जुड़े मामलों की शिकायत दर्ज कराई जा सकेंगी।

श्रीराम लखन धार्मिक लीला कमेटी ने रामलीला के लिए किया भूमि पूजन

नोएडा, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी की ओर से सेक्टर-46 स्थित ए ब्लॉक रामलीला मैदान में 22 सितम्बर से रामलीला महोत्सव के लिए आज भूमि पूजन का कार्यक्रम किया गया। अध्यक्ष विपिन अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष रामलीला महोत्सव का आयोजन 22 सितम्बर से 3 अक्टूबर तक चलेगा जहां श्री राम की अद्भुत लीलाओं का मंचन देखने को मिलेगा। वाइस चेयरमैन राजेंद्र जैन व पूनम सिंह ने बताया कि इस वर्ष का आयोजन में हजारों की संख्या में लोग शामिल होंगे। पंडित कृष्ण स्वामी ने बताया कि श्री राम के जीवन से प्रेरित लीला का मंचन करने से समाज में और युवा पीढ़ी में संस्कारों का प्रसार होता है। इसलिए रामलीला मंचन

और ऐसी अन्य कथाओं का आयोजन आवश्यक है। रामलीला भूमि पूजन के दौरान शहर के प्रमुख व्यक्तियों और अतिथियों ने आयोजन के सफलतापूर्वक संपन्न होने की शुभकामनाएं दी इस अवसर पर मौजूद मुख्य लोगों में भाजपा महानगर पूर्व अध्यक्ष मनोज गुप्ता, भाजपा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, पूर्व विधायक विमला बाथम, अनिल सिंह, टी एन गोविल, पीयूष द्विवेदी, दीपक विग आदि लोग मौजूद रहे।

उवाच

यमुना प्राधिकरण प्लॉट बायर पर देरी से कंस्ट्रक्शन की पेनल्टी भी लगा रही है, जबकि बिल्डर के पैसा न देने के कारण प्राधिकरण प्लॉट बायर का मैप भी अप्रूव नहीं कर रही है तो प्लॉट बायर अपना घर कैसे बनाएं, फॉर्मर कंपनसेशन को लेकर भी बिल्डर द्वारा कुछ प्लॉट बायर को गलत चिट्ठी भेजी गई है, जिसके विषय में जानकारी मांगने पर बिल्डर द्वारा कोई जवाब नहीं दिया गया है : **तरुण शर्मा, जनरल सेक्रेट्री, आर आई टाउनशिप यमुना प्लॉट ऑनर्स एसोसिएशन।**

नोएडा एयरपोर्ट के सुरक्षा की कमान इस माह होगी सीआईएसएफ के हवाले

- सीआईएसएफ के विवाहित जवानों के लिए आवास की बाधा हुई दूर
- सीआईएसएफ के 467 जवानों को ग्रेनो के सेक्टर ओमीक्रान में मिला फ्लैट
- नोएडा एयरपोर्ट से उड़ान शुरू करने को लेकर जल्द मुख्यमंत्री करेंगे समीक्षा

ग्रेटर नोएडा, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश के जेवर में बन रहा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एनआईए) अब तेजी से अपने अंतिम चरण में पहुंच रहा है। सितम्बर 2025 के अंत तक एयरपोर्ट की सुरक्षा का जिम्मा केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) को सौंप दिया जाएगा, जिससे यह अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप एक सुरक्षित हवाई केंद्र बन सकेगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पहले ही 1,700 से अधिक सीआईएसएफ जवानों की तैनाती को मंजूरी दे दी है, हालांकि शुरुआती चरण में 1,030 जवानों को तैनात किया जाएगा। इस बीच, एयरपोर्ट का निर्माण कार्य 98 फीसदी से अधिक पूरा हो चुका है, और घरेलू उड़ानें तथा कार्गो सेवाएं सितम्बर 2025 से शुरू होने की उम्मीद है, जबकि पूर्ण संचालन नवम्बर 2025 तक हो जाएगा।

निर्माण प्रगति : तेज गति से आगे बढ़ता प्रोजेक्ट

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण दिसम्बर 2021 में शुरू हुआ था, लेकिन कोविड-19 और अन्य चुनौतियों के कारण कई बार देरी हुई। मूल रूप से सितम्बर 2024 में उद्घाटन की योजना थी, जो अप्रैल 2025 तक टल गई, और अब नवम्बर 2025 को अंतिम लक्ष्य रखा गया है। जुलाई 2025 तक 80 फीसदी से अधिक निर्माण पूरा हो चुका है, जिसमें रनवे 100 फीसदी तैयार है, टैक्सीवे, टर्मिनल बिल्डिंग का बाहरी हिस्सा और एटीसी (एयर ट्रैफिक कंट्रोल) तकनीकी भवन लगभग पूर्ण हैं। अगस्त 2025 में एयरपोर्ट के सीईओ क्रिस्टोफ श्नेलमैन ने घोषणा की कि एयरोनॉटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर पूरी तरह तैयार है, जो संचालन की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

एयरपोर्ट को ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी द्वारा डिजाइन, निर्माण और संचालित किया जा रहा है, और यह अंततः एशिया का सबसे बड़ा हवाई अड्डा बनेगा। प्रारंभिक चरण में यह 2 करोड़ यात्रियों की क्षमता रखेगा, जो दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (आईजीआई) पर दबाव कम करेगा। हाल ही में, एयरपोर्ट रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एईआरए) ने यूजर डेवलपमेंट फी (यूडीएफ) को 210 से 980 रुपए तक तय किया है, जिसमें 95 फीसदी घरेलू यात्री होने की उम्मीद है। जून 2025 में कैलिब्रेशन फ्लाइट पूरी हो चुकी है, और एयरपोर्ट के 20 किमी रेडियस में कोई भी निर्माण एनओसी (नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट) के बिना नहीं किया जा सकेगा।

यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (वाईआईएपीएल) द्वारा संचालित यह प्रोजेक्ट अब फिनिशिंग टच पर केंद्रित है। पैसेंजर टर्मिनल के अंदरूनी काम तेजी से चल रहे हैं, और जेवर लिंक एक्सप्रेस वे का प्राथमिक हिस्सा पूरा हो चुका है, हालांकि पूर्ण कनेक्टिविटी में अभी 2 साल लग सकते हैं। प्रदेश सरकार ने विकासकर्ता कंपनी को 30 सितम्बर तक सभी अधूरे कार्य पूरे करने का निर्देश दिया है।

सुरक्षा व्यवस्था सीआईएसएफ का मजबूत कवर

एयरपोर्ट की सुरक्षा को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाने के लिए सीआईएसएफ को जिम्मेदारी सौंपी जा रही है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने दिसम्बर 2024 में ही 2,870 सीआईएसएफ जवानों की मंजूरी दी थी, जिसमें नोएडा एयरपोर्ट के लिए 1,700 जवानों का प्रावधान है। हालांकि, शुरुआती तैनाती में 1,030 जवानों को शामिल किया जाएगा, जो काउंटर-टेररिस्ट कवर प्रदान करेंगे। सीआईएसएफ को एयरपोर्ट की सैनिटाइजेशन और सुरक्षा के लिए कम से कम एक महीने का समय चाहिए, इसलिए औपचारिक हैंडओवर अप्रैल की शुरुआत में होने की संभावना है, लेकिन अब इसे सितम्बर तक तेज किया गया है। जवानों के आवास की समस्या को भी हल कर लिया गया है। ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने विवाहित जवानों के लिए सेक्टर ओमीक्रॉन-1 में 812 फ्लैट्स उपलब्ध कराने की मंजूरी दी है, जिसमें टाइप-2 के 323 और टाइप-3 के 144 फ्लैट शामिल हैं। किराया जवानों के हाउस रेंट अलाउंस (एचआरए) से ही चुकाया जाएगा। 18 अगस्त को जीएनआईडीए ने इस संबंध में आधिकारिक पत्र जारी किया। अविवाहित जवानों और अधिकारियों के लिए एयरपोर्ट परिसर में ही आवासीय भवन तैयार हैं, जबकि 10 उच्च अधिकारियों के लिए अलग व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा, यमुना एक्सप्रेस वे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी ने सेक्टर 22ए में 13.6 एकड़ जमीन सीआईएसएफ हाउसिंग के लिए आवंटित की है।

यात्रियों को मिलेगी विश्व स्तरीय सुविधा

यह एयरपोर्ट दिल्ली-एनसीआर का दूसरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा होगा, जो आईजीआई एयरपोर्ट की मांग को पूरा करने में मदद करेगा। सभी चरणों के पूरा होने पर यह 7 करोड़ यात्रियों की क्षमता रखेगा, और आसपास के क्षेत्र में रोड, होटल और अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास हो रहा है। इस कदम से न केवल सुरक्षा मजबूत होगी, बल्कि यात्री एक आधुनिक और सुरक्षित हवाई यात्रा का अनुभव कर सकेंगे। हलिया अपडेट्स से पता चलता है कि टर्मिनल बिल्डिंग के फिनिशिंग वर्क तेजी से चल रहे हैं, और एयरपोर्ट पूरी तरह तैयार होने की कगार पर है।

इस प्रोजेक्ट से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को बड़ा बढ़ावा मिलेगा, और जेवर क्षेत्र में रियल एस्टेट बूम की उम्मीद है। सरकार और विकासकर्ताओं की साझेदारी से यह एयरपोर्ट भारत के एविएशन सेक्टर में एक नया अध्याय लिखेगा।

यूपीआईटीएस-2025 में यूपी की हस्तशिल्प की समृद्ध विरासत को मिलेगा अंतरराष्ट्रीय मंच

- प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में बूस्टर डोज का काम करेगी यूपी की बौद्धिक सम्पदा
- काशी व आसपास की समृद्ध हैंडीक्राफ्ट व हस्तशिल्पियों के हुनर वाले 32 जीआई टैग उत्पादों की चमक देखेगी दुनिया

ग्रेटर नोएडा, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश की कला और हस्तशिल्प की समृद्ध विरासत को प्रदेश सरकार अंतरराष्ट्रीय मंच देने जा रही है। यूपी सरकार 25 से 29 सितम्बर तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन करा रही है। इस ट्रेड शो में प्रदेश के भौगोलिक संकेत वाले जीआई उत्पाद विशेष आकर्षण का केंद्र होंगे। यह न केवल प्रदेश की सांस्कृतिक समृद्धि के परिचायक होंगे, बल्कि इसे 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस ट्रेड शो में काशी व आसपास की समृद्ध हैंडीक्राफ्ट की विरासत और हस्तशिल्पियों का हुनर वाले 32 जीआई टैग वाले उत्पादों की चमक दुनिया देखेगी। जीआई उत्पादों की प्रदर्शनी के लिए इंटरनेशनल ट्रेड शो में अलग से पवेलियन की व्यवस्था होगी। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश में कुल 77 जीआई टैग वाले उत्पाद हैं, इसमें से 57 हस्तशिल्प और 20 कृषि एवं खाद्य उत्पाद जीआई पंजीकृत उत्पाद हैं।

काशी व आसपास के जनपदों के उत्पादों को मिलेगा बड़ा मंच

उत्तर प्रदेश की बौद्धिक सम्पदा प्रदेश की इकोनॉमी को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में बूस्टर डोज का काम करेगी। प्रदेश की जीआई उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार दिलाने के लिए योगी सरकार इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन कर रही है। सरकार देश की परंपरागत हुनर और जीई उत्पादों को पुनर्जीवित करके इंटरनेशनल प्लेटफार्म पर ला रही है। खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश के जीआई उत्पादों और ओडीओपी के ब्रांड एम्बेसडर बनकर ब्रांडिंग और मार्केटिंग करते रहे हैं। इस विषय में अपर आयुक्त उद्योग उमेश कुमार सिंह ने बताया कि पांच दिवसीय यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में उत्तर प्रदेश के 60 जीआई पंजीकृत उत्पाद शामिल हो रहे हैं। जीआई उत्पादों को ट्रेड शो में अलग से स्थान दिया जा रहा है। सबसे ज्यादा काशी व आसपास के जनपदों के जीआई टैग वाले उत्पाद ट्रेड शो के मंच पर देखने को मिलेगा।

उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान

जीआई मैन ऑफ इंडिया के नाम से जाने वाले पद्मश्री डॉ. रजनीकांत ने बताया कि इंटरनेशनल ट्रेड शो से जीआई उत्पादों के कारोबार में 20 से 25 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। उन्होंने जानकारी दी कि उत्तर प्रदेश में जीआई पंजीकृत उत्पादों के कारोबार से करीब 60 लाख लोग जुड़े हैं। इसका सालाना अनुमानित कारोबार लगभग 1 लाख करोड़ का है। पद्मश्री रजनीकांत ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ट्रेड शो में प्रदेश के जीआई उत्पादों के शो केस करने के लिए अलग से स्थान दिए जाने पर आभार व्यक्त किया है। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश, देश का एकमात्र राज्य है, जहां सभी प्रमुख श्रेणी के जीआई उत्पाद हैं। हस्तशिल्प में सर्वाधिक जीआई प्राप्त उत्पाद भी उत्तर प्रदेश से ही हैं। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में कुल 77 जीआई पंजीकृत उत्पाद हैं। हैंडीक्राफ्ट, हैंडलूम और खाद्य उत्पादों के 60 जीआई टैग वाले उत्पाद ट्रेड शो में उपस्थिति दर्ज करेंगे, जिसमें सबसे ज्यादा 32 जीआई टैग वाले उत्पाद अकेले काशी और आसपास के जनपदों के हैं। ऐसे में, अब ये उत्पाद इंटरनेशनल ट्रेड शो में अपनी चमक बिखेरकर अंतरराष्ट्रीय उड़ान भरने को तैयार हैं।

रोटरी क्लब ग्रीन में ऋषि के अग्रवाल बने नए अध्यक्ष

ग्रेटर नोएडा, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। रोटरी क्लब ग्रीन ग्रेटर नोएडा द्वारा आगामी सत्र 2025-26 का इन्स्टालेशन कार्यक्रम 'उदभव' अवध ग्रीन बैंकवेट में सम्पन्न हुआ। मीडिया प्रभारी विनोद कसाना ने बताया कि क्लब अध्यक्ष ऋषि के अग्रवाल, क्लब सेक्रेट्री निखिल गर्ग व कोषाध्यक्ष राहुल शर्मा ने अमिता मोहिन्द्र की मौजूदगी में कार्यभार ग्रहण किया। पूर्व अध्यक्ष शैलेश चंद्र वार्ष्णेय ने पिछले वर्ष क्लब के द्वारा किये कार्यों से सभी को अवगत कराया।

इंस्टॉलेशन चेयरमैन मनोज गर्ग ने बताया कि डिस्ट्रिक्ट से डिस्ट्रिक्ट ट्रेनर ललित खन्ना, डिस्ट्रिक्ट सेक्रेट्री आशा वालिया, डिस्ट्रिक्ट जीओवी चेयर विजय कुमार भूषण, डीडीए गौरव भार्गव व एजी सुधीर सक्सेना भी मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर 15 नए सदस्यों ने भी क्लब की सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम का संचालन पूर्व अध्यक्ष सौरभ बंसल व मुकेश शर्मा ने किया। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष मंजीत सिंह, डॉ के.के. शर्मा, प्रवीण गर्ग, अमित राठी, सी. पी. बागला, एमपी सिंह, शिवकुमार आर्य, विक्रमादित्य सैनी, संजय गर्ग व क्लब के अन्य सदस्य परिवार सहित उपस्थित रहे।

छह फीसदी आबादी भूखंड में मूलभूत सुविधाओं की कमी, नालियां जाम लोग परेशान

ग्रेटर नोएडा, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। कासना के 6 प्रतिशत आबादी भूखंड पाने वाले लोग इन दिनों गंभीर समस्याओं से जूझ रहे हैं। यहां प्राधिकरण द्वारा किसानों को प्लॉट तो दे दिए गए, लेकिन आज तक विकास कार्य पूरे नहीं हुए। हालात ऐसे हैं कि निवासी बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। इलाके की सबसे बड़ी समस्या नालियां हैं। कूड़ा और गंदा पानी जमा है, जिससे मच्छरों की भरमार हो गई है। लोगों को बदबू और गंदगी से परेशान होना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि ऐसी स्थिति में डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियां फैल सकती हैं। उन्होंने बताया कि इलाका डिवीजन 8 के अधीन आता है, उसके बाद भी सफाई अनदेखी कि जा रही है। इस वजह से लोगों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। सफाई विभाग समय पर नालियों की सफाई नहीं कर रहा और न ही नियमित रूप से कूड़ा उठाया जा रहा है।

पुलिया न होने से परेशानी

नालियों पर रैम्प या पुलिया नहीं बने होने के कारण लोगों को एक गली से दूसरी गली जाने में बड़ी कठिनाई होती है। बच्चों और बुजुर्गों के लिए तो यह और भी बड़ी समस्या बन गई है। कई बार लोगों को घर तक पहुंचने के लिए लंबा रास्ता तय करना पड़ता है।

स्थानीय लोग नाराज

यहां के निवासियों और समाजसेवियों का कहना है कि प्राधिकरण ने केवल जमीन देकर जिम्मेदारी पूरी मान ली, जबकि असल में उन्हें मूलभूत सुविधाओं से वंचित कर दिया गया। समाजसेवी मोहित भाटी और जयवीर भाटी ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द सुधार नहीं हुआ तो लोग विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

चौदह सौ परिवार पिछले पन्द्रह साल से घर पाने का लगा रहे चक्कर

ग्रेटर नोएडा, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र के एसडीएस एनआरआई टाउनशिप के घर खरीदार अपना घर पाने के लिए पिछले पन्द्रह साल से चक्कर लगा रहे हैं। घर खरीदार अपने जीवन की गाड़ी कमाई बिल्डर को दे कर कर फंस गए है, जहां प्राधिकरण और बिल्डर के चक्कर काट काट कर सालों गुजर गए है। चौदह सौ परिवारों के साथ बिल्डर द्वारा किया गया है, धोखा उसने उनको सुनहरे सपने दिखा कर आज तक भी टाउनशिप का पूरा विकास नहीं किया 900 प्लॉट बायर की आज तक रजिस्ट्री भी नहीं हुई है जिसके पीछे कारण है बिल्डर द्वारा प्राधिकरण का करीब 630 करोड़ बकाया जमा न करना, इस टाउनशिप में आज तक बिजली पानी जैसे आधार भूत सुविधाएं तक भी उपलब्ध नहीं है। तरुण शर्मा, जनरल सेक्रेट्री, आर आई टाउनशिप यमुना प्लॉट ऑनर्स एसोसिएशन ने बताया कि यमुना प्राधिकरण प्लॉट बायर पर देरी से कंस्ट्रक्शन की पेनल्टी भी लगा रही है।

- प्राधिकरण व बिल्डर के बीच में पिस रहे हैं घर खरीदार, मुख्यमंत्री से लगाई है गुहार

जबकि बिल्डर के पैसा न देने के कारण प्राधिकरण प्लॉट बायर का मैप भी अप्रूव नहीं कर रही है तो प्लॉट बायर अपना घर कैसे बनाएं, फॉर्मर कंपनसेशन को लेकर भी बिल्डर द्वारा कुछ प्लॉट बायर को गलत चिट्ठी भेजी गई है, जिसके विषय में जानकारी मांगने पर बिल्डर द्वारा कोई जवाब नहीं दिया गया है, जिस से साफ है वह प्रोजेक्ट को लटकाना चाहता है और प्लॉट बायर को परेशान करना चाहता है। एसोसिएशन की मुख्यमंत्री की से गुहार है की मामले की गंभीरता को समझते हुए तत्काल इसका संज्ञान ले एवं 15 साल से भटक साथी चौदह सौ परिवारों की समस्या का समाधान जल्द से जल्द कराए।

सपा कार्यकर्ताओं ने शिवपाल यादव का किया स्वागत

ग्रेटर नोएडा, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव के ग्रेटर नोएडा आगमन पर पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी के नेतृत्व में परीचौक पर स्वागत किया। शिवपाल यादव सोमवार को एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ग्रेटर नोएडा आए थे। इस अवसर पर उनके स्वागत के लिए जिले के कार्यकर्ता परीचौक पर उपस्थित रहे। इस मौके पर उपस्थित कार्यकर्ताओं से शिवपाल सिंह यादव ने संविधान बचाने और लोकतंत्र की रक्षा के लिए भाजपा को हटाने और अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने के लिए समाजवादी पार्टी को बूथ स्तर पर मजबूत करने का आह्वान किया। इस मौके पर मुख्य रूप से राजकुमार भाटी, वीर सिंह यादव, फकीर चंद नागर, इन्दर प्रधान, गजराज नागर, सुनील भाटी देवटा, रामशरण नागर एडवोकेट, जिला महासचिव सुधीर तोमर, दीपक भाटी देवटा, जगवीर नंबरदार, रोहित मत्ते गुर्जर, गजेंद्र यादव, शौकत अली चेची व आदि मौजूद रहे।

खोया पाया

मै, प्रभात भूषण भटनागर पुत्र श्री भगवान स्वरूप भटनागर निवासी मकान संख्या 7/26, अंसारी रोड ,दरिया जंग सेंट्रल दिल्ली 110002, मैंने प्लॉट संख्या 671, पॉकेट 2(B), सेक्टर 18, आवंटन संख्या YEA017061, यमुना ओद्योगिक विकास प्राधिकरण उत्तर प्रदेश का ओरिजनल आवंटन पत्र खो गया है। यदि पाया जाता है, तो इसे मेरे पते पर लौटा दें।

भारत विकास परिषद ने प्रतिभाशाली छात्रों को किया सम्मानित

ग्रेटर नोएडा, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। विवेकानंद शाखा,भारत विकास परिषद ने मॉडर्न स्कूल, सेक्टर डेल्टा 1 में कक्षा एक से आठ तक के प्रतिभाशाली छात्रों को अपनी कक्षा में सर्वोत्तम परिणाम लाने पर पुरस्कृत किया। जब छात्रों से पूछा गया कि शिक्षक दिवस क्यों मनाया जाता है तो एक बालक ने विस्तार से शिक्षक दिवस के महत्व तथा डॉ. सर्वपल्ली राधा कृष्णन द्वारा अपने जन्मदिवस को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने के आग्रह के बारे में अवगत करवाया। छात्रों को कक्षा में सर्वोत्तम प्रदर्शन करने के लिए शपथ भी दिलवाई गई। इस असर पर विवेकानंद शाखा के अध्यक्ष विवेक अरोरा, राजेश बिहारी, संगीता वर्मा, नीरज कौशिक आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उत्तर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः- 0120-4270009

देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो की तैयारियों में जुटा जिला प्रशासन

- होटल संचालकों, ब्रांडिंग व प्रमोशन, खानपान से जुड़े अधिकारियों के साथ की बैठक

ग्रेटर नोएडा, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 को लेकर जिलाधिकारी मेधा रूपम के निर्देश पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे ने सोमवार को इंडिया एक्सपो मार्ट, ग्रेटर नोएडा स्थित सभागार में होटल संचालकों, ब्रांडिंग एवं प्रमोशन तथा खान-पान व्यवस्थाओं से सम्बंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने बैठक में होटल संचालकों से कहा कि ट्रेड शो के दौरान विगत दो वर्षों से आपके द्वारा जैसे सहयोग किया जा रहा है, ठीक उसी प्रकार इस वर्ष भी यूपी ट्रेड शो को सफल बनाने में अपना पूरा सहयोग प्रदान करें। उन्होंने कहा कि होटल संचालक केवल निर्धारित दरों पर ही सेवाएं उपलब्ध करायें और किसी भी अतिथि अथवा आगंतुक से निर्धारित दर से अधिक राशि न ली जाए। इस संबंध में यदि कोई शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित होटल या प्रतिष्ठान के विरुद्ध नियम अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने यह भी कहा कि होटल प्रबंधन स्वच्छता, सुरक्षा एवं आतिथ्य के उच्चतम मानक बनाए रखें ताकि जनपद आने वाले राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मेहमानों पर सकारात्मक प्रभाव पड़े।

ट्रेड शो की ब्रांडिंग एवं प्रमोशन को लेकर अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों को सक्रिय रहकर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, रेडियो आदि माध्यमों से व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार सुनिश्चित किया जाए तथा सिनेमा हॉल, मॉल, मेट्रो स्टेशन, स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, सार्वजनिक स्थलों, शो स्थल एवं उसके आस-पास आकर्षक होर्डिंग्स, बैनर और डिजिटल स्क्रीन लगाई जाएं।

ब्रांडिंग के दौरान 'मेक इन यूपी' एवं 'वोकल फॉर लोकल' की थीम को प्रमुखता दी जाए ताकि राज्य की औद्योगिक और सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया जा सके। खानपान व्यवस्था पर जोर देते हुए अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने कहा कि ट्रेड शो के दौरान यूपी के प्रत्येक जिले के प्रसिद्ध व्यंजन के भी स्टाल लगाया जाए, ताकि लोग प्रदेश के प्रसिद्ध व्यंजनों का स्वाद चख सके। इसके साथ ही पेयजल की उपलब्धता, स्वच्छ शौचालय, प्राथमिक उपचार तथा अन्य जनसुविधाओं का ध्यान रखते हुए आगंतुकों को सहज और सुखद अनुभव प्रदान किया जाए।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी 2 सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जपनद गौतमबुद्धनगर-201308 उ0प्र0

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उप जिलाधिकारी सदर परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र संख्या-660/एस०टी०-एस०डी०एम०/2025 दिनांक 27.08.2025 मृतक श्री इन्द्रजीत सिंह पुत्र श्री हीरालाल एवं श्रीमती दौपती पत्नी स्व० इन्द्रजीत सिंह नि० ग्राम भट्टा परगना दनकौर तहसील सदर व जिला गौतमबुद्धनगर की मृत्यु क्रमशः दिनांक 22.08.2012 व 12.08.2017 एवं श्री भोगेन्द्र कुमार पुत्र स्व० इन्द्रजीत एवं श्रीमती सुकन्या पत्नी श्री भोगेन्द्र की मृत्यु क्रमशः 27.11.1995 व 27.11.1995 को हो चुकी है उनके स्थान पर उनके वारिसानों के नाम निम्न प्रकार दर्ज किया जाना प्रस्तावित है-

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के पारिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से संबंध	आयु लगभग	विशेष
भट्टा	729	श्री इनन्द्रजीत सिंह पुत्र श्री हीरालाल एवं श्रीमती दौपती पत्नी स्व0 इन्द्रजीत सिंह नि0 ग्राम भट्टा परगना दनकौर तहसील सदर व जिला गौतमबुद्धनगर की मृत्यु क्रमशः दिनांक 22.08.2012 व 12.08.2017 एवं श्री भोगेन्द्र कुमार पुत्र स्व0 इन्द्रजीत एवं श्रीमती सुकन्या पत्नी श्री भोगेन्द्र नि0 ग्राम भट्टा परगना दनकौर तहसील सदर व जिला गौतमबुद्धनगर	श्री देवेन्द्र सिंह	पुत्र	68 वर्ष	विवाहित
			श्री लोकेन्द्र	पुत्र	53 वर्ष	विवाहित
			श्री योगेश	पुत्र	51 वर्ष	अविवाहित
			श्रीमती देवेन्द्री	पुत्री	61 वर्ष	विवाहित
			श्रीमती गुलवीरी	पुत्री	60 वर्ष	विवाहित
			श्री गौरव कुमार पुत्र स्व0 श्री भोगेन्द्र कुमार	पौत्र	31 वर्ष	विवाहित

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अदंर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औ0 वि0 प्राधिकरण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी 2 सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जपनद गौतमबुद्धनगर-201308 उ0प्र0

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम रबूपुरा में उप जिलाधिकारी जेवर से प्राप्त परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र संख्या 731/एस०टी०-एस०डी०एम०/2024 दिनांक 26.10.2024 मृतक स्व० हरिओम पुत्र जयपाल नि० ग्राम रूस्तमपुर परगना व तहसील जेवर व जिला गौतमबुद्धनगर के स्थान पर उनके वारिसानों/पारिवारिक सदस्यों के नाम निम्न प्रकार दर्ज किया जाना प्रस्तावित है-

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के पारिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से संबंध	आय लगभग
रबूपुरा	236	स्व0 हरिओम पुत्र जयपाल नि0 ग्राम रूस्तमपुर परगना व तहसील जेवर व जिला गौतमबुद्धनगर	गझना	पत्नी	50 वर्ष
			भरत	पुत्र	26 वर्ष
			नकुल	पुत्र	25 वर्ष

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अदंर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औ0 वि0 प्राधिकरण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी 2 सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जपनद गौतमबुद्धनगर-201308 उ0प्र0

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम रबूपुरा की खसरा संख्या 1518 के सापेक्ष प्राप्त होने वाले 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड के संबंध में वसीयत कार्यालय उप निबन्धक, गौतमबुद्धनगर में बही सं० 3 जिल्द सं 31 पृष्ठ सं० 135 से 148 पर क्रमांक 343 दिनांक 22.09.2012 को रजिस्ट्रीकृत की गई है, प्राधिकरण की 83वीं बोर्ड की मद संख्या-41 के अन्तर्गत प्राधिकरण की अर्जित/क्रय भूमि के सापेक्ष नामान्तरण एवं सह आवंटी का नाम रजिस्टर्ड वसीयत के आधार पर सम्मिलित किये जाने के संबंध में प्रावधान किया गया है, जिसके क्रम में मृतक स्व० मदनलाल उर्फ मदनपाल पुत्र फूलचन्द निवासी ग्राम मौ० मीणा ठाकुरान कस्बा रबूपुरा, तहसील जेवर, जनपद गौतमबुद्धनगर के स्थान पर उनके वारिसानों/पारिवारिक सदस्यों के नाम निम्न प्रकार दर्ज किया जाना आवेदित है-

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के पारिवारिक सदस्यों के नाम	आयु लगभग
रबूपुरा	1518	मृतक स्व0 मदनलाल उर्फ मदनपाल पुत्र फूलचन्द निवासी ग्राम मौ0 मीणा ठाकुरान कस्बा रबूपुरा, तहसील जेवर, जनपद गौतमबुद्धनगर	सुनील मित्तल	

उपरोक्त कारिसानों ६ पारिवारिक सदस्यों के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें। अन्यथा नियमानुसार/प्रावधानानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड संबंधी अभिलेखों में दर्ज कर दिया जायेगा।

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औ0 वि0 प्राधिकरण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी 2 सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जपनद गौतमबुद्धनगर-201308 उ0प्र0

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम भट्टा परगना दनकौर तहसील सदर गौतमबुद्धनगर में उप जिलाधिकारी द्वारा जारी परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र संख्या 215/एस०टी०-एस०डी०एम०/2015 दिनांक 05.12.2015 मृतक श्री जयदेव शर्मा पुत्र स्व० श्री मुकट लाल शर्मा पुत्र स्व० रतन लाल शर्मा निवासी ग्राम भट्टा परगना दनकौर तहसील सदर जिला गौतमबुद्धनगर के स्व० पिता मुकुट लाल शर्मा पुत्र स्व० रतन लाल शर्मा की मृत्यु दिनांक 24.08.2015 के स्थान पर उनके वारिसान/सदस्यो के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है

क्रम संख्या	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काशतकार का नाम	मृतक के पारिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से सम्बन्ध	आयु लगभग	विशेष
1	2	3	4	5	6	7	8
1	भट्टा	134	स्व0 मुकुट लाल शर्मा पुत्र स्व0 रतन लाल शर्मा निवासी ग्राम भट्टा परगना दनकौर तहसील व जनपद गौतमबुद्धनगर	श्रीमती रघवीरो	पत्नी	60 वर्ष	
				रमेश चन्द शर्मा	पुत्र	30 वर्ष	
				श्रीमती सन्तोष	पुत्री	43 वर्ष	विवाहित
				श्रीमती गीता	पुत्री	40 वर्ष	विवाहित
				इनद्रजीत शर्मा	पुत्र	27 वर्ष	
				जय देव शर्मा	पुत्र	25 वर्ष	
				योगेश शर्मा	पुत्र	18 वर्ष	

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अदंर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

{ संपादकीय }

नई दिल्ली, मंगलवार 2 सितम्बर 2025

संस्थापक-सम्पादक : स्व. मायाराम सुरजन

वोट चोरी के खिलाफ पूरा विपक्ष एक साथ

बिहार में 17 अगस्त से शुरु हुई वोटर अधिकार यात्रा का समापन कार्यक्रम 1 सितंबर को पटना में हो गया। हालांकि इस समापन से एक नयी शुरुआत देश भर में हो चुकी है जिसमें अपने मताधिकार की रक्षा के लिए जनता स्वत:स्फूर्त खड़ी होती दिख रही है। पटना में समापन के मौके पर उमड़े जनसैलाब को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कर्नाटक की महादेवपुरा सीट में फर्जी मतदाताओं की पड़ताल के प्रकरण को दोहराते हुए कहा कि तब तो केवल एटम बम फटा था, लेकिन उससे भी ताकतवर होता है हाइड्रोजन बम, जो अब फूटने जा रहा है। निश्चित ही कांग्रेस पार्टी ने कई ऐसे और सबूत अब तक एकत्र कर लिए होंगे, जिनके सामने आने से बड़ा धमाका होने वाला है। दो दिन पहले गुजरात में कांग्रेस अध्यक्ष अमित चावड़ा ने लोकसभा सीट नवसारी और विधानसभा सीट चोरयासी पर जांच का दावा किया है। उन्होंने बताया कि कुल मतदाताओं में करीब 30 हजार फर्जी हैं। जब दो सीटों पर इतनी बड़ी संख्या में फर्जी वोटर हैं, तब इस फर्जीवाड़े का दायरा और कितना बड़ा होगा, यह अनुमान लगाया जा सकता है। महाराष्ट्र और हरियाणा के विधानसभा चुनाव इसके अलावा लोकसभा चुनावों में भी मतदाता सूची में हेरफेर के इल्जाम श्री गांधी लगा चुके हैं, तो मुमकिन हैं अबकी बार इन्हीं से किसी चुनाव की गड़बड़ी फिर से सामने लाई जाएगी। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी बिहार में यात्रा समापन पर शामिल हुए और उन्होंने कहा कि वोट चोरी पहले से चल रही थी, पकड़ में अब आई है।

पटना में राहुल-तेजस्वी द्वय के साथ जेएमएम से हेमंत सोरेन, शिवसेना से संजय राउत, एनसीपी से जितेंद्र आव्हाड़, टीएमसी से युसूफ पठान, माकपा से एम ए बेबी, भाकपा से डी राजा और एनी राजा सभी समापन के मौके पर शामिल हुए। इससे पहले एम के स्टालिन, कनिमोझी, अखिलेश यादव, पप्पू यादव तो यात्रा में साथ चले भी हैं। इसके संकेत साफ हैं कि वोट चोरी या एसआईआर के जरिए मतदाता सूची से नाम काटने का मुद्दा केवल बिहार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे देश का मुद्दा बन चुका है और समूचा विपक्ष इसमें एक साथ भाजपा के खिलाफ खड़ा है। पूरा विपक्ष चुनाव आयोग पर धांधली के एक जैसे इल्जाम लगा रहा है। अभी आम आदमी पार्टी इसमें शामिल नहीं हुई, लेकिन वोट चोरी की शिकायत वह भी करती है और जब संसद से चुनाव आयोग तक विपक्ष का पैदल मार्च हुआ था, तब आप के सांसद संजय सिंह भी शामिल हुए थे। भाजपा के लिए और नरेन्द्र मोदी की सत्ता के लिए यह अच्छे संकेत नहीं हैं कि विपक्ष पहले से ज्यादा ताकतवर और एकजुट दिखाई दे रहा है।

वैसे तो पूरी यात्रा के दौरान भारी हुजूम उमड़ा रहा, लेकिन समापन के मौके पर न केवल बिहार बल्कि देश के अलग-अलग जगहों से लोग अपने आप पहुंचे थे। गांधी मैदान से अंबेडकर प्रतिमा तक विपक्ष के काफिले को आगे बढ़ने में घंटों लगे क्योंकि तिल रखने की जगह भी नहीं थी। तिरंगे, हरे, लाल, नीले रंग के झंडों से पटना अटा पड़ा था और वहीं बहुत से लोगों ने काले कपड़ों में भी अपनी मौजदूगी दर्ज कराई। लेकिन उनका भी राहुल-तेजस्वी से बैर नहीं था, और न ही नरेन्द्र मोदी की तरह किसी को काले कपड़ों में आने से रोका गया। बल्कि 30 अगस्त को यात्रा के आखिरी दिन भोजपुर में भारतीय जनता युवा मोर्चा के 4 कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी को काले झंडे दिखाए थे, तो उन्होंने उन युवकों को पास बुलाकर उनकी बात सुनी थी और बताया था कि श्री मोदी के लिए जो अपशब्द कहे गए, तब वो वहां नहीं थे, न किसी कांग्रेसी ने ऐसा कहा है।

हालांकि भाजपा अब इसे ही मुद्दा बनाने की कोशिश में थी। राहुल की सभा में बिजली काटना, ट्रैफिक जाम करवाना, ये सारे दांव भी भीड़ को रोक नहीं पाए, तो श्री मोदी की दिवंगत मां का मुद्दा खड़ा हो गया। पटना में सदाकत आश्रम पर लाठी डंडों के साथ हमले के बाद सोमवार को भी लखीमपुर खीरी में कांग्रेस मुख्यालय में भाजपा कार्यकर्ताओं ने तोड़-फोड़ मचाई और यह सब पुलिस की मौजूदगी में हुआ। इधर राहुल गांधी के हाइड्रोजन बम वाले बयान के फौरन बाद भाजपा ने प्रेस कांफ्रेंस की, जिसमें रविशंकर प्रसाद ने उन्हें विपक्ष के नेता की गरिमा का वास्ता दिया। राहुल गांधी की समझ पर सवाल उठाए कि दुनिया में आज तक हाइड्रोजन बम नहीं फूटा, राहुल गांधी इसे फोड़ने की बात कह रहे हैं। जिस हड़बड़ी में भाजपा ने ये प्रेस कांफ्रेंस की और ऐसा लगा कि बिना तैयारी के ही पूर्व कानून मंत्री पत्रकारों को संबोधित करने बैठे थे, उससे जाहिर हो रहा है कि बिहार का माहौल अब भाजपा को डराने लगा है।

वैसे भी चुनाव आयोग पर अब और नए आरोप सामने आए हैं। रविवार को पवन खेड़ा ने बताया कि मतदाता सूची में गड़बड़ी की 89 लाख शिकायतें चुनाव आयोग को दी गई हैं। क्योंकि इससे पहले चुनाव आयोग ने अदालत में कहा था कि उसके पास शिकायतें नहीं आई हैं। कांग्रेस नेता ने बताया कि चुनाव अधिकारी बूथ एजेंटों से शिकायतें नहीं लेते और व्यक्तिगत शिकायत जमा करने कहते हैं, जो कि संभव नहीं है, क्योंकि लाखों लोग, जिनके नाम वोटर लिस्ट से कट चुके हैं वे चुनाव अधिकारी तक नहीं पहुंच सकते हैं। कांग्रेस ने कहा है कि बूथ एजेंटों ने सभी के आवेदन इकट्ठा कर, जिला अध्यक्षों के माध्यम से जिला निर्वाचन अधिकारी को जमा करवाए हैं। इस खुलासे से जाहिर है कि चुनाव आयोग तक शिकायत पहुंचाने की कोशिश राजनैतिक दल कर रहे हैं। इसी तरह वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के पति परकला प्रभाकर ने चुनाव आयोग से सवाल किए हैं। क्योंकि पत्रकार श्रीनिवासन रमानी की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि बिहार में एसआईआर के तहत तो 65 लाख वोट विभिन्न इलाकों से काटे गए हैं, उनके विश्लेषण पर गंभीर सवाल उठते हैं। जैसे 80 इलाकों में युवा मतदाताओं के मृत्यु के आंकड़े आश्चर्यजनक रूप से सामने आए हैं। 127 इलाकों में वोटर लिस्ट में नाम काटने में लिंगभेद देखा गया है, 1985 इलाके ऐसे हैं, जहां अतार्किक तौर पर मतदाताओं के नाम काटे गए हैं। 937 इलाके तो ऐसे हैं, जहां सारे मतदाताओं को मृत बताया गया है, 5084 इलाकों में बड़ी संख्या में अनुपस्थित मतदाता दिखाए गए हैं। ऐसी ही कई और अनियमितताओं का खुलासा रिपोर्ट में किया गया है, जिसकी गहन जांच की जरूरत बताई गई है।

इन खबरों से जाहिर है कि वोट चोरी का मुद्दा अकेले राहुल गांधी नहीं उठा रहे हैं, उनके साथ कई लोग चुनाव आयोग से जवाबदेही की उम्मीद कर रहे हैं। भाजपा किस किस को जवाब देगी।

आरएसएस : दोरंगी चाल के सौ साल

आरएसएस के सरसंघचालक, मोहन भागवत ने हाल के दिल्ली के अपने तीन दिन के व्याख्यान के आखिरी दिन, सवालों के जवाब के बहाने से मथुरा और काशी के मंदिर-मस्जिद विवाद के सिलसिले में जो कुछ कहा, संघ की दोरंगी चाल का शास्त्रीय उदाहरण है। भागवत ने अयोध्या, मथुरा और काशी के प्रसंगों को आपस में जोड़ते हुए, चार बातें कहीं, जिनमें ऊपर से देखने पर अंतर्विरोध दिखाई देता है, हालांकि जैसा कि हम आगे देखेंगे, यह वास्तविक अंतर्विरोध नहीं बल्कि आरएसएस की दोरंगी चाल का ही मामला है।

भागवत ने पहली बात यह कही कि आरएसएस ने, अयोध्या में राम मंदिर-बाबरी मस्जिद विवाद में, मस्जिद की जगह पर ही मंदिर बनाने के आंदोलन में हिस्सा लिया था। उन्होंने न सिर्फ इस आंदोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने दावा किया बल्कि आंदोलन को शीर्ष तक 'लेकर जाने' जाने का भी दावा किया। इशारा इस आंदोलन को, अयोध्या में बाबरी मस्जिद की जगह पर ही राम मंदिर निर्माण में कामयाबी तक पहुंचाने की ओर था।

भागवत ने दूसरी बात यह कही कि आरएसएस का 'आंदोलन में उतरना' अयोध्या प्रकरण के लिए ही था। अब काशी और मथुरा प्रकरणों में आरएसएस, आंदोलन में नहीं उतरेगा। लेकिन, इसके बाद उन्होंने 'हिंदुओं की भावनाओं' की दुहाई देकर, न सिर्फ काशी तथा मथुरा में मस्जिदों पर हिंदू-दावेदारियों का अनुमोदन कर दिया बल्कि यह कहकर इन मस्जिदों को भी मंदिरों में तब्दील करने के आंदोलनों के लिए आरएसएस के समर्थन के दरवाजे खोलने का भी ऐलान कर दिया कि हिंदू होने के नाते आरएसएस के स्वयंसेवक और उसके साथ जुड़े संगठन भी, इन आंदोलनों में शामिल हो सकते हैं। यही भागवत की तीसरी बात थी, जिसका आशय यह है कि आरएसएस, औपचारिक रूप से तो इन आंदोलनों की अगुआई नहीं करेगा, लेकिन उसकी सेनाएं इन आंदोलनों में हिस्सा लेने के लिए स्वतंत्र होंगी।

भागवत सामान्य रूप से अब काशी तथा मथुरा की मस्जिदों के मंदिरों में परिवर्तन की मांग के आंदोलनों के लिए, आरएसएस की कतारों के लिए दरवाजे खोलने पर ही नहीं रुक गए। उन्होंने मुसलमानों के सामने, हिंदुओं के आग्रह को देखते हुए, इन दोनों मस्जिदों पर अपना दावा 'छोड़ देने' की मांग भी रख दी। और यह मांग की जा रही थी, 'भाईचारे' की खातिर! मुसलमानों से कहा जा रहा था कि कुल तीन धार्मिक स्थलों का ही तो सवाल है, 'भाईचारे' की खातिर कम से कम इतनी कुर्बानी तो वे दे ही सकते हैं! यह मांग तो बिल्कुल उचित या रीजनेबल है। जैसे इस मांग के रीजनेबल होने की ही पुष्टि करने के लिए, भागवत ने इसी सिलसिले में अपनी चौथी बात कही—हर जगह मस्जिद के नीचे शिवलिंग खोजने की हमें जरूरत नहीं है। यह आखिरी बात, संघ प्रमुख पहले भी एक से ज्यादा मौकों पर कह चुके थे और उसे ही एक बार और दोहरा रहे थे।

एक ही विषय में और एक साथ कही गयीं, आरएसएस के मुखिया की उक्त चार बातों को जोड़कर देखा जाए तो क्या अर्थ निकलता है? क्या यह कि राम मंदिर के आंदोलन के विपरीत, काशी की ज्ञानवापी और मथुरा की ईदगाह मस्जिद के मामले में, आरएसएस आंदोलन का हिस्सा नहीं बनेगा, जैसी कि कई दैनिकों तथा समाचार चैनलों ने सुर्खी लगायी है। बेशक, प्रकटत: यह कहा जा रहा था, लेकिन इसके साथ ही कुछ और भी कहा जा रहा था, जो इसका विरोधी अर्थ दे रहा था। यह स्पष्ट किया जा रहा था कि आरएसएस की सेनाएं उक्त मस्जिदों को मंदिरों में तब्दील करने के आंदोलनों में शामिल होंगी। इतना ही नहीं, आरएसएस की ओर से उक्त

राजेंद्र शर्मा

> **याद दिला दें कि अयोध्या मामले में अदालती फैसले के बाद आरएसएस की ओर से बार-बार यह कहा गया था कि वह अब और ऐसे किसी आंदोलन को समर्थन नहीं देगा। इसके बावजूद, पिछले साल के दौरान न सिर्फ आरएसएस समर्थित ग्रुपों/ व्यक्तियों ने काशी और मथुरा के विवादों को बहुत बढ़ा दिया था, बल्कि पिछले साल के आखिरी तथा इस साल के शुरू के महीनों में संभल की शाही मस्जिद से लेकर, अजमेर शरीफ की दरगाह तक, आधा दर्जन से ज्यादा मुस्लिम धार्मिक स्थलों पर 'नये विवाद' छेड़े जा चुके थे, जो तब तक सुर्खियों में बने रहे, जब तक कि सुप्रीम कोर्ट ने उन पर अंकुश नहीं लगा दिया।**

आंदोलनों को न सिर्फ उचित ठहराया जा रहा था बल्कि मुसलमानों को ही समझाया जा रहा था कि उनका उक्त धार्मिक स्थलों पर अपना दावा 'छोड़ देना' ही उचित या रीजनेबल होगा।

इस तरह, आरएसएस मुखिया एक ही सांस में एक साथ, मुस्लिमों के धार्मिक स्थलों पर, हिंदू दावेदारी के आंदोलनों से, अयोध्या आंदोलन के बाद खुद को अलग रखने का भी ऐलान कर रहे थे और ऐसे हिंदुत्ववादी सांप्रदायिक आंदोलनों को उचित ठहराने से लेकर, आरएसएस के स्वयंसेवकों के उनमें हिस्सा लेने तक का अनुमोदन भी कर रहे थे। दूसरे शब्दों में आरएसएस प्रकटत: दिखावा तो इसका कर रहा था कि अयोध्या प्रकरण बहुत हुआ, अब वह इस तरह के बहुसंख्यकवादी सांप्रदायिक आंदोलनों का हिस्सा नहीं बनेगा, जिनसे समाज में विभाजन बढ़ता है। पर वास्तविक व्यवहार में वह इन्हीं बहुसंख्यकवादी सांप्रदायिक आंदोलनों को बढ़ावा देने के रास्ते पर चल रहा था।

वास्तव में यही दोरंगापन, उनके यह कहने के भी पीछे देखा जा सकता है कि, हरेक मस्जिद के नीचे शिवलिंग खोजने की जरूरत नहीं है! भागवत अगर हरेक मस्जिद के नीचे शिवलिंग खोजने की प्रवृत्ति को सचमुच देश और समाज के लिए नुकसानदेह मानते होते, तो उन्हें धार्मिक स्थल कानून के पालन का समर्थन करने से किस ने रोका था, जो अयोध्या मामले को छोड़कर, अन्य धार्मिक स्थलों को लेकर ठीक ऐसी ही मांगों पर रोक लगाने के लिए, बनाया गया था और बाकायदा देश का वैध कानून है। सच्चाई यह है कि भागवत और उनके संगठन के इस तरह के बयान, अपनी मूल भूमिका को बनाए रखते हुए, आम लोगों के बीच, जिनका अभी उस हद तक सांप्रदायीकरण नहीं किया जा सका है, स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए दिखावे के लिए ही होते हैं और उन्हें गंभीरता से नहीं लिया जाना जा सकता है।

याद दिला दें कि अयोध्या मामले में अदालती फैसले के बाद आरएसएस की ओर से बार-बार यह कहा गया था कि वह अब और ऐसे किसी आंदोलन को समर्थन नहीं देगा। इसके बावजूद, पिछले साल के दौरान न सिर्फ आरएसएस समर्थित ग्रुपों/ व्यक्तियों ने काशी और मथुरा के विवादों को बहुत बढ़ा दिया था, बल्कि पिछले साल के आखिरी तथा इस साल के शुरू के महीनों में संभल की शाही मस्जिद से लेकर, अजमेर शरीफ की दरगाह तक, आधा दर्जन से ज्यादा मुस्लिम धार्मिक स्थलों पर 'नये विवाद' छेड़े जा चुके थे, जो तब तक सुर्खियों में बने रहे, जब तक कि सुप्रीम कोर्ट ने उन पर अंकुश नहीं लगा दिया। ये सारे 'नये विवाद' आरएसएस प्रमुख के यह कहने के बाद छेड़े गए थे कि हरेक मस्जिद के नीचे शिवलिंग खोजने की जरूरत नहीं है।

यह दोरंगापन, जिसे आरएसएस की स्थापना के सौ साल होने के मौके पर आयोजित अपने विशेष समारोही और प्रचाराकांक्षी व्याख्यान में भागवत ने एक प्रकार से प्रमुखता से प्रदर्शित किया है, इस सौ साल की यात्रा में आरएसएस की मुख्य पहचान ही बना रहा है। सभी जानते हैं कि सौ साल पहले, जब आरएसएस की स्थापना हुई थी, उसके पीछे असली मकसद हिंदू-जागरण के नाम पर, सामाजिक रूप से ऊंचे तबकों के पीछे, निचले तबकों को गोलबंद करना था, ताकि मुसलमानों के खिलाफ एक प्रहारक शक्ति खड़ी की जा सके। लेकिन, आरएसएस यह काम हिंदू-राष्ट्रवाद का स्वांग धरकर करता था, जबकि उसके सारे काम, वस्तुगत रूप से भी और मनोगत रूप से भी, ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ देश में चल रही राष्ट्रवाद की प्रबल लहर के खिलाफ थे।

हैरानी की बात नहीं है कि अपनी स्थापना के बाद, देश को आजादी मिलने तक, दो दशक से ज्यादा में आरएसएस ने न सिर्फ राष्ट्रीय आंदोलन से सचेत रूप से अपने आप को अलग रखा था, उसकी पूरी ताकत राष्ट्रीय आंदोलन और उसके मुख्य आधार के रूप में हिंदू-मुस्लिम एकता को कमजोर करने पर ही लगी रही थी। और देश के आजाद होने के बाद, अपनी सांप्रदायिक विभाजनकारी मुहिम को, पूरे भारत पर काबिज होने के रूप में परवान चढ़ाने के लिए, आरएसएस के विचार परिवार के ही लोगों ने, हिंदू-मुस्लिम एकता के सबसे मुखर प्रतीक, महात्मा गांधी की हत्या कर दी। इसके बाद ही, पहली बार सरदार पटेल द्वारा देश के गृहमंत्री की हैसियत से आरएसएस पर प्रतिबंध लगाए जाने की बात सभी जानते हैं। बाद में यह पाबंदी हटाई जरूर गयी, लेकिन आरएसएस से इसका वचन लेने के बाद ही कि वह देश की राजनीति से दूर रहेगा तथा एक सांस्कृतिक संगठन के रूप में ही काम करेगा और देश के संविधान के अनुसार काम करेगा। लेकिन, आरएसएस ने ईमानदारी से पटेल से किए गए वादों को पूरा करने के बजाए, इसे बाकायदा एक दोरंगी चाल के मौके में तब्दील कर लिया। पहले जनसंघ तथा बाद में भाजपा के रूप में राजनीतिक मोर्चा खोलकर, उसके माध्यम से आरएसएस ने बढ़ते पैमाने पर सीधे राजनीति करना भी जारी रखा और राजनीति से दूर रहने का पाखंड करना भी।

2014 के बाद से मोदी निजाम में भागवत और उनके आरएसएस ने सांस्कृतिक संगठन का अपना चोला ज्यादा से ज्यादा उतार दिया है और व्यवहार में अन्य साधनों से नहीं बल्कि बढ़ते पैमाने पर सीधे-सीधे राजनीतिक साधनों से राजनीति करना शुरू कर दिया है। इसके बावजूद, अपने मूल स्वभाव के अनुरूप आरएसएस ने अपने गैर-राजनीतिक होने का स्वांग भी पूरी तरह से छोड़ा नहीं है, जैसा कि भागवत ने अपने व्याख्यान में भी संकेत दिया। लेकिन, इस स्वांग की हकीकत भी उन्होंने खुद ही भाजपा के अध्यक्ष के चुनाव में लग रही देरी पर, अपनी इस तंजिया टिप्पणी से उजागर कर दी कि आरएसएस अगर भाजपा के लिए फैसले कर रहा होता, तो इस चुनाव में इतनी देरी नहीं लगती। क्या यह इसी की शिकायत नहीं थी कि भाजपा के अध्यक्ष के चुनाव में आरएसएस की ही क्यों नहीं चल रही।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

शहरी जीवन की चुनौती : जन-स्वास्थ्य, पशु कल्याण और संतुलित सह-अस्तित्व

■ अरुण डनायक

सुप्रीम कोर्ट ने किसी याचिका पर नहीं, बल्कि अपने स्तर परस्वत: संज्ञान लिया। वजह थी दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या, इनके काटने की घटनाओं और रेबीज़ जैसी घातक बीमारी से मौतों में इज़ाफ़ा। अदालत के सामने रखे गए आंकड़े चौंकाने वाले थे—2024 में देशभर में 37 लाख से अधिक कुत्ता काटने के मामले दर्ज हुए, दिल्ली में रोज़ औसतन 2000 घटनाएं, और वैश्विक रेबीज़ मौतों में भारत की हिस्सेदारी 36प्रतिशत। सुप्रीम कोर्ट ने दो सप्ताह के अन्दर जो फैसला सुनाया उस पर दो मत उभरे—एक, इसे जनता के लिए राहतकारी मानने वाला; दूसरा, इसे बेजुबानों पर क्रूरता कहने वाला।

शहरी और ग्रामीण भारत में केवल आवारा कुत्ते ही नहीं, बल्कि आवारा गाय, भैंस, बकरी, सुअर, बंदर, यहां तक कि मधुमक्खियों और कबूतरों तक ने जनजीवन को प्रभावित किया है। शहरों में गाय और भैंस सड़क पर बैठकर यातायात बाधित करती हैं। अचानक बीच सड़क पर दौड़ पड़ना, वाहनों से टकराना, या कूड़े के ढेर से प्लास्टिक खाना, यह आम दृश्य है। ग्रामीण इलाकों में खेतों में घुसकर फसल चौपट करने की समस्या भी गंभीर है। मधुमक्खियां एक ओर परागण और पर्यावरण के लिए जरूरी हैं, लेकिन कभी-कभी झुंड बनाकर बाजार, स्कूल या सरकारी दफ्तर में घुस आती हैं और डंक मारने से गंभीर हादसे हो जाते हैं। कबूतर बालकनियों, छतों और सरकारी इमारतों में स्थायी ठिकाना बना चुके हैं। दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, पुणे, भोपाल और जयपुर जैसे शहरों में कबूतरों की बढ़ी हुई संख्या अब उनकी पहचान बन गई है। इनका मल न केवल इमारतों को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि दमा, एलर्जी और फेफड़ों की गंभीर बीमारियों का कारण भी बनता है।

> **समस्या के समाधान के लिए संतुलित दृष्टिकोण आवश्यक है। जन-सुरक्षा और पशु-कल्याण को एक साथ साधना असंभव नहीं है। इसके लिए कुछ ठोस कदम जैसे नगर निगमों को पर्याप्त फंड, स्टाफ और उपकरण देकर आवारा पशुओं की नसबंदी और टीकाकरण उठाने होंगे, बड़े निजी संस्थानों, एनजीओ और पशु कल्याण संगठनों को इस कार्य में शामिल किया जाए।**

गाय, भैंस और कुत्ते तो सभ्यता के आरंभ से ही मनुष्य के साथी रहे हैं, पर कबूतरों का योगदान भी उल्लेखनीय है। माना जाता है कि 776 ईसा पूर्व में पहले ओलंपिक के परिणाम और नेपोलियन की वाटरलू में हार की खबर सबसे पहले कबूतरों ने ही पहुंचाई थी। भारत में अकबर के समय वे संदेशवाहक और कबूतरबाजी मनोरंजन दोनों के साधन थे, और आधुनिक फिल्मों में भी उनकी इसी क्षमता पर कई गीत रचे गए हैं।

ये सभी समस्याएं वर्षों से हैं, लेकिन इन्हें हल करने के बजाय हमने सहने की आदत डाल ली है—जब तक कोई हादसा न हो, तब तक व्यवस्था 'सक्रिय' नहीं होती। सुप्रीम कोर्ट का कुत्तों पर स्वत: संज्ञान स्वागतयोग्य है, लेकिन सवाल है—क्या बाकी समस्याएं कम गंभीर हैं?

न्यायपालिका का यह दायित्व है कि वह नागरिकों के जीवन और स्वतंत्रता की रक्षा करे, लेकिन जब ऐसे मुद्दों पर अदालत को स्वत: संज्ञान लेना पड़ता है, तो यह कहीं न कहीं कार्यपालिका की निष्क्रियता का संकेत भी है। जन-स्वास्थ्य और जन-सुरक्षा के मुद्दे पर प्राथमिक जिम्मेदारी नगर निगम, राज्य सरकार और केंद्र सरकार की है। कुत्तों का मामला लें—क़ानून पहले से मौजूद हैं। एनिमल बर्थ कंट्रोल रूल्स के तहत नगर निकायों को आवारा कुत्तों की नसबंदी, टीकाकरण और पुनर्वास करना है। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि नसबंदी की दर बेहद कम है। प्रशिक्षित कर्मचारियों और पशु चिकित्सकों की कमी है। शेल्टर होम सीमित हैं और उनमें भी अक्सर उचित देखभाल के संसाधन नहीं। फंड की कमी और भ्रष्टाचार के कारण योजनाएं अधूरी रह जाती हैं। यही स्थिति आवारा गाय-भैंस और कबूतर नियंत्रण के प्रयासों में भी है।

हमारे समाज में पशुओं के प्रति गहरी भावनात्मक और धार्मिक संवेदनाएं जुड़ी हैं। गाय को माता का दर्जा दिया जाता है, कबूतरों को दाना डालना पुण्य का कार्य माना जाता है, कुत्ते को वफादारी का प्रतीक समझा जाता है। मधुमक्खी शहद और परागण के लिए उपयोगी मानी जाती है। लेकिन जब भावनाएं व्यावहारिकता पर हावी हो जाती हैं, तो समस्याएं बढ़ने लगती हैं। उदाहरण के लिए—आवारा गायों को गौशालाओं में रखने के लिए पर्याप्त भूमि और संसाधन नहीं जुटाए जाते। कुत्तों को पकड़ने और नसबंदी करने की कोशिशों का विरोध स्थानीय स्तर पर हो जाता है। कबूतरों को दाना डालने की परंपरा के कारण उनकी संख्या असंतुलित रूप से बढ़ जाती है।

समस्या के समाधान के लिए संतुलित दृष्टिकोण आवश्यक है। जन-सुरक्षा और पशु-कल्याण को एक साथ साधना असंभव नहीं है। इसके लिए कुछ ठोस कदम जैसे नगर निगमों को पर्याप्त फंड, स्टाफ और उपकरण देकर आवारा पशुओं की नसबंदी और टीकाकरण उठाने होंगे, बड़े निजी संस्थानों, एनजीओ और पशु कल्याण संगठनों को इस कार्य में शामिल किया जाए। लोगों को समझाया जाए कि बिना योजना के पशुओं को भोजन कराना उनके लिए भी हानिकारक हो सकता है। गाय, कुत्ते, भैंस, कबूतर—सभी के लिए प्रजाति-विशेष आश्रयस्थल बनाए जाएं। मधुमक्खियों या अन्य अचानक उत्पन्न होने वाली पशु-समस्याओं के लिए त्वरित प्रतिक्रिया दल हों, जो सुरक्षित तरीके से उन्हें हटाए या नियंत्रित करे।

बढ़ती पर्यावरण जागरूकता के साथ सह-अस्तित्व की आवश्यकता और स्पष्ट हो रही है, क्योंकि पशु भी हमारे पारिस्थितिकी तंत्र का अभिन्न हिस्सा हैं। उनका अस्तित्व न केवल नैतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि व्यावहारिक दृष्टि से भी—मधुमक्खियां, गाय-भैंस ग्रामीण अर्थव्यवस्था का हिस्सा हैं, कुत्ते गार्ड और साथी हो सकते हैं, कबूतर भी जैव विविधता में योगदान करते हैं। लेकिन यह सह-अस्तित्व संतुलित होना चाहिए। जब किसी प्रजाति की बढ़ोतरी मानव और अन्य जीवों के लिए खतरा बने, तो उसका नियंत्रण जरूरी है। अहिंसा के पुजारी महात्मा गांधी का मानना था कि मनुष्यों को हानि पहुंचाने वाले सर्पों और बंदरों के विरुद्ध की जाने वाली कार्रवाई हिंसा नहीं है। यह नियंत्रण विज्ञान, नीति और समुदाय की सहभागिता से आना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट का स्वत: संज्ञान एक चेतावनी है—कि हम समस्याओं को तब तक टालते हैं जब तक वे अदालत के दरवाजे तक न पहुंच जाएं। चाहे आवारा कुत्ते, सड़क पर गाय-भैंस, बालकनियों के कबूतर या उड़ते मधुमक्खियां—ये सब हमारी साझा जिम्मेदारी हैं। समाधान तभी संभव है जब सरकार, कार्यपालिका, न्यायपालिका, पशुपालक, और आम जनता सब मिलकर काम करें। हमें यह तय करना होगा कि हम केवल भावनाओं के आधार पर प्रतिक्रिया देंगे या विवेक और व्यावहारिकता के आधार पर निर्णय लेंगे। क्योंकि अंतत:, एक ऐसा शहर ही आदर्श है जहां इंसान न डर में जिए, न पशु भूख और असुरक्षा में। सह-अस्तित्व का अर्थ यही है—सम्मान और संतुलन, न कि टकराव और असहजता।

(लेखक गांधी विचारों के अध्येता और समाज सेवी हैं)

ललित सुरजन की कलम से

लोकपाल की आड़ में

'लोकपाल विधेयक पर चर्चा चलते हुए तीन माह पूरे हो गए। इतने समय में जनता को शायद यह समझ आ गया होगा कि लोकपाल बनने या न बनने से उसका कोई भला होने वाला नहीं है।'

'यह सारा व्यायाम, उन दूसरे प्रश्नों से जो कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो सकते थे, उसका ध्यान हटाने के लिए किया जा रहा है। पिछली जुलाई से अब तक के घटनाचक्र पर एक सरसरी निगाह डालें तो एक के बाद एक जुडी कड़ियां सामने आने लगती हैं। सबसे पहले राष्ट्रमण्डल खेलों का घोटाला सामने आया, उसे खूब उछाला गया। एक तरफ सुरेश कलमाड़ी और उनके कुछ सहयोगी जेल भेजे गए तो दूसरी तरफ देश की सर्वोच्च संस्था यानी संसद की व्यवस्था कैसे पंगु बनाई जा सकती है, यह भी समझ में आया। पहले तो लोकलेखा समिति और संयुक्त संसदीय समिति का विवाद चलते रहा, फिर लोकलेखा समिति में ही मतभेद अभूतपूर्व ढंग से सामने आए। समिति के अध्यक्ष मुरली मनोहर जोशी की रिपोर्ट को लोकसभा अध्यक्ष ने ही खारिज कर दिया। अब जेपीसी रिपोर्ट की प्रतीक्षा है।'

(30 जून 2011 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2012/04/13_23.html

पावन प्रसंग

सबके प्रति मन में रखें सम्मान भाव

प्रत्येक व्यक्ति के मन में ध्यान प्राप्त करने की लालसा होती है। सम्भान न भी मिले तो भी कोई अपभान तो नहीं ही सहना चाहता। छोटे बच्चों का भी यदि बार-बार अपघात होता है. तो वे भी अत्यंत दु:खी हो जाते हैं. फिर बड़े एवं समझदार लोगों की बात ही क्या है? यदि किसी कारणवश या भूलवश किसी का अपमान हो जाता है. तो उसके मन में को दु:ख पैदा होता है, वह उसे हमेशा बिच्छू के डंक की तरह चुभता रहता है। अत: सच्चा सम्मान प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को शिष्टाचार के कुछ नियमों का पालन अवश्य करना चाहिए। इसके बाद भी यदि अपमान मिलता है, तो उसे भगवान की कृपा प्रसाद समझकर ग्रहण करना चाहिए क्योंकि उससे व्यक्ति का कोई अहित नहीं होगा, बल्कि उसमें भी कोई न कोई हित लिखा होगा। हमेशा इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हमारा केवल कर्म पर अधिकार है, जो हमें मिल रहा है उस पर नहीं। हमारे जैसे पूर्व कर्म होंगे, उनका ही परिणाभ हमें भुगतना पड़ता है। अत: पूरे विश्वास के साथ सत्कर्म करना चाहिए।

दूसरों से सम्मान प्राप्त करने के लिए सबसे पहले बिना किसी कारण के ही सबके प्रति मन में सम्मान का भाव रखना चाहिए। किसी का कभी अपमान या तिरस्कार नहीं करना चाहिए, सबसे मीठा बोलना चाहिए। जो भी व्यक्ति स्वयं से उम्र. पद या अधिकार में छोटे हों. उनके साथ व्यवहार करने में भी उनके सम्मान का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

हमेशा सत्य बोलना चाहिए, लेकिन अप्रिय सत्य एवं प्रिय झूठ नहीं बोलना चाहिए और ऐसा सत्य भी नहीं बोलना चाहिए, जिससे किसी का अहित हो। अनावश्यक झूठ तो कदापि नहीं बोलना चाहिए, लेकिन सामूहिक हित या किसी के गंभीर संकट को टालने के लिए बोला गया झूठ गलत नहीं होता। बोलते समय सोच-समझकर ही बोलना चाहिए या चुप रहना चाहिए। जब ऐसा प्रतीत हो कि परिस्थिति हमारे पक्ष में या हमारे हित में नहीं है, तो यथासंभव मौन रहना चाहिए। पलटकर जवाब देने से बात बिगड़ने की संभावना ज्यादा होती है। प्राय: ऐसी परिस्थिति में व्यक्ति का अपने ऊपर से नियंत्रण समाप्त हो जाता है और वह कुछ भी बोलने लगता है। अत: सावधानी रखनी चाहिए।

जहां तक संभव हो, वहां तक अपने वचन का पक्का होना चाहिए। इसलिए जिस किसी भी व्यक्ति से जो भी कहें, उसमें पूरी सतर्कता बरतें और जो कहें, उसका पालन करें। यदि किसी कारणवश अपनी कही गई बात को पूरा न कर सकें, तो उसे समय पर सूचित कर दें, क्योंकि इसी वचनबद्धता के माध्यम से दूसरे व्यक्तियों पर या स्वयं पर विश्वास पनपता है। बातचीत में एक बात यह भी ध्यान रखनी चाहिए कि जो कार्य करने की सामर्थ्य व्यक्ति में न हो, उसे पूरा करने का वचन नहीं देना चाहिए; विनम्रतापूर्वक उसके लिए अपनी असमर्थता स्वीकार कर लेनी चाहिए।

-युग निर्माण योजना

आपके पत्र

निजी अस्पतालों और बीमा कम्पनियो के बीच समन्वय की कमी से इलाज में मुश्किलें

बीमा धारक उपभोक्ता यह सोचते हैं कि आवश्यकता पड़ने पर अस्पताल में भर्ती होकर इलाज करवा लेंगे और उनके इंश्योरेंस का खर्च कम्पनी उठाएगी। लेकिन अब मरीजों की मुश्किलें बढ़ती दिखाई दे रही है। पहले मरीज निश्चिंत होकर अपना इलाज पैसे के अभाव में करा सकते थे। लेकिन प्राइवेट अस्पतालों में पहले पैसे डिपॉजिट करवा कर इलाज करवाना होगा। दरअसल भारतीय बीमा विनिमायक और विकास प्राधिकरण भी कैशलेस इलाज को बढ़ावा देता है। निजी अस्पतालों के संगठन और केयर हेल्थ इंश्योरेंस कम्पनियों द्वारा कैशलेस सुविधा उपलबन्ध नहीं कराने और सितम्बर महीने से कैशलेस सुविधा खत्म करने का नोटिस जारी किया है। हालांकि पैनल में शामिल अस्पतालों में इलाज जारी रहेगा। लेकिन इंश्योरेंस और निजी कम्पनियों के बीच चल रहे विवाद के बीच यह अनुमान लगाया जा रहा है कि निजी अस्पताल मुफ्त इलाज के लिए मरीज को मना भी कर सकते हैं। उस समय अस्पतालों पर आधारित मरीजो के लिए मुश्किलें बढ़ सकती है। चिकित्सक की फीस और कमरे के किराए पर सहमति बनती है तो निजी अस्पताल और बीमा कम्पनी के बीच बढ़ रहे झगड़े के स्वरूप को समाप्त किया जा सकता है। इंश्योरेंस कंपनियों का दावा है कि अस्पताल खर्च बढ़ा-चढ़ा कर पेश कर रहे हैं जिससे वित्तीय दबाव बढ़ रहा है। जबकि अस्पतालों का कहना है कि 14 प्रतिशत महंगाई दर बढ़ रही है। लेकिन इन्श्योरेंस कम्पनियां दर बढ़ाने के लिए सहमत नहीं है। निजी अस्पताल और इंश्योरेंस कम्पनियों के बीच विचारभेद और खर्च को लेकर छिड़े विवाद का समाधान नहीं होता है, तब तक किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकते हैं। वैसे भी निजी अस्पतालों और बीमा कम्पनियों के बीच इलाज का समझौता होता है। ऐसॉ कोई कानूनी प्रावधान नहीं है कि निजी अस्पताल इलाज करने से मना नहीं कर सकता है। निजी अस्पताल इलाज के लिए बाध्य नहीं है और अस्पताल अगर इलाज के लिए मरीजों को मना करता है तो गरीब वर्ग के लिए यह चुनौती से कम नहीं होगा। स्वास्थ्य बीमा एक बड़ा निवेश है। वितीय तंगी से परिवार को बचाता है। बीमा धारक अस्पताल में भर्ती होने से पहले और बाद के खचों के लिए कवरेज प्रदान करता है। डेकेयर उपचार,अंग प्रत्यारोपण, नैदानिक और मातृत्व और नवजात शिशु देखभाल और मरीजों के भर्ती होने से पूर्व और बाद के खर्च कवरेज करते है। बीमा कम्पनियों के पास से खरीदा जाता है और लाभ पैकेज के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। लिहाजा,हर बीमारी के परीक्षण के बाद चिकित्सक यह कहते सुना गया है कि आपने मेडिक्लेम करवा रखा है? लेकिन निजी अस्पतालों और बीमा कम्पनी के बीच खर्च को लेकर बढ़ते विवाद के बीच मरीज असहज महसूस करने लगा है। मरीजों के साथ अन्याय होने का भय सता रहा है। अगले महीने निजी अस्पताल इलाज के लिए मना करते हैं तो मरीजों के विश्वास को धक्का लगने की पूर्ण सम्भावना है। सरकारी योजनाओं में सेंघ लगाने वाले हर समय ताक में रहते हैं। एजेंट को फायदा नहीं होता है तो मरीज को गुमराह कर देते हैं। गरीबों के लिए चलाई जाने वाली योजनाएं इसलिये लक्ष्य हासिल नहीं कर पाती है कि उसमें अनियमितता की दर सबसे अधिक देखी जाती है। सरकारें इस हकीकत से अंजान नहीं है। आयुष्मान योजना के शुरुआती दौर में एक पैन पर दो नाम पंजीकरण पाए गए। लेकिन उसके बाद विभाग भी सचेत हो गया था। लाभार्थियों के सत्यापन में पुख्ता तरीका नहीं अपनाया गया था। अब हर वर्ष व्यक्ति के आधार से सत्यापन किया जा रहा है। इसमें यह ज्ञात हो जाता है कि कार्डधारक ही सही व्यक्ति है जिसको सरकारी लाभ मिलना ही चाहिए।

कांतिलाल मांडोत,सूरत

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव,
(पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770
ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

देश विदेश

इंडोनेशिया ने शांति व्यवस्था बनाए रखने का संकल्प दोहराया

जकार्ता, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो ने देश भर के कई क्षेत्रों में हो रहे हालिया प्रदर्शनों के मद्देनजर सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा को बनाए रखने का संकल्प दोहराया है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों ने अपने उन सदस्यों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है जिन्होंने संसद में दुर्व्यवहार किया था। इसमें उनकी सदस्यता, भत्ते और विदेश यात्राएं रद्द करना शामिल है। उन्होंने प्रतिनिधि सभा के नेताओं से समुदाय के प्रतिनिधियों और आम नागरिकों के समूह के साथ बातचीत शुरू करने का भी आह्वान किया है। राष्ट्रपति ने कहा कि अगर प्रदर्शन अराजकता में बदलने लग जायें तो प्रशासन व जिम्मेदार एजेंसियों को मूक नहीं बने रहना चाहिए।

चीन-भारत रिश्तों के नई ऊंचाई पर पहुंचने की उम्मीद

- बेहद अहम मानी जा रही प्रधानमंत्री मोदी की चीन यात्रा
- मतभेदों को सहमति व सहयोग की राह में बाधा न बनने देने पर की चर्चा

बीजिंग, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगभग सात साल बाद चीन के दौरे पर आए। उनका मुख्य मकसद शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेना है। लेकिन चीन-भारत संबंधों के लिहाज से भी पीएम मोदी की चीन यात्रा बेहद अहम मानी जा रही है। थ्येनचिन पहुंचने के बाद उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ मुलाकात की। पिछले वर्ष रूस के कज़ान में भेंट के बाद यह दूसरा मौका है जब दोनों नेता मिले हैं। जानकार कहते हैं कि चीन और भारत के नेताओं ने हाल के दिनों में जिस तरह से सकारात्मक कदम उठाए हैं। ऐसे में द्विपक्षीय रिश्तों के पटरी पर आने की काफी उम्मीद है।

बता दें कि चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग और भारतीय प्रधानमंत्री मोदी ने एससीओ सम्मेलन के इतर बैठक की, जो कि लगभग एक घंटे तक चली। इस दौरान दोनों नेताओं ने हाल के समय में संबंध सुधारने को लेकर हुई कोशिशों और प्रयासों का उल्लेख किया, जिसमें कहा गया कि चीन और भारत दो प्राचीन सभ्यताओं वाले देश हैं, दोनों विश्व के सबसे अधिक आबादी वाले राष्ट्र भी हैं। दोनों पड़ोसी देश हैं, जिनके बीच सहयोग बहुध्रुवीय दुनिया और स्थिरता के लिए बहुत अहम है। भारत और चीन साझेदार हैं, प्रतिद्वंद्वी नहीं। ऐसे में दोनों के बीच सहमतियां मतभेदों से कहीं अधिक हैं।

31 अगस्त को दोनों नेताओं की मुलाकात पर पूरी दुनिया की नजर थी। भारत और अमेरिका के संबंधों में आई खटास के बाद शी और पीएम मोदी की भेंट का महत्व बढ़ गया है। चीनी राष्ट्रपति के शब्दों में, चीन और भारत ग्लोबल साउथ के महत्वपूर्ण सदस्य हैं, साथ ही पड़ोसी भी। ऐसे में 'ड्रैगन और हाथी का साथ में डांस' साकार करना दोनों देशों के लिए अच्छा विकल्प रहेगा। दोनों प्राचीन सभ्यता वाले राष्ट्र हैं, जिनके बीच सदियों तक घनिष्ठ आदान-प्रदान रहा था। लेकिन हाल के दशकों में द्विपक्षीय संबंध उतार-चढ़ाव भरे रहे हैं। ऐसे में दोनों देशों की जिम्मेदारी है कि वे रिश्तों में गिरावट न आने दें, मतभेदों को सहमति और सहयोग की राह में बाधा न बनने दें।

पीएम मोदी-पुतिन की दोस्ताना मुलाकात द्विपक्षीय बैठक के लिए एकसाथ कार में पहुंचे

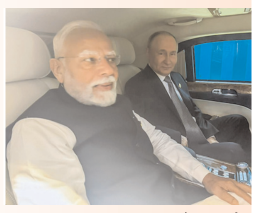

तियानजिन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के समापन के बाद द्विपक्षीय बैठक के लिए एक ही कार में सवार होकर मीटिंग में पहुंचे। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक तस्वीर शेयर कर इस मुलाकात की जानकारी दी। पीएम मोदी ने फोटो शेयर करते हुए लिखा कि एससीओ शिखर सम्मेलन के बाद मैं और राष्ट्रपति पुतिन साथ में द्विपक्षीय बैठक के स्थान पर गए। उनके साथ बातचीत हमेशा ज्ञानवर्धक होती है। यह मुलाकात दोनों देशों के बीच मजबूत कूटनीतिक संबंधों को दर्शाती है। इससे पहले दिन में, पीएम मोदी, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और राष्ट्रपति पुतिन के बीच अनौपचारिक बातचीत की तस्वीरें सामने आईं, जो एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान तीनों नेताओं के बीच हल्के-फुल्के पल को दर्शाती हैं। इन तस्वीरों में तीनों नेता मुस्कुराते और बातचीत करते नजर आए, जो रूस के कजान में हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की एक समान तस्वीर की याद दिलाती हैं।

एससीओ के नेताओं ने थ्येनचिन घोषणा पत्र किया जारी

बीजिंग। शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य देशों के नेताओं ने 1 सितंबर को शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों की परिषद बैठक पर थ्येनचिन घोषणा पत्र जारी किया। इसके अलावा एससीओ के सदस्य देशों के नेताओं ने एससीओ की भावी दस साल (वर्ष 2026—2035) विकास रणनीति की मंजूरी की और दूसरे विश्व युद्ध की विजय और संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना की 80वीं वर्षगांठ के बारे में बयान जारी किया। उल्लेखनीय बात है कि एससीओ के नेताओं ने बहुपक्षीय व्यापार व्यवस्था के समर्थन पर भी बयान जारी किया। एससीओ के नेताओं ने सुरक्षा, अर्थव्यवस्था, संस्कृति व लोगों की आवाजाही में सहयोग और संगठन के निर्माण को मजबूत करने पर 24 उपलब्धियों के दस्तावेज पारित किए।

सुडोकू 7022

7	9			5			2	
		2	7					4
	8							
				7	8	4		9
	6						7	
1		4	3	2				
							6	
6					7	3		
	3			4			9	2

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 7022

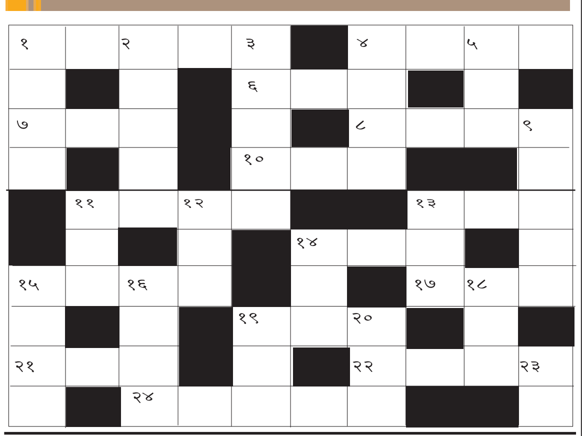

बायें से दायें:–
१. जल सेना का प्रमुख
४. पवित्रता, शुद्धता (उर्दू)
६. निपुण, दक्ष (उर्दू)
७. प्राप्त लब्ध (उर्दू)
८. पदार्पण करना
१०. आचरण, प्रकृति
११. वर्षण, वर्षा होना
१३. जिसके बाल खड़े हों
१४. गंभीर, संवेदनशील
१५. नया पैदा
१७. विद्यमान रहना, निवास करना
१९. उदासी
२१. लौंग
२२. शत्रु, शिव
२४. सृजनात्मक

ऊपर से नीचे:–
१. छोटे बच्चे, नवजात शिशु
२. सामान, माल असबाब (उर्दू)
३. माफी मांगना
४. 'पासपोर्ट'
५. अवश्य (उर्दू)
९. पार लगना, नौकायन
११. आत्म–रक्षा
१२. चेतनायुक्त
१३. रहमदिल
१४. भरा–पूरा, समृद्ध
१५. नयापन
१६. जादू के खेल दिखाने वाला (उर्दू)
१८. रूपवती
१९. प्रफुल्लित होना
२०. नक्षत्र, सितारा
२३. संग्राम, युद्ध

वर्ग पहेली–7021

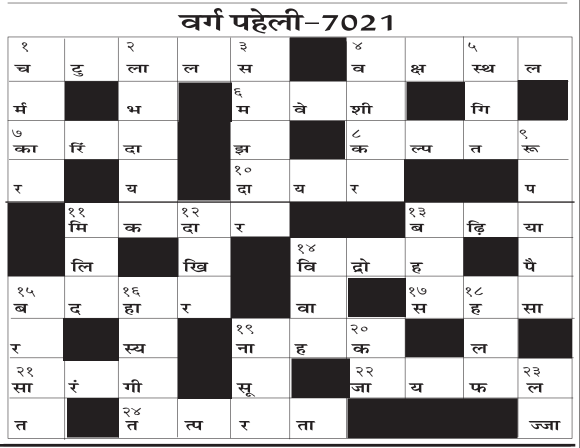

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : मंगलवार 2 सितम्बर, 2025 भादो शुक्ल पक्ष 10

राशिफल

मेष - आज आपको अपने गुस्से पर काबू रखने की जरुरत है। आपका क्रोध किसी भी काम या संबंध को बिगाड़ने का कारण बन सकता है। शरीर में स्फूर्ति का अभाव रहेगा।

वृषभ - काम में विलंब से सफलता मिलेगी। शारीरिक अस्वस्थता के कारण आप हताशा की भावना का अनुभव करेंगे। अत्यधिक काम के बोझ से थकान और मानसिक बेचैनी रहेगी। प्रवास में विघ्न आने की आशंका बनी रहेगी।

मिथुन - आपके दिन की शुरुआत ताजगी और स्फूर्ति के साथ होगी। आप मित्रों और मेहमानों के साथ भोजन या पिकनिक का आनंद उठाएंगे। आप नए परिधान, आभूषण और वाहन खरीदने की योजना बना सकते हैं।

कर्क - आज आपकी चिंताएं दूर होंगी। आप खुशी अनुभव कर सकेंगे। परिजनों के साथ समय व्यतीत करके आनंद प्राप्त कर सकेंगे। आपको काम में सफलता और कीर्ति मिलेगी। नौकरी में लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

सिंह - आज आप स्वयं को शारीरिक मानसिक रूप से स्वस्थ रख सकेंगे। आपकी सृजनशीलता में अधिक निखार आएगा। लेखन और साहित्य में कुछ नई रचना कर सकेंगे। प्रियजन के साथ की मुलाकात आनंददायक रहेगी।

कन्या - आपको थोड़ी कठिन परिस्थिति के लिए तैयार रहना पड़ेगा। आपका स्वास्थ्य थोड़ा खराब होगा और किसी बात का डर मन में लगा रहेगा। मां के साथ मतभेद हो सकता है। सम्बंधियों के साथ मतभेद हो सकते हैं।

तुला - अभी आपका भाग्य आपके पक्ष में होने से आप कोई नया काम आसानी से शुरू कर पाएंगे। आज का दिन बहुत अनुकूल है। उचित ढंग से पैसे का निवेश करेंगे, तो निश्चित रूप से लाभ होगा।

वृश्चिक - आज आपके कुटुंब में सुख-शांति का माहौल रहेगा। सम्बंधियों और मित्रों से मिलेंगे, स्वादिष्ट भोजन का आनंद ले सकेंगे। धार्मिक कार्यक्रम के पीछे खर्च हो सकता है। आप आभूषण और घरेलू वस्तुओं की खरीदारी कर सकेंगे।

धनु - आज के दिन आप अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखें। आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे। किसी तीर्थयात्रा पर जाना हो सकता है। सगे संबंधियों और मित्रों के आने से मन खुश रहेगा।

मकर - आपका दिन धार्मिक कामों में व्यस्त होगा। किसी धार्मिक काम में आपके पैसे खर्च होंगे। परिजनों और सम्बंधियों के साथ बातचीत में ध्यान रखना पड़ेगा, अन्यथा आपकी वाणी से उनका मन दुखी हो सकता है।

कुंभ - आज आप नए काम हाथ में लेंगे। भाग्य आपके साथ रहेगा। नौकरी- धंधे में आय के नए स्रोत खड़े होंगे। आपको अपने मित्रों से लाभ हो सकेगा। समाज में आप मान- सम्मान और प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकेंगे।

मीन - आज का दिन आपके लिए अच्छा फलदायक रहेगा। आप कामकाज में सफलता प्राप्त करेंगे। उच्च अधिकारियों की तरफ से मिलनेवाला प्रोत्साहन आपके उत्साह में वृद्धि करेगा। व्यापार और आय में वृद्धि होगी।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

आज का इतिहास

1573–अकबर ने गुजरात फ़तह किया।
1775–पहले अमेरिकी युद्ध पोत 'हाना' का जनरल जॉर्ज वाशिंगटन ने जलावतरण किया।
1789–अमेरिका में राजस्व विभाग बनाया गया।
1926–इटली और यमन में हुए समझौते के तहत लाल सागर तट पर इटली का वर्चस्व कायम हुआ।
1930–'क्वेश्चन मार्क' नामक विमान ने यूरोप से अमेरिका के लिए बिना कहीं रुके पहली बार उड़ान भरी।
1941–प्रसिद्ध भारतीय अभिनेत्री साधना का जन्म।
1945–पान द्वारा हार स्वीकार कर लिए जाने के बाद छह साल तक चला दूसरा विश्व युद्ध समाप्त हुआ।
1946–जवाहर लाल नेहरू के उप सभापतित्व में अंतरिम भारत सरकार का गठन।
1956–हैदराबाद से सौ किलोमीटर दूर जडचेराला और महबूब नगर के बीच पुल ढ़हने से 125 लोगों की मौत।
1962–सोवियत संघ क्यूबा को हथियार देने पर राजी हुआ।
1969–अमेरिका के न्यूयॉर्क में पैसे निकालने वाली मशीन ऑटोमैटिक टैलर मशीन (ए.टी.एम.) को पहली बार दुनिया के सामने पेश किया गया।
1970–कन्याकुमारी में विवेकानन्द स्मारक का उद्घाटन हुआ।
1971–भारतीय अभिनेता पवन कल्याण का जन्म।
1988–भारतीय क्रिकेटर इशांत शर्मा का जन्म।
1990–काला सागर में सोवियत यात्री जहाज के डूबने से 79 यात्री मारे गए।
1992–अमेरिका और रूस अंतरिक्ष स्टेशन के निर्माण के लिए संयुक्त उपक्रम बनाने पर सहमत हुए।

नेतन्याहू ने युद्ध के बाद बंधकों की रिहाई के लिए चरणबद्ध समझौते को किया खारिज

तेल अवीव, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोमवार को एक बार फिर बंधकों की चरणबद्ध रिहाई से इनकार कर दिया और कहा कि आंशिक युद्धविराम और बंधक-रिहाई समझौता मेज पर नहीं है। टाइम्स ऑफ इज़राइल की रिपोर्ट के अनुसार श्री नेतन्याहू ने हमास के साथ संघर्ष विराम पर अपने रुख को दोहराया। उनका यह यह बयान युद्ध कैबिनेट के छह घंटे लंबे सत्र के बाद आया।

■ नेतन्याहू ने हमास के साथ संघर्ष विराम पर अपने रुख को दोहराया

इस बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-ग्वीर ने कथित तौर पर किसी भी समझौते के लिए किसी भी आंशिक रूपरेखा को स्वीकार करने के खिलाफ आधिकारिक वोट के लिए दबाव डाला। श्री नेतन्याहू ने कहा कि वोट की कोई आवश्यकता नहीं है। यह मेज पर नहीं है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, उनका रुख अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से भी प्रभावित हो सकता है, जिन्होंने प्रधानमंत्री को फोन किया था और उन्हें बताया था कि हमास के साथ किसी भी आंशिक समझौते को स्वीकार करने के बजाय इज़रायल को आतंकवादी समूह से पूरी ताकत से लड़ना चाहिए। चैनल 12 के अनुसार श्री ट्रम्प कथित तौर पर कहा कि आंशिक समझौतों को भूल जाइए। पूरी ताकत से आगे बढ़िए और इसे पूरा कीजिए।

कहा जा रहा है कि श्री ट्रम्प श्री नेतन्याहू पर हमास को हराने के लिए गाजा में आईडीएफ की बढ़त को तेज़ करने का दबाव बना रहे हैं।

एचआरसीपी ने की पाकिस्तान से जबरन गुमशुदगियों की प्रथा खत्म करने की अपील

जबरन गुमशुदगियों, हिरासत में प्रताड़ित करने व फर्जी मुठभेड़ों में शामिल व्यक्तियों और संस्थानों को जवाबदेह ठहराया जाए : एचआरसीपी

इस्लामाबाद, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने सरकार से देश में जबरन गुमशुदगियों की प्रथा समाप्त करने की तत्काल अपील की है। आयोग ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत मानवता के खिलाफ अपराध करार देते हुए कहा कि सभी पीड़ितों को सुरक्षित ढंग से बरामद कर अदालतों में पेश किया जाए।

अंतरराष्ट्रीय जबरन गुमशुदगी पीड़ित दिवस पर एचआरसीपी ने कहा कि राज्य को इस अमानवीय प्रथा को खत्म करना चाहिए। हम मांग करते हैं कि सभी गुमशुदा व्यक्तियों को तुरंत सुरक्षित रूप से बरामद कर अदालत में पेश किया जाए। जिन पर कोई आरोप हैं, उनके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई हो और उन्हें निष्पक्ष सुनवाई का अधिकार दिया जाए। एचआरसीपी ने मांग की कि सरकार जल्द से जल्द जबरन गुमशुदगी को अपराध घोषित करने के लिए कानून बनाए और अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन 'इंटरनेशनल कन्वेंशन फॉर द प्रोटेक्शन ऑफ ऑल पर्सन्स फ्रॉम एनफोर्स्ड डिसअपियरेंस' की पुष्टि और क्रियान्वयन करे। आयोग ने यह भी कहा कि जबरन गुमशुदगियों, हिरासत में प्रताड़ित करने और फर्जी मुठभेड़ों में शामिल व्यक्तियों और संस्थानों को जवाबदेह ठहराया जाए। साथ ही, जबरन गुमशुदगी जांच आयोग के नए अध्यक्ष की नियुक्ति और आयोग का पुनर्गठन किया जाए ताकि पीड़ित परिवारों को बेहतर तरीके से न्याय मिल सके।

एचआरसीपी ने पीड़ितों और उनके परिवारों के लिए एक पारदर्शी मुआवजा तंत्र लागू करने की भी मांग की, खासकर उन महिलाओं के लिए जिन्होंने अपने परिवार के कमाने वाले सदस्य को खो दिया है। यह बयान ऐसे समय आया है जब पाकिस्तान, विशेषकर बलूचिस्तान से, जबरन गुमशुदगियों की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। जुलाई 2025 की ह्यूमन राइट्स काउंसिल ऑफ बलूचिस्तान (एचआरसीबी) की रिपोर्ट के अनुसार, सिर्फ एक महीने में 112 लोगों को जबरन गायब किया गया। इनमें से 89 अब भी लापता हैं, 15 को रिहा किया गया, जबकि आठ की हिरासत में हत्या कर दी गई।

रिपोर्ट के मुताबिक, गुमशुदा लोगों में आठ नाबालिग भी शामिल हैं। इनमें से एक की हिरासत में मौत हो गई, एक को रिहा किया गया और पांच अब भी लापता हैं।

अमेरिका को डाक सेवा निलंबित, पाकिस्तान समेत कई देशों ने पार्सल डिलीवरी रोकी

इस्लामाबाद, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। अमेरिका द्वारा लगाए गए नए टैक्स और टैरिफ नियमों के बाद पाकिस्तान ने अमेरिका को जाने वाली डाक सेवा अस्थायी रूप से निलंबित कर दी है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, पाकिस्तान पोस्ट ने अमेरिका के लिए बुक की गई डाक की डिलीवरी रोक दी है, क्योंकि आशंका है कि वाशिंगटन के नए नियमों के तहत यह वापस लौटा दी जाएगी।

अमेरिकी प्रशासन ने 25 जुलाई को जारी आदेश के तहत पहले से लागू ड्यूटी-फ्री सुविधा को समाप्त कर दिया है। नए फैसले से अमेरिकी डाक व्यवस्था पर गहरा असर पड़ा है, क्योंकि अब अमेरिका जाने वाली सभी डाक पर टैक्स देना अनिवार्य होगा। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, इससे पोस्टल कम्युनिकेशन प्रभावित हुआ है। केवल पाकिस्तान ही नहीं, बल्कि भारत, ऑस्ट्रेलिया, स्विट्जरलैंड, फ्रांस, स्वीडन, जर्मनी, इटली और डेनमार्क जैसे देशों ने भी अमेरिका को सामान भेजने पर रोक लगा दी है। ऑस्ट्रेलिया पोस्ट ने 26 अगस्त से अमेरिका और प्यूर्टो रिको को डाक भेजने पर आंशिक निलंबन की घोषणा की। एजेंसी ने कहा कि यह फैसला अमेरिकी सरकार द्वारा कस्टम और इंपोर्ट टैरिफ नियमों में हाल में किए गए बड़े बदलावों के चलते लिया गया है। अब 800 अमेरिकी डॉलर तक की वैल्यू वाले सामान पर भी ड्यूटी लगाई जाएगी, जबकि पहले यह टैक्स-फ्री होता था।

अमेरिका ने फिलिस्तीनी वीजा पर लगी पाबंदियों को बढ़ाया

वाशिंगटन, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। अमेरिका ने फिलिस्तीनी पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा पाबंदियों को बढ़ाते हुए वीजा की लगभग सभी श्रेणियों के अनुमोदन पर रोक लगा दी है।

न्यूयार्क टाइम्स ने रविवार को अपनी रिपोर्ट में कहा कि लगाई गई वीजा पाबंदी में चिकित्सा, विश्वविद्यालय अध्ययन, व्यावसायिक यात्रा, और मित्रों या परिवार से मिलने की श्रेणी के आवेदन भी शामिल हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के ये नियम केवल गाजा के निवासियों पर लागू होते थे पर अब नई नीति पश्चिमी तट और पूरे प्रवासी समुदाय में रहने वाले फिलिस्तीनी नागरिकों पर लागू हो जाएगी।

इससे पहले इसी महीने के शुरुआत में ट्रम्प प्रशासन ने फिलिस्तीन मुक्ति संगठन और फिलिस्तीनी प्राधिकरण के सदस्यों के वीजा आवेदन रद्द कर दिए थे। जिससे उनके न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाग लेने से रोक लग गई थी। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि यह फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर लिया गया है।

महत्वपूर्ण सूचना

त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ –2025

आगामी त्यौहारों के दौरान रेलयात्रियों की सुविधा के लिए त्यौहार विशेष रेलगाडियाँ संचालित करने के संबंध में दिनांक 30.08.2025 को विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित सार्वजनिक सूचना में आंशिक संशोधन किया गया है और अब निम्नलिखित रेलगाडियाँ इनके समक्ष दर्शायी गई तिथियों को निम्न समय–सारणी के अनुसार संचालित की जाएंगी:–

04450/04449 नई दिल्ली-दरभंगा जं.-नई दिल्ली आरक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस (प्रतिदिन) — 126 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04450		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04449	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	15:10	नई दिल्ली	23:00	---
16:30	---	दरभंगा जं.	---	18:15

चलने की संशोधित तिथि: 04450 नई दिल्ली से दिनांक 29.09.2025 से 30.11.2025 तक (प्रतिदिन) और **04449 दरभंगा जं. से** दिनांक 30.09.2025 से 01.12.2025 तक (प्रतिदिन) **स्थान:** शयनयान एवं सामान्य

ठहराव: गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, गोंडा जं., गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं. स्टेशन।

नोट: गाड़ी सं. 04450 नई दिल्ली–दरभंगा के बीच दिनांक 20.09.2025 से 28.09.2025 तक **नई दिल्ली से** निरस्त रहेगी और **गाड़ी सं. 04449** दरभंगा जं.–नई दिल्ली के बीच दिनांक 21.09.2025 से 29.09.2025 तक **दरभंगा जं. से** निरस्त रहेगी।

04454/04453 नई दिल्ली-मानसी जं.-नई दिल्ली आरक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस (प्रतिदिन) — 126 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04454		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04453	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	20:00	नई दिल्ली	03:00	---
23:30	---	मानसी जं.	---	01:10

चलने की संशोधित तिथि: 04454 नई दिल्ली से दिनांक 29.09.2025 से 30.11.2025 तक (प्रतिदिन) और **04453 मानसी जं. से** दिनांक 01.10.2025 से 02.12.2025 तक (प्रतिदिन) **स्थान:** शयनयान एवं सामान्य

ठहराव: गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुण्डला जं., इटावा जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी जं., गोंडा जं., बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय और खगड़िया जं. स्टेशन।

नोट: गाड़ी सं. 04454 नई दिल्ली–मानसी जं. के बीच दिनांक 20.09.2025 से 28.09.2025 तक **नई दिल्ली से** निरस्त रहेगी और **गाड़ी सं. 04453** मानसी जं.–नई दिल्ली के बीच दिनांक 22.09.2025 से 30.09.2025 तक **मानसी जं. से** निरस्त रहेगी।

04456/04455 नई दिल्ली-धनबाद जं.-नई दिल्ली आरक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस (प्रतिदिन) — 144 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04456		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04455	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	22:40	नई दिल्ली	06:00	---
02:20	---	धनबाद जं.	---	04:00

चलने की संशोधित तिथि: 04456 नई दिल्ली से दिनांक 20.09.2025 से 30.11.2025 तक (प्रतिदिन) और **04455 धनबाद जं. से** दिनांक 22.09.2025 से 02.12.2025 तक (प्रतिदिन) **स्थान:** शयनयान एवं सामान्य

ठहराव: गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, आलमनगर, उतरेटिया जं., रायबरेली जं., अमेठी, मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., भदोही, वाराणसी, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑनसोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया जं., कोडरमा, हजारीबाग रोड, पारसनाथ और नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जं. गोमो स्टेशन।

04458/04457 आनन्द विहार(टर्मि.)-भागलपुर-आनन्द विहार(टर्मि.) आरक्षित त्यौहार विशेष एक्स. (प्रतिदिन) — 144 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04458		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04457	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	13:40	आनन्द विहार(टर्मि.)	22:00	---
14:30	---	भागलपुर	---	18:00

चलने की संशोधित तिथि: 04458 आनन्द विहार(टर्मि.) से दिनांक 20.09.2025 से 30.11.2025 तक (प्रतिदिन) और **04457 भागलपुर से** दिनांक 21.09.2025 से 01.12.2025 तक (प्रतिदिन) **स्थान:** शयनयान एवं सामान्य

ठहराव: गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, पटना जंक्शन, पटना साहिब, फतुहा, खुसरूपुर, बख्तियारपुर जंक्शन, बाढ़, मोकामा, हाथीदा जंक्शन, बड़हिया, लक्खीसराय जंक्शन, किऊल जंक्शन, कजरा, अभयपुर, धरहरा, जमालपुर जंक्शन, बरियारपुर और सुल्तानगंज स्टेशन।

04016/04015 आनन्द विहार(टर्मि.)-सीतामढ़ी-आनन्द विहार(टर्मि.) आरक्षित त्यौहार विशेष एक्स. (प्रतिदिन) — 126 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04016		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04015	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	15:30	आनन्द विहार(टर्मि.)	18:15	---
15:00	---	सीतामढ़ी	---	16:30

चलने की संशोधित तिथि: 04016 आनन्द विहार(टर्मि.) से दिनांक 29.09.2025 से 30.11.2025 तक (प्रतिदिन) और **04015 सीतामढ़ी से** दिनांक 30.09.2025 से 01.12.2025 तक (प्रतिदिन)

स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

ठहराव: गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ जं., गोण्डा जं., गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं. एवं बैरगनियां स्टेशन।

नोट: गाड़ी सं. 04016 नई दिल्ली–सीतामढ़ी के बीच दिनांक 20.09.2025 से 28.09.2025 तक **नई दिल्ली से** निरस्त रहेगी और **गाड़ी सं. 04015** सीतामढ़ी–नई दिल्ली के बीच दिनांक 21.09.2025 से 29.09.2025 तक **सीतामढ़ी से** निरस्त रहेगी।

पर हमें फॉलो करें

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी अन्य सूचना और विस्तृत समय–सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा–हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

प्रादेशिकी

हरियाणा में राष्ट्रीय राजमार्गों पर होगा बड़े पैमाने पर पौधा रोपण : अनिल विज

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने सोमवार को बताया कि केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों के सौंदर्यीकरण के लिए बड़े पैमाने पर पौधा रोपण अभियान चलाने के निर्देश दिये हैं। श्री विज ने कहा कि केंद्रीय मंत्री द्वारा भेजे गये पत्र में स्पष्ट किया गया है कि मानसून सत्र के दौरान राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारों पर पौधा रोपण और सौंदर्यकरण का कार्य संबंधित एजेंसियों अथवा राज्य के वन विभाग के माध्यम से कराया जाएगा। इस वर्ष भी वर्षा ऋतु के दौरान व्यापक स्तर पर पौधा रोपण की तैयारी की जा रही है और क्षेत्रीय इकाइयों को दिशा-निर्देश पहले ही जारी कर दिये गये हैं। उन्होंने बताया कि हाल ही में उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्गों के सौंदर्यकरण को लेकर श्री गडकरी को पत्र लिखा था। केंद्रीय मंत्री के मार्गदर्शन और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के प्रयासों से हरियाणा में पिछले वर्षों में कई महत्वपूर्ण राजमार्ग बने हैं।

मानसून की बरसात से अब तक 3056 करोड़ का नुकसान

केदारनाथ हाईवे पर कई लैंड स्लाइड एरिया हुए सक्रिय

■ हिमकिरण मांटा

शिमला, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। हिमाचल प्रदेश पहली सितंबर से आपदा ग्रस्त राज्य घोषित कर कर दिया गया है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खु ने सोमवार को विधानसभा में पूरे हिमाचल को आपदा ग्रस्त राज्य घोषित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मॉनसून की बरसात जारी रहने तक हिमाचल आपदा ग्रस्त राज्य घोषित रहेगा और इसके बाद ही इससे संबंधित अधिसूचना को वापस लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश को आपदा ग्रस्त राज्य घोषित करने से संबंधित आदेश सभी उपायुक्तों को दे दिए गए हैं और आपदा प्रबंधन कानून की धारा 34 के तहत कार्रवाई करने को कहा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में मॉनसून की बरसात के बाद बादल फटने, अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन से पूरे प्रदेश को भारी नुकसान हुआ है। उसे देखते हुए प्रदेश को आपदा ग्रस्त राज्य घोषित करने का निर्णय लिया गया है और इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बार-बार आई आपदा से सड़कों, पुलों, बिजली, पेयजल आपूर्ति योजनाओं को सबसे अधिक नुकसान हुआ है।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा में एक विशेष वक्तव्य में कहा कि चंबा जिले की प्रसिद्ध मणिमहेश यात्रा में अब तक विभिन्न कारणों से 16 श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है। इनमें से चार श्रद्धालुओं के शव अभी भरमौर के कुगती में फंसे हैं, क्योंकि लगातार बारिश के कारण इन्हें निकालना संभव नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि चंबा जिला प्रशासन ने इन शवों को निकालने के लिए 20 मजदूरों की व्यवस्था की है और जल्द ही ये शव निकाल दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भरमौर से सुरक्षित निकाले गए तीर्थयात्रियों के आंकड़ों में कोई विरोधाभास नहीं है, क्योंकि उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने भी सदन को बताया था कि 3257 तीर्थयात्रियों को मणिमहेश से भरमौर लाया गया था। उन्होंने कहा कि मणिमहेश में फंसे 15 हजार तीर्थयात्रियों में से 10 हजार को सुरक्षित निकाल लिया गया है और हिमाचल पथ परिवहन निगम की बसों के माध्यम से बिना किसी शुल्क के नूरपुर तक छोड़ा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें 27 अगस्त को पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार का एक पत्र मिला था, जिसमें मॉनसून के कारण आई आपदा पर चिंता व्यक्त की गई थी। उन्होंने कहा कि वह आभारी हैं कि शांता कुमार ने प्रधानमंत्री और केंद्र को पत्र लिखकर हिमाचल प्रदेश में स्थिति से निपटने के लिए केंद्र में वर्षों से लावारिस पड़े दो लाख करोड़ रुपए में से 20 हजार करोड़ रुपये का विशेष वित्तीय पैकेज देने का अनुरोध किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में अब तक की सबसे भीषण तबाही हुई है और वह आभारी हैं कि भाजपा नेता शांता कुमार ने प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों और विधायकों को पत्र लिखकर हिमाचल प्रदेश में मानसून आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने और पहाड़ी राज्य को वित्तीय सहायता प्रदान करने का अनुरोध किया है।

हिमाचल आपदा ग्रस्त राज्य घोषित

हिमाचल में टूटा 77 साल पुराना रिकॉर्ड अगस्त में 1948 के बाद सबसे ज्यादा बारिश

शिमला। हिमाचल प्रदेश में इस बार मानसून ने कई दशक पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। अगस्त माह में राज्य में 434.5 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई है, जो 1948 के बाद सबसे अधिक है। वर्ष 1948 में 456.5 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई थी। इस प्रकार 77 साल बाद अगस्त में इतनी अधिक बारिश दर्ज हुई है। मौसम विभाग ने आने वाले दो दिनों तक प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। ऊना, कांगड़ा, बिलासपुर, सोलन, सिरमौर और शिमला जिले रेड अलर्ट पर रखे गए हैं, जबकि अन्य जिलों में ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है। मौसम वैज्ञानिक संदीप ने बताया कि पिछले 24 घंटों से अधिकांश क्षेत्रों में बारिश का सिलसिला जारी है। मंगलवार को भी प्रदेशभर में भारी बारिश के आसार हैं। मंगलवार को कांगड़ा, मंडी और सिरमौर के लिए भी रेड अलर्ट रहेगा। हालांकि, तीन सितंबर को बारिश में कमी आएगी, लेकिन चार सितंबर से एक बार फिर भारी बारिश की संभावना जताई गई है। उन्होंने कहा कि 1901 के बाद यह आठवीं बार है जब अगस्त महीने में इतनी ज्यादा बारिश दर्ज की गई है।

आपदा से प्रभावित हर परिवार के पुनर्वास के लिए प्रदेश सरकार विशेष राहत पैकेज देगी : सुक्खू

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि आपदा से प्रभावित हर परिवार के पुनर्वास के लिए प्रदेश सरकार विशेष राहत पैकेज देगी। सुक्खू ने शनिवार को जिला चंबा के भरमौर, मणिमहेश और अन्य आपदा प्रभावित क्षेत्रों के साथ-साथ कांगड़ा जिले में पौंग बांध से छोड़े गए पानी के कारण बाढ़ प्रभावित फतेहपुर और इंदौरा के मंड क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण किया। मुख्यमंत्री पठानकोट एयरफोर्स स्टेशन से भरमौर के लिए रवाना हुए, लेकिन खराब मौसम के कारण उनका हेलिकाप्टर वहां उतर नहीं सका। सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से समय पर उठाए गए एहतियाती कदमों के कारण जनजीवन की हानि वर्ष 2023 की तुलना में कम हुई है, लेकिन इस बार विनाश का पैमाना कहीं अधिक है। सड़क, बिजली, पानी आपूर्ति और संचार सेवाएं 2023 की तुलना में अधिक प्रभावित हुई हैं। राज्य सरकार के समक्ष लोगों के पुनर्वास की भी एक बड़ी चुनौती है, जिसे प्रदेशवासियों के सहयोग से पार किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी और लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह लगातार जमीनी स्तर पर स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। सरकार आपदा प्रभावितों को हरसंभव राहत पहुंचाने और चंबा भरमौर मार्ग में संपर्क सुविधा बाधित होने के कारण विभिन्न स्थानों पर फंसे लोगों को सुरक्षित घर पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी चंबा से पैदल ही भरमौर के लिए रवाना हुए हैं। यह दर्शाता है कि राज्य सरकार मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए संवेदनशीलता के साथ इस संकट का सामना कर रही है। सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार सड़क संपर्क बहाल करने के लिए तेजी से काम कर रही है। जिला प्रशासन को यथाशीघ्र सड़क संपर्क बहाल करने के निर्देश दिए गए हैं।

चारधाम एवं हेमकुंड साहिब यात्रा पांच सितम्बर तक स्थगित

देहरादून। उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी बारिश ने एक बार फिर चारधाम और हेमकुंड साहिब यात्रा को प्रभावित कर दिया है। राज्य सरकार ने यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए 5 सितंबर तक दोनों धार्मिक यात्राओं को स्थगित करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री के सचिव एवं गढ़वाल आयुक्त विनय शंकर पांडे ने जानकारी दी कि भारी बारिश के चलते प्रदेश के कई हिस्सों में भूस्खलन और मलबा आने से सड़कें बाधित हो रही हैं। हालांकि सरकार और प्रशासन युद्धस्तर पर मार्ग खोलने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन यात्रियों की सुविधा और जान-माल की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय आवश्यक माना गया है। गढ़वाल आयुक्त ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे प्रतिकूल मौसम को देखते हुए अभी यात्रा मार्गों पर न निकलें और प्रशासन द्वारा जारी एडवाइजरी का पालन करें। उन्होंने कहा कि यात्रियों को संयम और धैर्य बनाए रखना चाहिए तथा यात्रा से संबंधित अद्यतन जानकारी के लिए प्रशासनिक नियंत्रण कक्ष से संपर्क बनाए रखना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार और स्थानीय प्रशासन सड़क मार्गों की निगरानी, सफाई और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। मौसम सामान्य होने और रास्ते पूरी तरह सुरक्षित पाए जाने के बाद ही यात्राओं को पुनः शुरू किया जाएगा। इसी बीच मौसम विभाग ने प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश को लेकर रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि अगले 24 से 48 घंटे प्रदेश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने बताया कि कुछ जिलों में रेड अलर्ट और कुछ में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, इसलिए पूरे प्रशासन, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और अन्य सभी विभागों को अलर्ट पर रखा गया है। मुख्यमंत्री ने नानक सागर बांध की स्थिति पर भी जानकारी दी और कहा कि यह फिलहाल खतरे के निशान से पांच फीट नीचे बह रहा है, लेकिन उस पर लगातार नजर रखी जा रही है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि जिन लोगों के घर आपदा से प्रभावित हुए हैं, उन्हें तुरंत सहायता दी जा रही है और सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया जा रहा है।

सार संक्षेप

बाजवा ने बाढ़ प्रभावित गांवों में की राहत कार्यों की समीक्षा

फगवाड़ा। पंजाब में फगवाड़ा जिले के भुलत्थ क्षेत्र में बाढ़ प्रभावित इलाकों में जिला प्रशासन ने राहत कार्य तेज कर दिये हैं। अतिरिक्त उपायुक्त (ग्रामीण विकास) वरिंदरपाल सिंह बाजवा ने रविवार को मंसूरवाल बेट, रायपुर अराइयां और मंड तलवंडी कूका गांवों का दौरा कर राहत कार्यों का जायज़ा लिया। श्री बाजवा ने इस दौरान ग्रामीणों से बातचीत की और उन्हें भरोसा दिलाया कि उपायुक्त अमित कुमार पांचाल के नेतृत्व में नागरिक और पुलिस प्रशासन युद्धस्तर पर राहत पहुंचाने के प्रयास कर रहा है। उन्होंने प्रभावित परिवारों से अपील की कि वे सुरक्षित स्थानों पर बनाये गये राहत शिविरों में पहुंचें, ताकि उन्हें किसी असुविधा का सामना न करना पड़े।

मौसम खराब के कारण आज चंडीगढ़ के सभी स्कूल बंद

चंडीगढ़। केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ प्रशासन ने खराब मौसम और लगातार हो रही वर्षा को देखते हुए सभी सरकारी एवं निजी स्कूलों को मंगलवार को शैक्षणिक गतिविधियों के लिए बंद रखने के आदेश जारी किये हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस दौरान विद्यार्थियों की कक्षायें आयोजित नहीं होंगी और बच्चों को घर पर ही रहने की सलाह दी गयी है। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बरसात के कारण कई स्थानों पर जलभराव की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। भारी वर्षा के कारण परिवहन व्यवस्था भी प्रभावित हुई है, जिससे स्कूल आने-जाने में बच्चों को कठिनाई हो सकती है। चंडीगढ़ में पिछले दिनों लगातार बारिश के कारण जनजीवन भी प्रभावित हुआ है।

ऋषिकेश-गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर हादसा

टिहरी गढ़वाल। जिले के थाना नरेंद्रनगर क्षेत्र में ऋषिकेश-गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर बैमुंडा जंगलात चौकी के पास दर्दनाक हादसा हुआ। पहाड़ी से गिरे बोल्डरों की चपेट में आने से स्कूटी सवार युवक की मौत हो गई। जबकि महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसको प्राथमिक उपचार के बाद एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया है।

सुडोकू 7022 का हल

7	9	3	8	5	4	1	2	6
5	1	2	7	6	3	9	8	4
4	8	6	1	9	2	5	3	7
3	2	5	6	7	8	4	1	9
9	6	8	4	1	5	2	7	3
1	7	4	3	2	9	6	5	8
2	4	7	9	3	1	8	6	5
6	5	9	2	8	7	3	4	1
8	3	1	5	4	6	7	9	2

धामी ने दी शहीद राज्य आंदोलनकारियों को श्रद्धांजलि

खटीमा गोलीकांड की बरसी पर शहीदों के परिजनों को किया सम्मानित

■ अमरनाथ तिवारी

देहरादून, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। खटीमा गोलीकांड की 31वीं बरसी है। राज्य आंदोलन के दौरान 1 सितंबर 1994 को खटीमा में निहत्थे राज्य आंदोलनकारियों पर पुलिस ने गोली चलाई थी। उस गोलीकांड में 7 राज्य आंदोलनकारी शहीद हो गए थे। तब अविभाजित उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह यादव की सरकार थी। सीएम धामी ने आज खटीमा पहुंचकर शहीद राज्य आंदोलनकारियों को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर सीएम ने शहीदों के परिजनों के हाल चाल पूछे और उन्हें अंग वस्त्र और उपहार भेंट किए। इस मौके पर नैनीताल सांसद अजय भट्ट, स्थानीय विधायक सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से खटीमा पहुंचे राज्य आंदोलनकारियों ने शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। हम आपको बता दें कि एक सितंबर 1994 को राज्य आंदोलन के दौरान खटीमा में पुलिस प्रशासन ने हजारों की भीड़ में की गई गोलीबारी में सात राज्य आंदोलनकारियों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी। उनकी शहादत की बदौलत ही 9 नवंबर 2000 को अटल बिहारी बाजपेई की सरकार के दौरान नए राज्य के रूप में उत्तराखंड राज्य का उदय हुआ। खटीमा गोलीकांड के शहीदों में शहीद भगवान सिंह सिरोला, गोपी चंद, धर्मानंद पांडे, भगवान सिंह, परमजीत सिंह, रामपाल सिंह और सलीम शामिल हैं। उत्तराखंड राज्य आंदोलन के दौरान खटीमा में 1 सितंबर 1994 को हुए गोलीकांड में सात राज्य आंदोलनकारियों ने जहां अपनी शहादत दी थी। तभी से हर वर्ष गोलीकांड के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु इस दिन को बलिदान दिवस के रूप में बनाया जाता है।

- गोलीबारी के सात राज्य आंदोलनकारियों ने दी थी अपनी जान
- आंदोलनकारियों को पुष्प चक्र अर्पित कर पुष्पांजलि अर्पित की

सीएम ने आंदोलनकारियों के सपनों का राज्य बनाने का आह्वान किया

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस अवसर पर राज्य आंदोलनकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के लोगों ने अपार उत्पीड़न और कई शहादतों के बाद राज्य की प्राप्ति की। इसलिए वह विश्वास दिलाना चाहते हैं कि राज्य सरकार शहीदों के सपनों और भावनाओं के अनुरूप राज्य बनाने को लेकर संकल्प बद्ध है। सीएम ने कहा कि अटल जी द्वारा बनाए उत्तराखंड को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संवारने में लगे हैं।

आपदा पीड़ितों के साथ है राज्य सरकार

देहरादून। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आज पूरे प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट है। प्रदेश में धराली, थराली और रुद्रप्रयाग सहित कई इलाके देवीय आपदा से ग्रसित हैं। राज्य सरकार इस वक्त आपदा पीड़ितों के साथ खड़ी है। आपदा प्रभावितों के पुनर्वास, आपदा प्रभावितों इलाकों के लोगों की हर संभव सहायता को राज्य सरकार खड़ी है। राज्य को विकल्प रहित संकल्प के साथ आगे बढ़ाने हेतु राज्य सरकार लगातार काम कर रही है।

नैनीताल जिपं अध्यक्ष और उपाध्यक्ष ने ली पद और गोपनीयता की शपथ

■ शपथ ग्रहण के दौरान दोनों ने बताई अपनी प्राथमिकता

नैनीताल, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। सोमवार को नैनीताल में जिला पंचायत अध्यक्ष और उपाध्यक्ष ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। नैनीताल के अपर जिलाधिकारी शैलेंद्र नेगी ने नवनिर्वाचित नैनीताल जिला पंचायत अध्यक्ष दीपा दर्मवाल और उपाध्यक्ष देवकी बिष्ट को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। नैनीताल जिला पंचायत अध्यक्ष की शपथ लेने के बाद दीपा दर्मवाल ने 27 में से 24 जिला पंचायत सदस्यों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस मौके पर नैनीताल जिला पंचायत अध्यक्ष दीपा दर्मवाल ने कहा कि नैनीताल के ग्रामीण क्षेत्रों में जितने भी समस्याएं हैं, उनका सभी सदस्यों के साथ मिलकर निवारण किया जाएगा। विकास कार्यों को प्राथमिकता से किया जाएगा। जनता की जो-जो समस्याएं हैं, उनका जल्द निस्तारण किया जाएगा।

प्रिंसिपल पद से रिटायर्ड होने के बाद जिला पंचायत उपाध्यक्ष बनी देवकी बिष्ट ने कहा कि उन्होंने जिस तरह से अभी तक बच्चों को पढ़ाकर उनके जीवन का विकास किया, इसी तरह अब वे क्षेत्र का भी विकास करेंगी। यही उनकी प्राथमिकता होगी। गांव में जो बुजुर्ग अकेले रहते हैं, जिनके बच्चों और परिजनों ने उन्हें छोड़ दिया है, जिनके पास किसी प्रकार की सुविधा नहीं है, उनकी मदद करूंगी।

आज जिन सदस्यों ने शपथ नहीं ली, उनमें कांग्रेस की पुष्पा नेगी, बड़ौन से मीना देवी व निधि जोशी डाड़ीमा से शपथ नहीं ले सकी। जिला पंचायत अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के चुनाव के दिन कथित रूप से अपहरण व बाद में अपनी मर्जी से वोट न डालने व घूमने जाने का वीडियो भेजने वाले सदस्यों में डिकर मेवाड़ी, प्रमोद कोटलिया, तरुण शर्मा, दीप सिंह बिष्ट और विपिन जंतवाल थे। इन सभी ने भी शपथ ले ली है।

चोरगलिया आमखेड़ा लीला देवीदेवलचौड़ बन्दोबस्ती से दीपा देवी दर्मवाल रामसिंह आनड़ी से छवि काण्डपाल जगगीबंगर से दीपा चन्दोला जंगलियागांव से विपिन सिंह जंतवाल मेहरागांव से जिशान्त कुमार ज्योलीकोट से देवकी बिष्ट अमृतपुर से हेमा भट्ट भवाली गांव से यशपाल आर्य शामिल हैं।

गौरीकुंड हाईवे पर वाहन पर बोल्डर गिरने से दो की मौत, तीन घायल

रुद्रप्रयाग, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। जिले में सोमवार सुबह एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जब गौरीकुंड हाईवे पर मुनकटिया के पास अचानक भारी बोल्डर एक यात्री वाहन पर गिर पड़ा। यह वाहन सोनप्रयाग से गौरीकुंड की ओर जा रहा था। भूस्खलन जोन में पहाड़ से गिरे इस बड़े पत्थर की चपेट में आने से दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के समय वाहन में कुल 11 सवारियां मौजूद थीं। दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और रेस्क्यू टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को तुरंत सोनप्रयाग अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से दो गंभीर घायलों को हायर सेंटर रेफर किया गया। हादसे में घायल हुए लोगों में नवीन सिंह रावत (35 वर्ष), पुत्र जयेंद्र सिंह, निवासी सियालव, थाना बड़कोट, जिला उत्तरकाशी, तथा ममता (29 वर्ष), पत्नी चैन सिंह पवार, निवासी सियालव, दोनों को गंभीर हालत में रेफर किया गया है। इसके अलावा प्रतिभा (25 वर्ष), पुत्री गिरवर सिंह, निवासी सियालव, घायल हुई हैं। वहीं इस दुर्घटना में रीता (30 वर्ष), पत्नी उदय सिंह, और चंद्र सिंह (50 वर्ष), पुत्र कलम सिंह, दोनों की मौत हो गई। मृतक और घायल सभी उत्तरकाशी जिले के सियालव गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। इस हादसे से गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

- हादसे के समय वाहन में मौजूद थी 11 सवारियां
- दो गंभीर घायलों को हायर सेंटर रेफर किया गया

पूर्व कुलपति को ठगने वाला साइबर अपराधी शिमला से गिरफ्तार

देहरादून, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय से रिटायर्ड कुलपति को डिजिटल अरेस्ट कर 1.47 करोड़ रुपए ठगने वाले आरोपी को पुलिस ने हिमाचल प्रदेश के सोलन से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने 12 दिन तक पीड़ित को घर पर व्हाट्सएप कॉल के माध्यम से डिजिटल अरेस्ट किया था।

1.47 करोड़ रुपए ठगे

महाराष्ट्र पुलिस के साइबर क्राइम विभाग के नाम पर पीड़ित रिटायर्ड कुलपति को व्हाट्सएप कॉल पर डिजिटल अरेस्ट कर साइबर धोखाधड़ी की गई थी। साथ ही साइबर ठगों ने पीड़ित के नाम पर खोले गए बैंक खाते में 60 करोड़ की धनराशि आने और मनी लॉन्ड्रिंग के तहत केस दर्ज होने की बात कही थी। रिटायर्ड कुलपति के सभी बैंक खातों का वेरिफिकेशन किए जाने की बात कहकर व्हाट्सएप कॉल पर ही डरा धमकाकर कानूनी कार्रवाई का डर दिखाकर डिजिटल अरेस्ट करते हुए अलग-अलग खातों में कुल 1 47 करोड़ रुपए ट्रांसफर करवाए थे। दरअसल, नैनीताल निवासी पीड़ित रिटायर्ड कुलपति ने साइबर पुलिस थाने में एक शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें उन्होंने बताया था कि इसी अगस्त महीने में अज्ञात व्यक्तियों ने खुद को महाराष्ट्र साइबर क्राइम विभाग से बताते हुए उसके नाम पर खुले बैंक खाते में मनी लॉन्ड्रिंग के तहत 60 करोड़ रुपए के लेनदेन होने की बात कही थी। इसके लिए पीड़ित रिटायर्ड कुलपति के खातों का वेरिफिकेशन करने की बात कही गई।

छात्र राजनीति में बढ़ती हिंसा पर आईजी कुमांऊ का सख्त कदम

चुनाव में होने वाले बवाल पर थानाध्यक्ष होंगे जिम्मेदार

नैनीताल, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। जिले में हाल ही में हुए जिला पंचायत चुनाव के दौरान उत्पन्न हुई हिंसा और विवादों के मामले के हाईकोर्ट पहुंचने के बाद पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठे हैं। इस घटना के बाद पुलिस प्रशासन ने अपनी रणनीति को और अधिक कड़ा करते हुए सतर्कता बढ़ा दी है। प्रदेश के महाविद्यालयों में छात्रसंघ चुनावों के ऐलान के साथ ही छात्र राजनीति भी तेज हो गई है। डिग्री कॉलेजों में छात्र गुटों के बीच विवाद और झगड़े की घटनाएं भी बढ़ने लगी हैं। कुमाऊं के आईजी रिद्धिम अग्रवाल ने पुलिस को कड़े निर्देश दिए हैं कि छात्रसंघ चुनाव को पूरी शांति और अनुशासन के साथ संपन्न कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की हिंसा या हंगामा होगा तो उस क्षेत्र के थानाध्यक्ष और चौकी प्रभारी जिम्मेदार ठहराए जाएंगे और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। आईजी रिद्धिम अग्रवाल ने बताया कि चुनाव से पहले पुलिस प्रशासन के साथ कई बैठकें में चुनाव से जुड़ी पुरानी विवादों और दुश्मनी पर उचित कानूनी कार्रवाई की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि चुनाव के दिन कोई भी अप्रिय घटना न हो, इसके लिए थानाध्यक्षों को संदिग्ध लोगों की पहचान पहले से ही करनी होगी। अगर चुनाव के दौरान कोई विवाद होता है, तो संबंधित पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। छात्रसंघ चुनाव की तैयारियां तेज हो गई हैं और कुमाऊं क्षेत्र के सभी महाविद्यालयों में छात्र राजनीति सक्रिय हो गई है। हल्द्वानी, रामनगर और हल्दूचौड़ के डिग्री कॉलेजों में पहले भी चुनाव के दौरान विवाद की घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

■ प्रदेश के महाविद्यालयों में छात्रसंघ चुनावों के ऐलान के साथ ही छात्र राजनीति भी तेज हो गई

उत्तराखंड में सेवानिवृत अग्निवीरों को मिलेगी सरकारी नौकरी

देहरादून, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को अपने एक और वायदे को पूरा करते हुए, सेवामुक्त होने वाले अग्निवीरों को विभिन्न विभागों की वर्दीधारी सेवाओं में दस प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण प्रदान कर दिया है। इस संबंध में सरकार को कार्मिक एवं सर्तकता विभाग की ओर से विधिवत तौर पर उत्तराखंड राज्याधीन सेवाओं में समूह ग के सीधी भर्ती के वर्दीधारी पदों पर सेवायोजन के लिए, सेवामुक्त अग्निवीरों को क्षैतिज आरक्षण नियमावली - 2025 जारी कर दी है। श्री धामी ने कहा कि देश की सेवा कर लौटे पूर्व अग्निवीर प्रदेश का गौरव हैं। उन्हें सम्मान और रोजगार का अवसर देना हमारी जिम्मेदारी है। यह निर्णय सेवामुक्त हुए अग्निवीरों के भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में एक ठोस कदम है। हमारी सरकार पूर्व सैनिकों और अग्निवीरों को हर तरह से सेवायोजन का प्रयास कर रही है। उल्लेखनीय है कि सैन्य बहुल प्रदेश होने के कारण, राज्य सरकार के इस निर्णय को मास्टर स्ट्रोक माना जा रहा है। इसी नियमावली के जरिए अब सेवामुक्त हुए अग्निवीरों को विभिन्न विभागों के वर्दीधारी पदों पर 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण प्रदान किया जाएगा।

प्रादेशिकी

जुलूस-ए- मोहम्मदी जुलूस जरुर निकलेगाः महबूब

अमरोहा। उत्तर प्रदेश के अमरोहा में निषेधाज्ञा लागू होने के बावजूद लोक लेखा समिति चेयरमैन तथा समाजवादी पार्टी (सपा) नेता महबूब अली ने कहा कि जुलूस-ए- मोहम्मदी जुलूस भी निकलेगा और मुख्य सचिव से जांच भी कराएंगे। अली ने सोमवार को कार्यालय पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि पुलिस प्रशासन द्वारा लगाई गई तमाम पाबंदियों के बावजूद मुस्लिम कमेटी द्वारा प्रस्तावित पांच सितंबर को अमरोहा में जुलूस - ए - मोहम्मदी जरुर निकलेगा। उन्होंने सवाल किया कि आखिर अमन की नगरी अमरोहा में जिला पुलिस प्रशासन द्वारा पाबंदी लगाने के पीछे मंशा क्या है जबकि अमरोहा की मुस्लिम कमेटी द्वारा लिखित में सूचना प्रशासन को समय रहते दे दी थी। सपा नेता ने कहा कि प्रकरण से संबंधित शिकायत मुख्य सचिव से की जाएगी। साथ ही इस मुख्य सचिव से जांच भी कराई जाएगी।

गंभीर बीमार बंदियों की समयपूर्व रिहाई के नियम सरल और स्पष्ट किए जाएं : योगी

प्राणघातक रोग से ग्रस्त बंदियों, वृद्ध, असहाय बंदियों की वास्तविक संख्या जानने को कराएं सर्वेक्षण

■ **सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप पारदर्शी नीति बनाने पर सीएम का जोर**

लखनऊ, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंभीर बीमारियों से ग्रसित बंदियों की समयपूर्व रिहाई से संबंधित नियमों को और अधिक सरल, स्पष्ट तथा मानवीय दृष्टिकोण से परिभाषित किए जाने की आवश्यकता जताई।

सोमवार को कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाओं की समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का अनुपालन करते हुए प्रदेश की नीति को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि पात्र बंदियों की रिहाई स्वतः विचाराधीन होनी चाहिए और इसके लिए उन्हें अलग से आवेदन न करना पड़े। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्राणघातक रोग से पीड़ित होने की आशंका वाले सिद्धदोष बंदी, जिसे मुक्त करने पर उसके स्वस्थ होने की उपयुक्त संभावना है तथा वृद्धावस्था, अशक्तता या बीमारी के कारण भविष्य में ऐसा अपराध करने में स्थायी रूप से असमर्थ बंदी, जिसके लिये वह दोषी ठहराया गया हो के साथ-साथ घातक बीमारी या किसी प्रकार की अशक्तता से पीड़ित सिद्धदोष बंदी जिसकी मृत्यु निकट भविष्य में होने की संभावना हो, के संबंध में प्रदेश के सभी कारागारों में सर्वेक्षण कर वास्तविक संख्या का आकलन किया जाए। इनमें महिलाओं, बुजुर्गों को प्राथमिकता के आधार पर रिहा करने की व्यवस्था हो। मुख्यमंत्री ने कैदियों को कृषि, गोसेवा आदि कार्यों से जोड़कर उनकी जेल अवधि के सदुपयोग करने के लिए व्यवस्था बनाने की भी आवश्यकता बताई। मुख्यमंत्री ने कहा कि जेल मैनुअल में यह भी स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाना आवश्यक है कि किन बीमारियों को असाध्य रोग की श्रेणी में रखा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज की सुरक्षा सर्वोपरि है। इसलिए समयपूर्व रिहाई उन्हीं मामलों में की जानी चाहिए, जहाँ से सामाजिक जोखिम न हो। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि हत्या, आतंकवाद, देशद्रोह, महिला और बच्चों के विरुद्ध जघन्य अपराध जैसे मामलों में रिहाई कतई नहीं की जानी चाहिए। नियमों में बदलाव पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक वर्ष तीन बार जनवरी, मई और सितम्बर में पात्र बंदियों के मामलों की स्वतः समीक्षा की व्यवस्था हो। यदि किसी बंदी को रिहाई न दी जाए तो उसके कारण स्पष्ट रूप से दर्ज किए जाएं और उसे यह अधिकार मिले कि वह उस निर्णय को चुनौती दे सके।

मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत 1 लाख लाभार्थियों को दिए जाएंगे पक्के मकान

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री आवास योजना- ग्रामीण के तहत एक लाख पात्र लाभार्थियों को पक्के मकान दिए जाएंगे। इसके लिए प्रथम किस्त के रूप में रूपए 400 करोड़ की धनराशि की स्वीकृति उपमुख्यमंत्री द्वारा प्रदान की गई है। उप मुख्यमंत्री ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस योजना के तहत पात्र लोगों को आवास स्वीकृत किये जांय। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत अब तक प्रदेश में 36.56 लाख से अधिक आवास आवंटित किए जा चुके हैं। वहीं, जिन लोगों का नाम प्रधानमंत्री आवास योजना - ग्रामीण में पूर्व की सूची में शामिल नहीं हो सका था, उन्हें लाभान्वित करने के लिए प्रदेश सरकार ने वर्ष 2018 में मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) प्रारंभ की। इस योजना में अब तक 3.73 लाख से अधिक आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं, जिनमें से 3.56 लाख (95.44%) आवास पूर्ण हो चुके हैं। इस योजना के अंतर्गत प्राकृतिक आपदाग्रस्त, कुष्ठरोग प्रभावित, वनटांगिया, मुसहर, कोल, सहरिया, थारू, नट, चेरो, पछइया, लोहार/गढ़इया, बैगा, दिव्यांगजन एवं पति की मृत्यु के उपरांत निराश्रित महिलाओं को आदि को पक्के आवास दिए गये हैं। उपमुख्यमंत्री श्री मौर्य की पहल पर निराश्रित महिलाओं की आयु सीमा 18 से 40 वर्ष से बढ़ाकर 18 से 50 वर्ष की गई है। इसी प्रकार, दिव्यांगजन को भी प्राथमिकता श्रेणी में सम्मिलित कर बड़ी संख्या में उन्हें आवास आवंटित किए गए हैं।

बरसात से बदला मौसम के मिजाज, गर्मी से राहत

■ **सोमवार को दिनभर में रूक-रूककर बारिश होती रही**

मवाना, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। रुक-रुककर हो रही बरसात से मौसम के बदल गए और लोगो को गर्मी से राहत मिली है। सोमवार को दिनभर बारिश होती रही। इस दौरान कई जगह जलभराव की भी समस्या रही। मध्यरात्रि से बारिश शुरू हो गई थी। रुक-रुककर हो रही बरसात से मौसम खुशगवार हो गया है और लोगों को भादो की भीषण गर्मी से काफी राहत मिली है। मौसम के ठंडक महसूस होने से एसी तो बंद रहे ही साथ ही पंखों की गति भी धीमी रही। नगर के मोहल्ला मुन्नालाल में जैन स्थानक के सामने पानी की निकासी नहीं होने से बरसात का पानी भरने से जलभराव की समस्या बनी है। वहीं मुख्य मार्ग पर भी जलभराव के करण लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि बरसात थमने पर पानी की निकासी हुई और लोगों को राहत मिली। वहीं पिंजरापोल गोशाला के सामने में भी जलभराव रहा। बरसात के कारण बाजार भी सूने नजर आए। अधिकाश व्यापारी ग्राहकों की बाट जोहते नजर आए। बरसात के कारण जनजीवन प्रभावित रहा। देर तक खुलने वाले बाजार जल्द ही बंद हो गए और बाजारों में सन्नाटा पसर गया। ईओ राजीव कुमार का कहना है अधिक बारिश में जलभराव की समस्या बन ही जाती है।

बारिश के कारण पुलिस लाइन में छत गिरी, 8 दबे, 2 की हालत गंभीर

मेरठ। मेरठ पुलिस लाइन के सरकारी क्वार्टर की छत गिरने से 8 लोग दब गए। पुलिस, फायर बिग्रेड और स्थानीय लोगों ने सभी को 30 मिनट में रेस्क्यू कर निकाल लिया। पास के सुशीला जसवंत राय अस्पताल ले गए। हादसा पुलिस लाइन गेट नंबर 5 के पास हुआ। इस मकान में सरकारी टेलर ओमकार परिवार के साथ रह रहे थे। ओमकार के बड़े बेटे विशाल ने बताया- पुलिस लाइन के सरकारी क्वॉर्टर पी-16 नंबर मकान में हम परिवार संग रहते हैं। घर में पापा ओमकार, मम्मी सुमन, मैं विशाल, मेरी पत्नी पूनम, 3 बच्चे अयांश (7 साल), नित्या (5 साल) और चीकू (1 साल), छोटा भाई आकाश रहते हैं।

सार संक्षेप

गैंस्टर के तीन आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा

किठौर। पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में निरुद्ध तीन आरोपियों को सोमवार दोपहर 12 बजे गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर दिया। इंस्पेक्टर बृजेश पांडेय ने बताया कि इसरार पुत्र तरीकत, कलवा पुत्र अहसान और बलजोरा उर्फ पहाड़ी पुत्र उम्मेद निवासी बोंद्रा किठौर गैंगस्टर में निरुद्ध हैं। तीनों के विरुद्ध गौवध के मुकदमें हैं। इसरार पर आर्म्स एक्ट का भी मुकदमा है।

24 सितम्बर को तहसील सरधना में होगी मत्स्य पट्टो की नीलामी

मेरठ। नायब तहसीलदार सरधना/नीलाम अधिकारी तहसील सरधना ने सर्वसाधारण को सूचित करते हुए बताया कि 17 ग्रामसभाओ में तालाब/पोखर/मीनाशय एवं जल प्राणियों के 10 वर्षीय मत्स्य पालन पट्टा आवंटन हेतु दिनांक 24 सितम्बर 2025 को प्रातः 11.00 बजे से तहसील मुख्यालय सरधना पर शिविर का आयोजन किया जायेगा, जिसमें इच्छुक पात्र व्यक्ति प्रतिभाग कर सकेंगे। नीलाम के संबंध में शर्तें तहसील सरधना के नोटिस बोर्ड पर चस्पा है।

विद्युत उपभोक्ता सेवा शिविर एवं जन-सुनवाई

मेरठ। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लि., के अन्तर्गत जनपद मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, बुलन्दशहर, हापुड, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, शामली, मुरादाबाद, संभल, रामपुर, अमरोहा, बिजनौर एवं गौतमबुद्धनगर (नोएडा) के सभी उपभोक्ताओं की विद्युत संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु संभव कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 2 सितम्बर 2025 को प्रबन्ध निदेशक श्रीमती ईशा दुहन की अध्यक्षता मे ष्विद्युत उपभोक्ता सेवा शिविरष् एवं जन-सुनवाई का आयोजन किया जाऐगा।

बारिश के चलते आज भी 8वीं तक के स्कूल बंद

मेरठ। जनपद मेरठ में हो रही भारी बारिश के कारण जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला विद्यालय निरीक्षक ने 2 सितंबर 2025 को सभी स्कूलों और मदरसों में छुट्टी घोषित की है। यह अवकाश नर्सरी से कक्षा 8 तक के लिए है और इसमें परिषदीय, राजकीय, अशासकीय, सीबीएसई, आईसीएसई और मदरसा बोर्ड से जुड़े सभी शिक्षण संस्थान शामिल हैं।

जिलाधिकारी ने की आईजीआरएस की समीक्षा

आईजीआरएस को गंभीरता से नहीं लेने वाले अधिकारियों को लगी फटकार

■ **जिले की रैंकिंग खराब हुई तो होगी सख्त कार्यवाही : डॉ. वी.के. सिंह**

■ **कम निस्तारण करने वाले अधिकारियों के वेतन रोकने के निर्देश**

मेरठ, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी डॉ. वी.के. सिंह द्वारा आईजीआरएस की समीक्षा बैठक आहूत की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि आईजीआरएस शिकायतों का निस्तारण शासन की प्राथमिकता में है, सभी अधिकारी इसको गंभीरता से लें और प्रत्येक शिकायत की मॉनीटरिंग और उसका निस्तारण अधिकारी स्वयं कराये। बैठक में माह जून, जुलाई तथा अगस्त 2025 में असंतुष्ट संदर्भो तथा स्पेशल क्लोज किए गए समस्त संदर्भों की विस्तृत समीक्षा की गई। आईजीआरएस की शिकायतों को अधिकारी स्वयं देखे, मौके पर जाकर सत्यापन, दूरभाष पर वार्ता कर गुणवत्ता एवं संतुष्टिपरक फीडबैक प्राप्त कर कार्यवाही करें। आईजीआरएस की निगरानी शासन स्तर से की जा रही है शासन की मंशा अनुरूप अधिकारी प्राप्त शिकायतों का निस्तारण संतुष्टिपरक एवं गुणवत्तापूर्ण सुनिश्चित करें।

उन्होंने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि लापरवाह एवं खराब प्रदर्शन वाले अधिकारियों को चिन्हित कर कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि जिन अधिकारियो का संतुष्टि फीडबैक प्रतिशत 25 प्रतिशत से कम और शून्य है उनका वेतन रोका जाएं। बिना सूचना दिए बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों का वेतन रोके जाने के निर्देश दिए गए। उन्होने कहा कि जिस विभाग/अधिकारी की लापरवाही के कारण जिले की रैंकिंग खराब होगी उनके विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। जो अधिकारी आईजीआरएस को गंभीरता से नहीं लेंगे वह स्वयं भुगतेंगे। इस अवसर पर सीडीओ नूपुर गोयल, एसडीएम सदर दीक्षा जोशी, डीएफओ वंदना फोगाट, सीएमओ डॉ. अशोक कटारिया, अपर जिलाधिकारी प्रशासन सत्य प्रकाश सिंह, नगर मजिस्ट्रेट नवीन कुमार श्रीवास्तव, जिला सूचना अधिकारी सुमित कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

10 करोड़ के जीएसटी चोरी की आरोपी जेल में ही रहेगी चीनी महिला

मेरठ, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। कोर्ट ने एलिस ली की न्यायिक हिरासत 12 सितंबर तक बढ़ा दी है। पूरे मामले में सुनवाई की अगली तारीख अब 12 सितंबर लगी है। तब तक एलिस को जेल में रहना पड़ेगा। स्पेशल सीजेएम ने लगभग 10 करोड़ के जीएसटी फ्रॉड में एलिस ली को 12 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में रखने का फैसला सुनाया है। 10 करोड़ के जीएसटी फ्रॉड मामले में सोमवार को स्पेशल सीजेएम के यहां सुनवाई हुई। इसमें मेरठ जेल में बंद चीनी महिला एलिस ली को कोर्ट में पेश नहीं किया गया है। सिक्यूरिटी रीजन से एलिस ली को जेल से ऑनलाइन जोड़ा गया। एलिस ली के वकील भी कोर्ट पहुंचे। उन्होंने पहले अपना पक्ष रखा। वहीं अभियोजन की और से एडवोकेट लक्ष्य सिंह और सीजीएसटी विभाग नोएडा से अफसर यहां कोर्ट में पहुंचे थे।

आकाशीय बिजली गिरने ने 32 बकरियों व एक युवक की मौत

फर्रूखाबाद, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। तेज गरज चमक के साथ बादलों की गड़गड़ाहट में हुई तेज बारिश के बाद अलग-अलग जगहों पर बिजली गिरने से एक युवक की हुई मौत हो गई तो वही बत्तीस बकरी भी आकाशीय बिजली की चपेट में आकर उनक दर्दनाक मृत्य हो गई। गौरतलब है कि रविवार को तेज बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरने से एक युवक, 32 बकरियों व 4 भैंस व भैंस के बच्चे की मौत हो गई। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में आकाशीय बिजली गिरने से हुए हादसे सामने आये है। कोतवाली मोहम्मदाबाद क्षेत्र के ग्राम नगला समई में 22 वर्षीय युवक की आकाशीय बिजली गिरने से दर्दनाक मौत हो गई। थाना मेरापुर क्षेत्र के कुरार गांव में आकाशी बिजली गिरने से 32 बकरियां की भी दर्दनाक मृत्य हो गई। कोतवाली कायमगंज,क्षेत्र में 3 मवेशियों की एक मबेसी के बच्चे आकाशीय बिजली गिरने से मृत्य हो गयी।

सेवानिवृत डाक लिपिक के पुत्र नें फांसी लगा की खुदकुशी

फर्रूखाबाद, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। सेवानिवृत डाक लिपिक के नशेडी पुत्र नें फांसी लगाकर आत्महत्या कर कर ली। परिजनों नें कमरे का दरवाजा तोड़कर उसके शव को बाहर निकाला। पुलिस नें शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला खतराना निवासी अशोक गुलाटी आरएमएस के सेवानिवृत लिपिक है। उसके 30 वर्षीय पुत्र तरुण का विगत 7 साल पूर्व विवाह हुआ था। गत लगभग 6 माह पूर्व उसका तलाक हो गया। जिससे तरुण शराब पीने का आदी हो गया था। गत रात उसने कमरे में गमछे से फांसी लगाकरआत्महत्या कर ली। सुबह लगभग 10:30 बजे जब उसने दरवाजा नही खोला तो परिजनों ने दरवाजा तोड़ दिया। जब दरवाजा तोड़ा तो वरुण फांसी के फंदे पर लटक रहा था।

फिल्म निर्माण कार्यशाला का आयोजन छात्रों ने सीखे सिनेमा के गुर

मेरठ, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में 'फिल्म निर्माण की मूल बातें' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में फिल्म उद्योग के प्रतिष्ठित निर्देशक और लेखक अखिलेश वर्मा ने मुख्य प्रशिक्षक की भूमिका निभाई। इस कार्यशाला का शुभारंभ परंपरागत रूप से मुख्य अतिथि अखिलेश वर्मा, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफे.(डॉ.) रितेश चौधरी, डॉ. प्रीति सिंह, राम प्रकाश तिवारी एवं तरूण जैन के द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इसके बाद, विभागाध्यक्ष प्रोफे.(डॉ.) रितेश चौधरी, डॉ. प्रीति सिंह और अन्य संकाय सदस्यों ने मुख्य वक्ता अखिलेश वर्मा को पादप देकर सम्मानित किया। संयोजन डॉ. प्रीति सिंह के द्वारा किया गया तथा उद्घाटन सत्र का संचालन बीएजेएमसी की तृतीय वर्ष की छात्रा मनीषा कुमारी के द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों ने पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों के साथ प्रतिभाग किया।

थाना मवाना पुलिस ने चार वारंटियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा

मवाना, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। एसएसपी मेरठ के निर्देशों पर वारंटियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मवाना पुलिस ने थाना प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में सोमवार को चार वांरटी अमन सिंह पुत्र शिवकुमार निवासी मौहल्ला काबली गेट सम्बन्धित 163/17 धारा 323,506 आईपीसी तारीखी पेशी 10 अक्टूबर 2025, कल्लू उर्फ विजय पुत्र सतीश निवासी मौहल्ला काबली गेट सम्बन्धित 163/17 धारा 323/506 आईपीसी तारीखी पेशी 10 अक्टूबर 2025,सतीश पुत्र बाबुराम निवासी मौहल्ला हीरालाल सम्बन्धित अभियोग संख्या 290/23 धारा 498ए,323,504,506 आईपीसी सम्बन्धित न्यायायलय जेएम मवाना दिनांक 08 सितंबर,बोबी उर्फ अकरम पुत्र मंगते निवासी बिसौली थाना इचैली सम्बन्धित अभियोग नंबर 79,20 धारा 138 एनआई एक्ट दिनांक 28 सितंबर सम्बन्धित न्यायायलय जेएम मवाना को उनके घरों से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने पकड़े गए वारंटियों को संबंधित न्यायालय में पेश किया। गिरफ्तार करने वाली टीम में उप निरीक्षक रजनेश कुमार,उप निरीक्षक संजय कुमार,उप निरीक्षक सौरभ रावत मौजूद रहे।

परिषदीय स्कूलों के विलय मामले में अगली सुनवाई 22 को

लखनऊ, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने उत्तर प्रदेश के परिषदीय स्कूलों के विलय मामले में अगली सुनवाई की तारीख 22 सितंबर को नियत की है। न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ल की खंडपीठ ने सोमवार को यह आदेश मामले में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध विशेष अपीलों पर दिया हैं। बीती 24 जुलाई को उच्च न्यायालय ने विलय प्रक्रिया में उजागर हुई स्पष्ट अनियमितताओं के मद्देनजर सीतापुर के स्कूलों के विलय पर यथास्थिति बरकरार रखने का आदेश दिया था। कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि यह अंतरिम आदेश देते समय अदालत ने स्कूलों के विलय या मर्जर की सरकार की नीति और इस पर अमल करने की मेरिट पर कुछ नहीं किया है। राज्य सरकार के मुख्य स्थाई अधिवक्ता शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि कोर्ट ने अपीलों को अगली सुनवाई के लिए 22 सितंबर को सूचीबद्ध करने का आदेश दिया है। बीती 24 जुलाई को कोर्ट ने मामले में अंतरिम आदेश देकर अगली सुनवाई 21 अगस्त को नियत की थी। अदालत के सामने सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से पेश किए गए विलय के कुछ दस्तावेजों में साफ अनियमितताएं सामने आई थीं। राज्य सरकार की ओर से इनका स्पष्टीकरण देने का समय मांगा गया था। जिनके मद्देनजर कोर्ट ने सीतापुर जिले में स्कूलों की विलय/ पेयरिंग प्रक्रिया पर 21 अगस्त तक मौजूदा स्थिति बरकरार रखने का आदेश दिया था। इसके बाद अदालत ने बीते 21 अगस्त को सीतापुर में स्कूलों के विलय पर यथास्थिति बरकरार रखने का अंतरिम आदेश 1 सितंबर तक बढ़ा दिया था।

एलडीए की अनंत नगर योजना के 332 भूखण्डों की लॉटरी आठ सितम्बर को

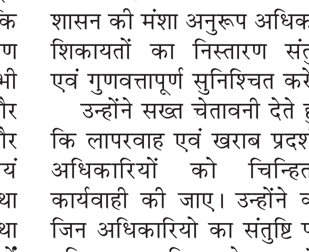

मोहान रोड पर 785 एकड़ क्षेत्रफल में विकसित की जा रही अनंत नगर योजना में लगभग डेढ़ लाख लोगों के आशियाने का सपना साकार होगा : प्रथमेश कुमार

लखनऊ, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की अनंत नगर (मोहान रोड) आवासीय योजना के भूखण्डों की दूसरी लॉटरी आठ सितम्बर से इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में होगी। द्वितीय चरण में खोले गये आदर्श खण्ड के 332 भूखण्डों के लिए कुल 8568 लोगों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया है। एलडीए द्वारा पारदर्शी प्रक्रिया के तहत आवेदकों की उपस्थिति में लॉटरी करायी जाएगी, जिसका यू-ट्यूब चैनल पर लाइव प्रसारण होगा। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि मोहान रोड पर 785 एकड़ क्षेत्रफल में विकसित की जा रही अनंत नगर योजना में लगभग डेढ़ लाख लोगों के आशियाने का सपना साकार होगा। इसमें लगभग 2100 आवासीय भूखण्ड व 120 व्यावसायिक भूखण्ड सृजित किये जाएंगे। जिससे लोगों को बेहतर आवासीय सुविधा के साथ व्यावसायिक सेवाओं का लाभ योजना में ही मिलेगा। इसके अलावा ग्रुप हाउसिंग के 60 भूखण्डों में 10000 से अधिक फ्लैट्स निर्मित किये जाएंगे। ईडब्ल्यूएस व एलआईजी श्रेणी के 5 हजार भवनों में 25 हजार से अधिक लोगों को आवासीय सुविधा प्राप्त हो सकेगी। योजना में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत भी भवनों का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि योजना का विकास अंतरराष्ट्रीय मानकों के अंतर्गत ग्रिड पैटर्न पर किया जा रहा है। जिसमें चौड़ी सड़कों के साथ निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए भूमिगत केबल बिछायी जाएंगी। योजना में एडुटेक सिटी विकसित की जाएगी, जहां छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं फैकल्टी के सदस्यों के लिए हॉस्टल व आवासीय भवन बनाए जाएंगे।

रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा तो रोने लगा एसीएम का चपरासी

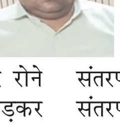

मेरठ, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। सोमवार को एसीएम-4 का चपरासी 5 हजार रुपए की घूस लेते पकड़ लिया गया। प्लान बनाकर एंटी करप्शन टीम ने ऑफिस पर छापा मारकर उसे अरेस्ट कर लिया। इसके बाद वो अपने हाथों से मुंह छिपाकर रोने लगा। इसके बाद टीम उसे पकड़कर ले जाने लगी, तो दहाड़े मारकर चिल्लाने लगा।

दरअसल, संतरपाल नाम के युवक का जनवरी, 2021 से ैक्ड कोर्ट में पारिवारिक जमीन का विवाद चल रहा है। अगस्त 2021 में मुकदमे को एसीएम-4 कोर्ट में ट्रांसफर कर दिया गया। चपरासी रणवीर इसी वाद की फाइल को तहसील भेजने के लिए पैसे मांग रहा था। शुक्रवार को रणवीर ने रात पौने 9 बजे मोबाइल फोन पर बात करते हुए संतरपाल से फिर से पैसे मांगे। इस पर संतरपाल ने इसकी शिकायत एंटी करप्शन की टीम से कर दी। फिर टीम ने रणवीर को छापा मारकर पकड़ लिया। इसके बाद टीम रणवीर को लेकर सिविल लाइन थाने पहुंची। यहां उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया।

सूचना

मेरा पुत्र आदित्य शुक्ला मेरे व मेरी पत्नि के कहने में नहीं है गलत संगत में पड़ जाने के कारण, आए दिन बेवजह बदतमीजी व लड़ाई झगड़ा करता है और समझाने पर मानता नहीं है। इसलिए मैंने व मेरी पत्नि श्रीमति सुधा शुक्ला ने अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से अपने छोटे पुत्र आदित्य शुक्ला को बेदखल कर उससे सम्बन्ध विच्छेद कर दिया है। उसके द्वारा किए गए किसी भी लेन-देन व कार्य से मेरा व मेरी पत्नि का कोई सम्बन्ध वास्ता नहीं होगा।

-राजकुमार शुक्ला पुत्र श्री जर्नादन प्रसाद शुक्ला निवासी 355, मुल्तान नगर, मन्दिर वाली गली, किशनपुरा, बागपत रोड, थाना टी0पी0 नगर, मेरठ।

दुनिया रंग-बिरंगी

देशबन्धु नई दिल्ली, मंगलवार, 2 सितम्बर, 2025, डाक पंजीयन संख्या :- DL (ND)-11/6176/2015-16-17

'दिल का जो हाल है' बना सोशल मीडिया का नया फीवर

मुंबई। बॉलीवुड में समय-समय पर कुछ ऐसे गाने सामने आते हैं, जो भले ही अपने रिलीज के वक्त उतनी बड़ी पहचान न बना पाएं, लेकिन समय के साथ वे लोगों के दिलों में एक खास जगह बना लेते हैं। सोशल मीडिया के इस दौर में जब पुराने गाने नए अंदाज में फिर से छा जाते हैं, तो कलाकारों के लिए यह किसी तोहफे से कम नहीं होता। ऐसा ही कुछ हुआ मशहूर सिंगर अभिजीत भट्टाचार्य के साथ, जिनकी आवाज में फिल्म 'बेशर्म' का गाना 'दिल का जो हाल है' इन दिनों सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। लोग इस गाने पर बड़ी संख्या में रील्स बना रहे हैं, ये गाना अब ट्रेंड कर रहा है, जिसके चलते अभिजीत भट्टाचार्य ने अपने फैंस को इस प्यार के लिए धन्यवाद दिया है।

कृति सैनन बनीं यूएनएफपीए की मानद राजदूत

मुंबई, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) इंडिया ने बॉलीवुड अभिनेत्री, निर्माता और उद्यमी कृति सनोन को लैंगिक समानता के लिए अपना मानद राजदूत नियुक्त किया है। कृति सनोन अपनी नई भूमिका में, महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों और कल्याण की वकालत करेंगी और सशक्तिकरण, शिक्षा, लैंगिक हिंसा को समाप्त करने और सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपना समर्थन प्रदान करेंगी।

कृति सनोन ने अपनी नई भूमिका के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि लैंगिक समानता के लिए यूएनएफपीए इंडिया की मानद राजदूत के रूप में शामिल होकर मुझे बेहद सम्मानित महसूस हो रहा है। यह भूमिका महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों और विकल्पों की वकालत करने के लिए एक अद्भुत मंच प्रदान करती है, यह सुनिश्चित करते हुए कि उन्हें अपने निर्णय लेने, अपने सपनों को साकार करने और हिंसा एवं भेदभाव से मुक्त जीवन जीने की स्वतंत्रता मिले। मैं हर महिला और लड़की को सशक्त बनाने, उनकी आवाज़ को बुलंद करने, उनकी कहानियां सुनाने और एक अधिक समान एवं न्यायपूर्ण समाज के लिए सामूहिक कार्रवाई को प्रेरित करने के लिए बेहद उत्साहित हूं। मैं उनके जीवन में बदलाव लाने के लिए यूएनएफपीए इंडिया के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं।

यूएनएफपीए भारत की प्रतिनिधि एंड्रिया एम. वोजनार ने कहा कि हमें कृति सनोन का लैंगिक समानता के लिए मानद राजदूत के रूप में स्वागत करते हुए बेहद खुशी हो रही है। उनकी सशक्त आवाज़, जुनून और व्यापक प्रभाव हमारे संदेश को व्यापक बनाने और व्यापक दर्शकों, खासकर

सर्दी-जुकाम से लेकर पेट दर्द में राहत दिलाएगी अदरक

नई दिल्ली, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। मानसून में बरसात की बूंदे और ठंडी हवा कई तरह की बीमारियों को साथ ले आती हैं। ऐसे मौसम में जरा सी लापरवाही सर्दी, खांसी, बुखार और पेट की गड़बड़ी जैसी परेशानियों को बढ़ा सकती है। इन परेशानियों से राहत दिलाने में सबसे कारगर चीज 'अदरक' है। अदरक सिर्फ चाय या खाने का स्वाद नहीं बढ़ाता, बल्कि ये एक प्राकृतिक दवा की तरह काम करता है। अमेरिकन नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के मुताबिक, अदरक एक ऐसा पौधा है, जिसे सदियों से आयुर्वेद, यूनानी और चीनी चिकित्सा पद्धति में इस्तेमाल किया जाता रहा है।

बारिश में भीग जाने या ठंडी हवा लगने से गला बैठ जाता है और नाक बंद हो जाती है। ऐसे में अदरक गरमाहट देने का काम करती है, जो शरीर को अंदर से गर्म करती है। इसमें जिंजरॉल नामक तत्व गले की सूजन को कम करता है और खांसी-जुकाम से राहत दिलाता है। अगर अदरक वाली चाय पी जाए या अदरक को शहद के साथ लिया जाए, तो बंद गले से आराम मिलता है।

बरसात में अक्सर खाना जल्दी नहीं पचता। पेट फूलता है, गैस बनती है, या फिर उल्टी जैसा मन करता है। इसका कारण है कि इस मौसम में हमारी पाचन शक्ति थोड़ी कमजोर हो जाती है। अदरक पाचन क्रिया

को सक्रिय करता है, जिससे खाना आसानी से पचता है। अगर खाना खाने से पहले थोड़ा सा अदरक और सेंधा नमक चाट लिया जाए, तो भूख भी खुलती है और पेट भी हल्का रहता है। गर्भवती महिलाओं को सुबह के समय मतली की शिकायत आम होती है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि अदरक का सेवन इस समस्या को काफी हद तक कम कर सकता है। एक गिलास गुनगुने पानी में अदरक का रस डालकर पीने से उल्टी और चक्कर जैसी समस्या में फायदा मिलता है। बरसात के मौसम में जोड़ों का दर्द भी बढ़ जाता है, खासकर बुजुर्गों में। ठंडा और नम मौसम शरीर की पुरानी बीमारियों को उभार देता है। अदरक में सूजन कम करने वाले गुण होते हैं, जो घुटनों, पीठ या कमर के दर्द को कम कर सकते हैं। अगर अदरक का तेल लगाकर मालिश की जाए या अदरक वाली चाय पी जाए, तो धीरे-धीरे दर्द में राहत महसूस होती है।

- **अदरक को शहद के साथ लेने में बंद गले से आराम**
- **गर्भवती महिलाओं को सुबह के समय मतली की शिकायत में राहत**

इस मौसम में अक्सर रोग-प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। ऐसे में शरीर को अंदर से मजबूत करना बहुत जरूरी है। अदरक एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है, जो शरीर से गंदगी यानी टॉक्सिन्स को बाहर निकालता है और इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है। इससे वायरल बुखार, इन्फेक्शन, और गले में खराश जैसी परेशानियों से बचाव होता है। कुछ रिसर्च में पाया गया है कि अदरक ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में भी मदद करता है। जो लोग डायबिटीज से परेशान हैं, उनके लिए अदरक किसी औषधि से कम नहीं है। लेकिन, ऐसे लोग अदरक का सेवन करने से पहले डॉक्टर से जरूर सलाह लें। कोलेस्ट्रॉल और मोटापा जैसी समस्याओं में भी अदरक फायदेमंद हो सकता है। यह शरीर के मेटाबॉलिज्म को तेज करता है, जिससे फैट तेजी से घटता है और वजन कम होने में मदद मिलती है। अदरक को इस्तेमाल करने के कई तरीके हैं। आप इसे चाय में डाल सकते हैं, काढ़ा बनाकर पी सकते हैं, सब्जी में स्वाद के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं, या फिर पानी में उबालकर उसका रस ले सकते हैं।

'उफ्फ ये सियापा' ने पूरा किया ए आर रहमान का 'सपना'

मुंबई, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। गायक-संगीतकार ए आर रहमान के लिए 'उफ्फ ये सियापा' किसी सपने के सच होने जैसा है। क्यों? उन्होंने इसकी वजह भी बताई। दरअसल, यह एक म्यूजिकल फिल्म है जिसके एक्टर्स खामोश रहते हैं। ए आर रहमान ने हाल ही में अपने काम और फिल्म को बनाने से जुड़े अपने अनुभव को साझा किया।

रहमान ने कहा कि यह फिल्म मेरे पास लव रंजन साहब के जरिए आई। इसके बाद डायरेक्टर अशोक ने मुझे कहानी सुनाई। उन्हें इस पर बहुत विश्वास था, कहानी सुनते वक्त मुझे ये दिखाई दिया। इसके बाद मैंने इसके म्यूजिक के लिए कुछ रिकॉर्डेड आईडिया दिए। फिर फिल्म बनने के बाद मैंने इनके गाने के लिए म्यूजिक कंपोज किया। यह फिल्म दूसरी फिल्मों से अलग है, इसमें कोई डायलॉग नहीं है। इसे बनाने

में किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा, इसका जवाब देते हुए ए आर रहमान ने कहा कि एक ऐसी फिल्म को करना जिसमें कोई डायलॉग ना हो और सिर्फ संगीत हो, यह हर संगीतकार का सपना होता है। तो मैंने इसके लिए तुरंत हां कर दिया। चलिए इसे करते हैं।

अपने बिजी शेड्यूल पर बात करते हुए संगीतकार ने कहा कि दिन-रात काम करते रहना काफी थकाऊ होता है। किसी डायरेक्टर को कई ट्यून एक साथ भेजता हूं, जिनमें से कुछ सेलेक्ट हो जाती हैं, कुछ नहीं। ऐसा बहुत कम होता है कि एक ही बार में कोई ट्यून चुन ली जाए। 'उफ्फ ये सियापा' को लेकर उन्होंने कहा कि इसके म्यूजिक के लिए जब पूछा गया तो फिल्म का या थीम का कोई ब्रीफ नहीं दिया गया था। मतलब कुछ भी फिल्म के बारे में हिंट नहीं दिया गया था। मशहूर म्यूजिक डायरेक्टर ए आर रहमान ने कहा कि इस फिल्म के म्यूजिक के लिए उन्होंने काफी प्रयोग किए हैं। उन्होंने बताया कि इस फिल्म का संगीत बाकी फिल्मों से हटकर होगा।

नींद व रक्त चाप की समस्याओं में कारगर है भ्रामरी प्राणायाम

नई दिल्ली, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। आज की तेज रफ्तार और तनावपूर्ण जीवनशैली में हर व्यक्ति किसी न किसी मानसिक दबाव से जूझ रहा है। ऐसे में योग और प्राणायाम ही एक आसान जरिया है, जो बिना किसी दवा के, शरीर और मन को शांति देते हैं, खासकर भ्रामरी प्राणायाम, जिसे कहीं भी बैठकर किया जा सकता है। आयुष मंत्रालय ने भ्रामरी प्राणायाम के अभ्यास को तस्वीरों के जरिए समझाया और साथ ही इसके लाभ भी बताए।

भ्रामरी प्राणायाम एक शांत करने वाली श्वास प्रक्रिया है, जो तनाव को कम करती है। यह प्राणायाम न केवल दिमाग को राहत देता है, बल्कि ध्यान, एकाग्रता, नींद और ब्लड प्रेशर जैसी समस्याओं में भी बेहद फायदेमंद होता है।

भ्रामरी प्राणायाम को करते समय आंखें बंद कर लें और गहरी सांस लें। फिर धीरे-धीरे सांस छोड़ते समय गले से मधुमक्खी की तरह एक कंपनयुक्त ध्वनि निकालें। यह ध्वनि भीतर तक जाकर मस्तिष्क को शांति का अनुभव कराती है। भ्रामरी प्राणायाम गुस्सा और चिड़चिड़ापन कम करती है। कई बार जब मन असंतुलित होता है, तो छोटी-छोटी बातें भी गुस्सा दिला देती हैं। भ्रामरी प्राणायाम के दौरान जो गुंजन की ध्वनि होती है, वह मस्तिष्क में ऐसे कंपन उत्पन्न करती है, जो मन को शांत करती है। रोज इसका अभ्यास करने से व्यक्ति का स्वभाव धीरे-धीरे शांत होता जाता है। इसके अलावा, यह प्राणायाम ध्यान और एकाग्रता बढ़ाने में मदद करता है। बच्चे हों या युवा, हर किसी का मस्तिष्क मोबाइल, टीवी और अन्य चीजों के कारण हर समय उलझा रहता है। भ्रामरी प्राणायाम मस्तिष्क के दोनों हिस्सों को सक्रिय करता है और उन्हें बेहतर ढंग से काम करने में मदद करता है। इससे याददाश्त तेज होती है और पढ़ाई या काम में ध्यान लगाना आसान होता है।

भ्रामरी प्राणायाम उन लोगों के लिए भी बहुत फायदेमंद है, जो नींद न आने की परेशानी से जूझते हैं। अनिद्रा आजकल बहुत आम हो गई है। इसका कारण तनाव, स्क्रीन टाइम और असंतुलित जीवनशैली है।

टाइम सिर्फ तस्वीर में रुकता है, जिंदगी में नहीं : अनुपम खेर

मुंबई, 1 सितम्बर (एजेंसियासं)। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर आगामी फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' में महात्मा गांधी के किरदार में नजर आने वाले हैं। वह अक्सर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए जीवन का फलसफा शेयर करते रहते हैं। 70 वर्षीय अभिनेता ने ऐसी ही एक और फोटो शेयर कर अपने फैंस को जीवन का मूल मंत्र दिया है। अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर कर जो कैप्शन लिखा, उसमें उन्होंने समय की अहमियत बताते हुए एक सीख दी। उन्होंने जो मैसेज दिया, वह दिल को छू जाता है और सोचने पर मजबूर कर देता है।

अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर एक ब्लैक एंड व्हाइट फोटो पोस्ट की, जो शांति और ठहराव का अहसास कराती है। तस्वीर में वह एक बड़ी सी घड़ी के पास खड़े दिखाई दे रहे हैं। अभिनेता बेहद क्लासिक और शालीन अंदाज में एक ब्लैक आउटफिट में दिखाई दे रहे हैं। उनका आत्मविश्वास उनके चेहरे से झलक रहा है। अनुपम खेर ने फोटो पर कैप्शन लिखा कि टाइम सिर्फ घड़ी के साथ ली गई तस्वीर में रुकता है! जिंदगी में नहीं! सो चलते रहो और कुछ करते

रहो। उन्होंने कैप्शन का जरिए जीवन की सबसे बड़ी सीख दी, जो किसी भी व्यक्ति को कामयाबी पाने में मददगार साबित हो सकती है। एक्टर अनुपम खेर ने बहुत ही सादगी से समझाया कि जीवन रुकता नहीं है। भले ही हम थक जाएं, हम रुकना चाहें, लेकिन समय कभी नहीं रुकता। इसलिए हमें भी चलते रहना चाहिए, कुछ करते रहना चाहिए, क्योंकि ठहराव सिर्फ तस्वीरों में ही होता है, जिंदगी में नहीं। अनुपम खेर की इस पोस्ट पर फैंस ने भी दिल खोलकर प्रतिक्रियाएं दी। कुछ लोगों ने लिखा कि आपकी हर बात प्रेरणा देती है।

दिल की बीमारी से भी बचा सकती हैं वजन घटाने वाली दवाएं

नई दिल्ली, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। आज के समय में मोटापा एक बड़ी समस्या बन चुका है। लोग घंटों जिम में पसीना बहाते हैं, डाइटिंग करते हैं, लेकिन फिर भी वजन कम कर पाना हर किसी के लिए आसान नहीं होता। ऐसे में कुछ दवाएं हैं, जैसे ओजेम्पिक, जिसकी चर्चा इन दिनों बहुत हो रही है। ये दवा पहले सिर्फ मोटापा घटाने के लिए जानी जाती थीं, लेकिन अब इससे जुड़ी एक चौंकाने वाली रिसर्च सामने आई है। एक नई अमेरिकी रिसर्च में यह पता चला है कि ये दवाएं दिल की बीमारी से भी बचाने में मददगार हो सकती हैं।

दरअसल, अमेरिका के बोस्टन शहर में मौजूद एक नामी मेडिकल ग्रुप 'मास जनरल ब्रिघम' के डॉक्टरों ने यह रिसर्च की।

बता दें कि यह एक गैर-लाभकारी संगठन है जो स्वास्थ्य और चिकित्सा से जुड़े गंभीर मामलों पर रिसर्च करता है। रिसर्च को स्पेन के मैड्रिड में हुए दुनिया के सबसे बड़े दिल के रोगों से जुड़े सम्मेलन में पेश किया गया। इसके नतीजों ने पूरी मेडिकल दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा।

अध्ययन में बताया गया है कि जो लोग पहले से दिल की बीमारी से जूझ रहे हैं, उनके लिए ये वजन घटाने वाली दवाएं जीवन रक्षक का काम कर सकती हैं। इन दवाओं की वजह से हार्ट के मरीजों को अस्पताल में भर्ती होने की नौबत कम आती है और उनकी समय से पहले मृत्यु का खतरा भी घट जाता है। रिसर्च में खास तौर पर दो दवाओं, सेमाग्लूटाइड और टिर्जेपेटाइड, पर

- **90,000 से ज्यादा मरीजों पर अध्ययन**
- **फिल्मी सितारों ने उपयोग कर किया वजन कम**

ध्यान दिया गया। यूसी डेविस मेडिकल सेंटर के मुताबिक, ओजेम्पिक को सामान्य रूप से सेमाग्लूटाइड के नाम से जाना जाता है। इसे अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने साल 2017 में टाइप 2 डायबिटीज वाले मरीजों के इलाज के लिए मंजूरी दी थी। यह एक इंजेक्शन है, इसे हफ्ते में एक बार लिया जाता है। यह पैंक्रियाज को अधिक इंसुलिन बनाने में मदद करके ब्लड शुगर को कम करने में मदद करता है।

शोधकर्ताओं ने इस रिसर्च को 90,000 से ज्यादा ऐसे मरीजों पर किया, जो हार्ट फेलियर के साथ-साथ मोटापे और टाइप-2 डायबिटीज से भी पीड़ित थे। जब आंकड़ों का विश्लेषण किया गया, तो पता चला कि सेमाग्लूटाइड लेने वाले मरीजों की जल्दी मौत या अस्पताल में भर्ती होने की संभावना 42 प्रतिशत तक कम हो गई।

शिल्पा शेट्टी ने बताए स्टेप एरोबिक्स के सबसे आसान तरीके

मुंबई, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी अपनी फिटनेस और हेल्दी लाइफस्टाइल को लेकर हमेशा चर्चा में रहती हैं। फिल्मों से लेकर सोशल मीडिया तक, उन्होंने बार-बार यह साबित किया है कि उम्र चाहे जो भी हो, अगर इच्छाशक्ति मजबूत हो, तो शरीर को फिट और सक्रिय रखा जा सकता है। सोमवार को उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह कसरत करती नजर आ रही हैं। इस वीडियो के साथ उन्होंने एक दिलचस्प कैप्शन लिखा है, 'कूदो, झुको, लेकिन कभी रुको मत।

शिल्पा शेट्टी वीडियो में एरोबिक्स स्टेप वर्कआउट करती दिख रही हैं। यह न सिर्फ मजेदार है बल्कि शरीर और दिमाग दोनों के लिए फायदेमंद भी है। खास बात यह है कि इसे कहीं भी, कभी भी किया जा सकता है। इस वर्कआउट से क्या-क्या फायदे मिलते हैं? शिल्पा ने खुद अपनी पोस्ट में इन फायदों को साफ-साफ बताया है।

सबसे पहला फायदा यह है कि स्टेप एक्सरसाइज दिल के लिए बहुत फायदेमंद है। जब आप लगातार कुछ समय तक इस तरह की मूवमेंट करते हैं, तो आपके दिल की धड़कन थोड़ी तेज होती है, जिससे उसका व्यायाम होता है। इससे न सिर्फ दिल मजबूत होता है, बल्कि आपका स्टैमिना भी बढ़ता है। दूसरा फायदा है कैलोरी बर्न करना। इस तरह की एक्सरसाइज में शरीर के कई हिस्से एक साथ काम करते हैं और तेज गति से मूवमेंट होता है। ऐसे में शरीर अधिक ऊर्जा खर्च करता है, जिससे ज्यादा कैलोरी बर्न होती है और वजन कम होता है।

तीसरा फायदा यह है कि यह दिमाग को भी सक्रिय रखता है। जब आप वर्कआउट में मूवमेंट और तालमेल पर ध्यान देते हैं, तो आपका दिमाग भी एक्टिव रहता है। ऐसे में आपकी फोकस करने की ताकत बढ़ती है, और आप बाकी कामों में भी ज्यादा ध्यान दे पाते हैं। शिल्पा का कहना है कि इस एक्सरसाइज में फोकस और कोऑर्डिनेशन की जरूरत होती है।

आईआईटी गुवाहाटी ने बनाया सस्ता नैनो सेंसर

कैंसर कारक तत्वों का तुरंत लगाएगा पता

नई दिल्ली, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गुवाहाटी के वैज्ञानिकों ने एक नया सेंसर बनाया है जो पानी में मौजूद पारे और एंटीबायोटिक दवाओं के प्रदूषण का पता लगा सकता है। ये दोनों ही पदार्थ इंसानों के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं। आज के समय में तेज शहरीकरण, कारखानों का कचरा और दवाओं का अत्यधिक इस्तेमाल पानी को लगातार प्रदूषित कर रहा है। इससे न केवल पर्यावरण प्रभावित हो रहा है बल्कि मानव स्वास्थ्य भी बड़े खतरे में है।

यह नया सेंसर बहुत छोटे-छोटे कणों (नैनो मटेरियल) से बनाया गया है। इसमें कार्बन डॉट्स का इस्तेमाल हुआ है, जो अल्ट्रावॉयलेट (यूवी) रोशनी में चमकते हैं। लेकिन जैसे ही पानी में पारा या टेट्रासाइक्लिन (एक एंटीबायोटिक) मौजूद होता है, इनकी चमक कम हो जाती है। इससे तुरंत पता चल जाता है कि पानी दूषित है या नहीं।

- **नदी के पानी पर बल्कि दूध, मूत्र व खून जैसे जैविक नमूनों पर भी आजमाया**
- **सेंसर पानी में घुले पारे की बहुत कम मात्रा व टेट्रासाइक्लिन का लग सकता है पता**

आईआईटी गुवाहाटी के रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर लाल मोहन कुंडू ने कहा कि पारा और एंटीबायोटिक्स जैसे प्रदूषकों का पता लगाना न केवल पानी में, बल्कि जैविक तरल पदार्थों में भी महत्वपूर्ण है। पारे की वजह से कैंसर का जोखिम बहुत ज्यादा बढ़ जाता है। अत्यधिक एंटीबायोटिक्स स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव भी डालते हैं। यह सेंसर पानी में घुले पारे की बहुत कम मात्रा और टेट्रासाइक्लिन का भी पता लगा सकता है।

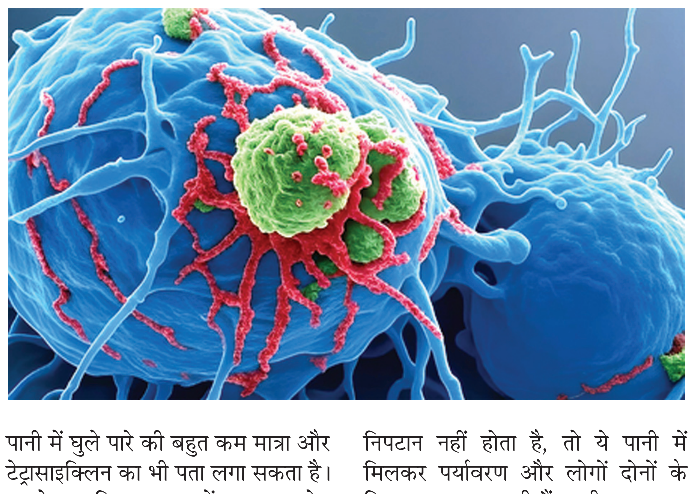

टेट्रासाइक्लिन दवाओं का उपयोग निमोनिया और फेफड़ों के संक्रमण में किया जाता है, लेकिन अगर इनका सही निपटान नहीं होता है, तो ये पानी में मिलकर पर्यावरण और लोगों दोनों के लिए खतरा बन जाती हैं। इसी तरह, पारा शरीर में पहुंचने पर कैंसर, नसों की बीमारियां और हृदय रोग पैदा कर सकता है।

इस प्रोजेक्ट में दूध प्रोटीन और थाइमिन (डीएनए का एक हिस्सा) से कार्बन डॉट्स बनाए गए हैं। ये बहुत सस्ते और सुरक्षित माने जाते हैं। सेंसर इतना संवेदनशील है कि यह केवल 10 सेकंड में परिणाम दे देता है और बहुत कम स्तर पर भी प्रदूषण का पता लगा सकता है।

शोधकर्ताओं ने इसे न सिर्फ नल और नदी के पानी पर बल्कि दूध, मूत्र और खून जैसे जैविक नमूनों पर भी आजमाया। नतीजे काफी सटीक रहे। खास बात यह है कि टीम ने इस सेंसर को कागज की पट्टियों पर भी चढ़ाया है। अब बस एक छोटी यूवी लाइट की मदद से कोई भी आसानी से पता कर सकता है कि पानी दूषित है या नहीं।

वैज्ञानिकों का कहना है कि यह सेंसर पारंपरिक तरीकों की तुलना में बहुत सस्ता और सरल है। इसका जैविक खतरों से सुरक्षित होना इसे भविष्य में मेडिकल जांच और स्वास्थ्य सेवाओं में भी उपयोगी बना सकता है।

राजस्थान के क्लासरूम में मिल रही सोशल इमोशनल और इकोलॉजिकल नॉलेज की सफलता

राजस्थान 1 सितम्बर (एजेंसियां)। भरतपुर और डीग के स्कूल क्लासरूम में अपने शुभारंभ के बाद से, Rangeet का सोशल इमोशनल और इकोलॉजिकल नॉलेज (SEEK)© पाठ्यक्रम अब तक 30,000 से अधिक छात्रों को प्रभावित कर चुका है और 900 से अधिक शिक्षकों को प्रशिक्षित कर चुका है। यह पाठ्यक्रम बच्चों में भलाई, सामाजिक समानता, पारिस्थितिकीय स्थिरता और डिजिटल सिटिजनशिप के क्षेत्र में ज्ञान, आवाज़ और सक्रियता को बढ़ावा देता है, साथ ही शिक्षकों को नई पेडागॉजिकल जानकारी से सशक्त बनाता है।

राजस्थान सरकार ने ओमनीएक्टिव इम्प्रूविंग लाइव्स फाउंडेशन (OILF) और Rangeet के राज्यभर में अपने प्रभाव को बढ़ाने के संयुक्त प्रयासों का दो तरीकों से समर्थन किया है। राइजिंग राजस्थान पहल के तहत राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद (RCScE) ने Rangeet के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं, ताकि SEEK™ पाठ्यक्रम को भरतपुर, डीग और पाली जैसे जिलों के स्कूल क्लासरूम में लाया जा सके। साथ ही, समग्र शिक्षा अभियान भरतपुर ने आधिकारिक समर्थन पत्र जारी किया है, जिससे यह कार्यक्रम के कार्यान्वयन में समर्थक की भूमिका को मजबूत करता है। स्द्भ्र ने पाली में भी पत्र जारी किया, जिससे कार्यक्रम की शुरुआत उत्साह और ऊर्जा के साथ हुई और राज्य के मिशन में समर्थन को दर्शाया गया।

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर	
महिंद्रा एंड महिंद्रा	3.65 प्रतिशत
टाटा मोटर्स	3.17 प्रतिशत
ट्रेंट	2.71 प्रतिशत
इटरनल	2.23 प्रतिशत
एशियन पेंट्स	2.13 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर	
सनफार्मा	1.87 प्रतिशत
आईटीसी	0.99 प्रतिशत
हिंद युनिलीवर	0.44 प्रतिशत
टाइटन	0.28 प्रतिशत
रिलायंस	0.24 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,05,880
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	1,26,000
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	77.85	90.26
पौड स्टर्लिंग	105.22	122.04
यूरो	88.88	103.09
चीन युआन	8.4	13.63

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	3100-3200
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4280-4380
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7976.62
मसूर काली	8149.15
उड़द दाल	10458.20
मूंग दाल	10084.23
अरहर दाल	10781.09

अमेरिकी शुल्क की घोषणा से एमएसएमई पर बढ़ा खतरा

नई दिल्ली। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) पर 50 प्रतिशत अमेरिकी शुल्क की घोषणा से खतरा मंडराने लगा है। देश के कुल निर्यात में 45 प्रतिशत से अधिक योगदान करने वाले इस क्षेत्र के सामने बड़ी आफत आ खड़ी हुई है। एमएसएमई उद्योग संगठनों ने अमेरिकी कदम का बड़ा असर होने की चिंता जताई है और सरकार से तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। इंडिया एसएमई फोरम के अध्यक्ष ने कहा कि शुल्क बढ़ने से सालाना 30 अरब डॉलर से अधिक का कारोबार खटाई में पड़ने की आशंका है।

2026 में भारत की वृद्धि दर मजबूत बनी रहेगी : क्रिसिल

- वित्त वर्ष 2026 में निजी खपत जीडीपी वृद्धि का मुख्य चालक बनने की ओर अग्रसर
- बैंक ऋण व जमा दरों में कटौती का मिल रहा लाभ

नई दिल्ली, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक अर्थव्यवस्था की धीमी गति के कारण नकारात्मक जोखिमों के बावजूद, मजबूत घरेलू निजी खपत और सहायक सरकारी खर्च की उम्मीदों को देखते हुए भारत की वृद्धि दर मजबूत बनी रहेगी। यह जानकारी सोमवार को आई एक रिपोर्ट में दी गई। क्रिसिल के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 में निजी खपत जीडीपी वृद्धि का मुख्य चालक बनने की ओर अग्रसर है।

क्रिसिल का अनुमान है कि इस वित्त वर्ष में जीडीपी में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि होगी, जिसमें कुछ गिरावट के जोखिम भी हैं। रिपोर्ट का मानना है कि चार प्रमुख कारक भारत में निजी खपत को बढ़ावा देंगे। क्रिसिल की रिपोर्ट में कहा गया है कि एक अच्छा मानसून कृषि क्षेत्र और ग्रामीण आय को बढ़ावा देगा। 28 अगस्त तक मानसून की प्रगति अच्छी रही है, जो दीर्घावधि औसत का 106 प्रतिशत है। 22 अगस्त तक खरीफ की बुवाई पिछले वर्ष की तुलना में 3.4 प्रतिशत अधिक है।

अनुकूल मानसून के कारण कृषि उत्पादन में तेजी से वृद्धि से खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने में मदद मिलेगी, जिससे घरेलू बजट में विवेकाधीन खर्चों के लिए जगह बनेगी। इस वित्त वर्ष (अप्रैल-जुलाई औसत) में अब तक मुद्रास्फीति पिछले वित्त वर्ष के 4.6 प्रतिशत की तुलना में काफी कम होकर 2.4 प्रतिशत पर आ गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि आरबीआई द्वारा 2025 में अब तक रेपो दर में 100 आधार अंकों की कटौती और नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में सितंबर और दिसंबर के बीच चार चरणों में की जाने वाली कटौती से शहरी क्षेत्र में खपत को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

बैंक ऋण और जमा दरों में कटौती का लाभ मिल रहा है। आयकर में राहत के रूप में राजकोषीय नीति समर्थन और प्रमुख ग्रामीण योजनाओं पर अपेक्षित खर्च में वृद्धि से भी निजी खपत को बढ़ावा मिलेगा। सरकार ने नई कर व्यवस्था के तहत आयकर दरों में कमी की है, जिससे मध्यम वर्ग की प्रयोज्य आय में वृद्धि होगी। जीएसटी संरचना में प्रस्तावित बदलाव, जो कुछ उपभोक्ता क्षेत्रों में कर को कम कर सकता है, इस वित्त वर्ष में विकास को भी बढ़ावा दे सकता है, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि प्रस्तावित बदलाव कब लागू होते हैं।

जीएसटी में कटौती से मांग बढ़ने की उम्मीद : मॉर्गन

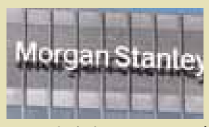

नई दिल्ली। मॉर्गन स्टेनली ने अप्रैल-जून तिमाही में भारत की मजबूत जीडीपी वृद्धि 7.8 प्रतिशत के मद्देनजर 2025-26 में देश की जीडीपी वृद्धि का अनुमान बढ़ा दिया है। साथ ही, उम्मीद है कि जीएसटी में आगामी कटौती से घरेलू मांग बढ़ेगी, जो अमेरिकी टैरिफ वृद्धि के कारण निर्यात में आई गिरावट की भरपाई कर देगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि हमें उम्मीद है कि जीएसटी कर में आगामी कटौती, आगामी त्योहारी सीजन और ग्रामीण मांग में मजबूत रुझान घरेलू मांग को बढ़ावा देंगे। इसलिए, हम उम्मीद करते हैं कि सार्वजनिक खर्च में कमी, बाहरी मांग में कमी (मुख्य रूप से वस्तुओं का निर्यात) और निजी क्षेत्र की मांग में तेजी के साथ विकास की संरचना में बदलाव आएगा। इसमें आगे कहा गया है कि हमारा अनुमान है कि बाहरी मांग से लगभग 50 आधार अंकों (बीपीएस) की वृद्धिशील गिरावट की भरपाई संभावित रूप से जीएसटी में कटौती से हो सकती है, जिससे विकास को लगभग 50 बीपीएस तक बढ़ावा मिल सकता है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि मजबूत मानसून और खरीफ की बुआई कृषि क्षेत्र में मजबूती का संकेत देती है और आगे चलकर कृषि क्षेत्र की तेज वृद्धि को बढ़ावा देने की संभावना है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए, मॉर्गन स्टेनली ने अपनी रियल जीडीपी वृद्धि दर को पहले अनुमानित 6.2 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.7 प्रतिशत कर दिया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर जनवरी-मार्च तिमाही के 7.4 प्रतिशत से बढ़कर 7.8 प्रतिशत हो गई। आंतरिक आंकड़ों से संकेत मिलता है कि सरकारी और निजी खपत दोनों में सालाना आधार पर क्रमशः 7.5 प्रतिशत और 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि सकल स्थिर पूंजी निर्माण पिछली तिमाही के स्तर की तुलना में स्वस्थ रहने के बावजूद 7.8 प्रतिशत पर आ गया है।

अगस्त में और तेज हुई विनिर्माण की रफ्तार

- नए ऑर्डरों में भी 57 महीने की सबसे तेज बढ़ोत्तरी दर्ज

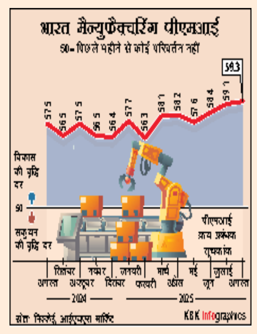

मुंबई, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। देश के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियों में तेजी अगस्त में भी बरकरार रही तथा सोमवार को जारी एचएसबीसी की रिपोर्ट के अनुसार इसकी रफ्तार और तेज हो गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि विनिर्माण क्षेत्र के खरीद प्रबंधकों के बीच सर्वेक्षण पर आधारित पीएमआई सूचकांक जुलाई के 59.1 से बढ़कर अगस्त में 59.3 पर पहुंच गया जो 17 साल से अधिक की सबसे तेज रफ्तार को दिखाता है। साथ ही उत्पादन की मात्रा में लगभग पांच साल की सबसे बड़ी तेजी देखी गई। नए ऑर्डरों में भी 57 महीने की सबसे तेज बढ़ोत्तरी दर्ज की गई।

पीएमआई सूचकांक माह-दर-माह आधार पर जारी किया जाता है। इसका 50 प्रतिशत से ऊपर रहना वृद्धि को और इससे कम रहना गिरावट को दर्शाता है। वहीं, सूचकांक का 50 पर रहना स्थिरता को दिखाता है।

भारतीय अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि उत्पादन में तेज वृद्धि के दम पर भारत का विनिर्माण पीएमआई अगस्त में एक और नयी ऊंचाई पर पहुंच गया। अमेरिका में भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत आयात शुल्क का विदेशों से मिलने वाले ऑर्डर में हल्की कमी में योगदान रहा होगा।

आईएमसी 2025 किसानों, छात्रों, एमएसएमई के बारे में भी होगा : सिंधिया

नई दिल्ली, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को कहा कि इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2025 केवल 5जी, 6जी, एआई, आईओटी और मशीन-टू-मशीन संचार जैसी तकनीकों पर चर्चा का मंच ही नहीं होगा, बल्कि यह समझने का भी एक मंच होगा कि ये तकनीकें किसानों, छात्रों, एमएसएमई और समग्र समाज के जीवन को कैसे बदल सकती हैं।

8 से 11 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले आईएमसी 2025 के लिए एआई-पावर्ड मोबाइल एप्लिकेशन के लॉन्च के अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस वर्ष के आयोजन का उद्देश्य इनोवेशन और परिवर्तन है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भरता और आत्मनिर्भरता के लिए 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के प्रयासों को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष हमारा उद्देश्य इनोवेशन और परिवर्तन है, जो कि अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भरता, आत्मनिर्भरता और 2047 तक भारत को विजय की ओर अग्रसर करने को बहुत महत्व दिया है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आईएमसी को संभावनाओं का एक मंच बताया।

जीएसटी संग्रह अगस्त में 1.86 लाख करोड़ रुपए हुआ

- जीएसटी परिषद की बैठक 3-4 सितम्बर को प्रस्तावित

नई दिल्ली, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। भारत का वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 6.5 प्रतिशत बढ़कर 1.86 लाख रुपए हो गया, यह जानकारी सोमवार को सरकार की ओर से दी गई। जीएसटी संग्रह में तेजी से इजाफा हो रहा है और यह लगातार आठवां महीना है जब जीएसटी संग्रह 1.8 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े से ऊपर बना हुआ है, जो देश में बढ़ती आर्थिक गतिविधियों को दर्शाता है।

अगस्त में सकल घरेलू राजस्व 9.6 प्रतिशत बढ़कर 1.37 लाख करोड़ रुपए हो गया, जबकि आयात से टैक्स 1.2 प्रतिशत घटकर 49,354 करोड़ रुपए रह गया। जीएसटी रिफंड सालाना आधार पर 20 प्रतिशत घटकर 19,359 करोड़ रुपए रह गया। अगस्त 2025 में शुद्ध जीएसटी राजस्व 1.67 लाख करोड़ रुपए रहा, जो सालाना आधार पर 10.7 प्रतिशत अधिक है। ये आंकड़े केंद्र और राज्यों की जीएसटी परिषद की बैठक से ठीक पहले जारी किए गए हैं। जीएसटी परिषद की बैठक 3-4 सितंबर को प्रस्तावित है।

जीएसटी परिषद ज्यादातर वस्तुओं पर 5 और 18 प्रतिशत की दो-स्तरीय जीएसटी दरें लागू करने पर विचार-विमर्श करेगी, जबकि इस युक्तिकरण प्रक्रिया के तहत सिगरेट, तंबाकू और मीठे पेय पदार्थों जैसी हानिकारक वस्तुओं पर 40 प्रतिशत का अलग से हाई टैक्स लगाया जाएगा। हाल के महीनों में जीएसटी संग्रह में तेजी से वृद्धि ने देश की राजकोषीय स्थिति और व्यापक आर्थिक बुनियादी ढांचों को मजबूत करने में मदद की है।

सार संक्षेप

अगस्त में पहली बार यूपीआई लेनदेन 20 अरब के पार

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) ने अगस्त में अपने इतिहास में पहली बार 20 अरब लेनदेन को पार कर लिया। अगस्त में यूपीआई ट्रांजैक्शन की संख्या 20.01 अरब के आंकड़े तक पहुंच गई, जो बीते महीने जुलाई के आंकड़े 19.47 अरब की तुलना में 2.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। वार्षिक आधार पर, यह 34 प्रतिशत की वृद्धि है। मूल्य के संदर्भ में, यूपीआई ने अगस्त के दौरान 24.85 लाख करोड़ रुपए के लेनदेन दर्ज किए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 24 प्रतिशत अधिक है। इसके अलावा, एनपीसीआई के आंकड़ों के अनुसार, औसत दैनिक लेनदेन संख्या बढ़कर 64.5 करोड़ हो गई, जो कि जुलाई में 62.8 करोड़ दर्ज की गई थी। हालांकि, अगस्त में औसत दैनिक लेनदेन मूल्य 80,177 करोड़ रुपए रहा, जो कि जुलाई में 80,919 करोड़ रुपए था।

ओला इलेक्ट्रिक के वाहनों का पंजीकरण अगस्त में गिरा

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक के वाहनों का पंजीकरण अगस्त में पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 31 प्रतिशत गिर गया है। यह जानकारी सरकारी पोर्टल वाहन पर दी गई। अगस्त में ओला इलेक्ट्रिक के 18,972 यूनिट्स वाहनों का पंजीकरण हुआ है, जो अगस्त 2024 के 27,624 यूनिट्स से कम है। हालांकि, मासिक आधार पर ओला ने वापसी की और जुलाई की तुलना में पंजीकरण में 6.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इस सुधार के कारण ओला इलेक्ट्रिक फिर से इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन बाजार में दूसरे नंबर की कंपनी बन गई है। आंकड़ों के अनुसार, दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहन इंडस्ट्री का कुल पंजीकरण अगस्त में 1,04,306 यूनिट्स का रहा है, जो कि जुलाई के मुकाबले 1.4 प्रतिशत है। ओला इलेक्ट्रिक ने अगस्त में बाजार में 18.19 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की, और इसके मासिक आंकड़ों में वृद्धि ने निवेशकों का उत्साह बढ़ाया। दोपहर करीब 3 बजे ओला इलेक्ट्रिक का शेयर 16.23 प्रतिशत बढ़कर 62.8 रुपए पर था।

स्वराज ट्रैक्टर्स ने पार किया 25 लाख यूनिट उत्पादन का ऐतिहासिक मुकाम

नई दिल्ली। महिंद्रा समूह का हिस्सा और भारत के अग्रणी ट्रैक्टर ब्रांडों में से एक, स्वराज ट्रैक्टर्सने आज पंजाब के मोहाली स्थित अपने विनिर्माण संयंत्र से 25 लाखवां ट्रैक्टर रोल-आउट करने की घोषणा की। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि 2022 में 20 लाख उत्पादन का आँकड़ा पार करने के सिर्फ तीन साल बाद हासिल हुई है, जो स्वराज ट्रैक्टर्स को भारत के घरेलू ट्रैक्टर उद्योग में सबसे तेज़ी से बढ़ने वाला ब्रांड सिद्ध करती है।

जीडीपी के आंकड़ों से शेयर बाजार में उत्साह

- सेंसेक्स 0.70 प्रतिशत ऊपर 80,364.49 अंक पर रहा
- निफ्टी 0.81 प्रतिशत चढ़कर 24,625.05 अंक पर बंद

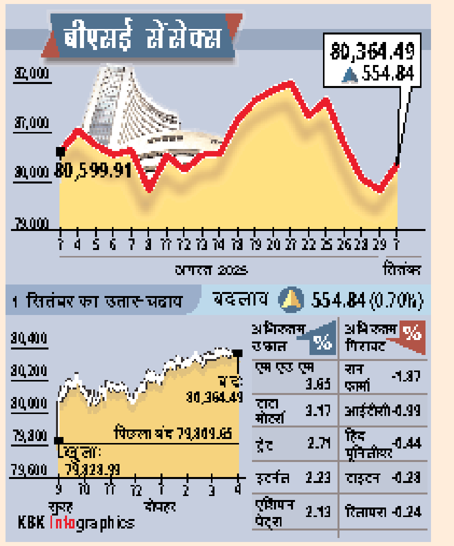

मुंबई, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में उम्मीद से ज्यादा वृद्धि के बाद सोमवार को घरेलू शेयर बाजारों में निवेशकों में उत्साह रहा और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक करीब 555 अंक की बढ़त से साथ बंद हुआ।

बाजार में सुबह से ही तेजी रही। सेंसेक्स 19.34 अंक की मजबूती के साथ 79,828.99 अंक पर खुला और अंत में 554.84 अंक (0.70 प्रतिशत) ऊपर 80,364.49 अंक पर बंद हुआ। इसका दिन का निचला स्तर 79,818.38 अंक और उच्चतम स्तर 80,406.84 अंक रहा। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 5.85 अंक ऊपर 24,4342.70 अंक पर खुला और पूरे दिन हरे निशान में रहने के बाद 198.20 अंक यानी 0.81 प्रतिशत चढ़कर 24,625.05 अंक पर पहुंच गया। पहली तिमाही के जीडीपी के आंकड़े में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान जारी किया गया है। इससे बाजार में निवेशकों का विश्वास बढ़ा है।

फार्मा को छोड़कर अन्य सभी सेक्टरों की कंपनियों में लिवाली का जोर रहा। बिक्री के मजबूत आंकड़े आने से ऑटो क्षेत्र की कंपनियों में जमकर लिवाली हुई। एनएसई में महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर 3.52 प्रतिशत, बजाज ऑटो से 4.01 प्रतिशत, हीरो मोटोकॉर्प के 3.18, टाटा मोटर्स से 3.09, हीरो मोटोकॉर्प के 3.18 प्रतिशत चढ़े। इसके अलावा, आईटी, रियलिटी, बैंकिंग, धातु, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद और तेल एवं गैस क्षेत्र में निवेशकों ने खूब पैसा लगाया। एनएसई में 3,156 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ जिनमें 2,133 के शेयरों में तेजी और 935 में गिरावट रही। वहीं, 88 कंपनियों के शेयरों के भाव अपरिवर्तित रहे।

सेंसेक्स की 30 से 23 कंपनियों से शेयर हरे निशान में रहे। महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर 3.65 प्रतिशत चढ़े। टाटा मोटर्स में 3.17 फीसदी, ट्रेंट में 2.71, इटरनल में 2.23, एशियन पेंट्स में 2.13 और इंफोसिस में 2.04 फीसदी की तेजी देखी गयी। टेक महिंद्रा का शेयर 1.71 प्रतिशत, अडानी पोर्ट्स का 1.68, पावर ग्रिड का 1.63 और एक्सिस बैंक का 1.52 प्रतिशत की बढ़त में बंद हुआ। बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, बीईएल, अल्ट्राटेक, टाटा स्टील और एनटीपीसी के शेयर भी एक प्रतिशत से अधिक चढ़े।

सनफार्मा 1.87 प्रतिशत, आईटीसी 0.99 प्रतिशत, हिंद युनिलीवर 0.44 प्रतिशत, टाइटन 0.28 प्रतिशत व रिलायंस 0.24 प्रतिशत की गिरावट में रही। मझौली और छोटी कंपनियों में ज्यादा लिवाली हुई। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक में 2.03 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 में 1.57 प्रतिशत की तेजी रही। एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 1.24 प्रतिशत की गिरावट में बंद हुआ।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के ग्राहकों और गैर-ग्राहकों, के लिए जीएसटी भुगतान की सुविधा शुरू

नई दिल्ली, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने अपने ग्राहकों और गैर-ग्राहकों दोनों के लिए जीएसटी भुगतान की सुविधा शुरू की है।यह सुविधा ग्राहकों और गैर-ग्राहकों दोनों के लिए उपलब्ध है।

ग्राहक जीएसटी का भुगतान यूपीआई, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से कर सकते हैं। ग्राहक डीडी, चेक, कैश के माध्यम से देशभर की शाखाओं के जरिए भी भुगतान कर सकते हैं। डाउनलोड करने योग्य चालानों की इस आसान सुविधा से पूरे देश में करदाताओं के लिए डिजिटल चैनल्स के माध्यम से भुगतान करना और भी आसान और सुविधाजनक हो गया है। इस अवसर पर आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के हेड- रिटेल लाइबिलिटीज़, आशीष सिंह ने कहा, एक यूनिवर्सल बैंक के रूप में हमारा उद्देश्य अपने ग्राहकों को समग्र सेवाएँ प्रदान करना है। अब आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के ग्राहक और गैर-ग्राहक दोनों यूपीआई, क्रेडिट और डेबिट कार्ड के जरिए जीएसटी का भुगतान कर सकते हैं। इससे टैक्स भुगतान अब सहज, आसान और समावेशी हो गया है। इस कदम से हमारा डिजिटल बैंकिंग सिस्टम और आसान बनेगा और सभी करदाताओं को सरल और परेशानी-मुक्त भुगतान अनुभव मिल सकेगा। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक निजी क्षेत्र के उन बैंकों में शामिल है, जिन्हें जीएसटी कलेक्शन की अनुमति मिली है। यह एक बार फिर इस बात की पुष्टि करता है कि बैंक अपने ग्राहकों को समग्र बैंकिंग सेवाएँ और वित्तीय समाधान देने के लिए प्रतिबद्ध है।आईडीएफसी फर्स्ट बैंक इंटरनेट बैंकिंग के जरिए जीएसटी भुगतान करने के लिए चालान बनाएँ और ई-पेमेंट, नेट बैंकिंग, क्रेडिट, डेबिट कार्ड और भीम यूपीआई के द्वारा भुगतान विकल्प के रूप में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक चुनें और भुगतान पूरा करें।

चावल-चीनी महंगी, गेहूं नरम, खाद्य तेलों में घटबढ़, दालों के भाव चढ़े

नई दिल्ली, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। घरेलू थोक जिंस बाजारों में सोमवार को चावल की कीमत में उछाल देखा गया जबकि गेहूं में नरमी रही। दालों के दाम बढ़ गये। चीनी भी मजबूत हुई जबकि खाद्य तेलों में घट-बढ़ रही। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में आज अवकाश रहा।

घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल की औसत कीमत 118 रुपए बढ़कर 3,848.88 रुपए प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। गेहूं तीन रुपए फिसलकर 2,849.43 रुपए प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटा भी छह रुपए सस्ता हुआ और 3,300.30 रुपए प्रति क्विंटल बोला गया। सरसों तेल औसतन 101 रुपए प्रति क्विंटल टूट गया। पाम ऑयल में 40 रुपए और सोया तेल में 68 रुपए प्रति क्विंटल की गिरावट रही। सूरजमुखी तेल की कीमत करीब 41 रुपए और मूंगफली तेल की 20 रुपए बढ़ गई। वनस्पति 83 रुपए प्रति क्विंटल महंगा हुआ।

दाल-दलहनों में तेजी का रुख रहा। तुअर दाल की औसत कीमत 208 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ गयी। चना दाल 134 रुपए और मूंग दाल 100 रुपए प्रति क्विंटल महंगी हुई। मसूर दाल की कीमत में 146 रुपए और उड़द दाल में 40 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़त दर्ज की गई।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में गुड़ की औसत कीमत करीब 75 रुपए प्रति क्विंटल चढ़ी। चीनी भी करीब 22 रुपए महंगी हुई।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के दिन के औसत थोक भाव इस प्रकार रहे : **दाल-दलहन :** दाल चना 7980.86 रुपए, मसूर काली 8153.63 रुपए, मूंग दाल 10105.84 रुपए, उड़द दाल 10446.71 रुपए, अरहर दाल 10759.71 रुपए प्रति क्विंटल रहा।

एशिया में काम करने के लिए टॉप 100 बेहतरीन जगहों में से 48 भारत में मौजूद

- कर्मचारियों का निरंतर सकारात्मक अनुभव बेहतरीन वर्कप्लेस कल्चर को करते है परिभाषित

नई दिल्ली, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। एशिया में काम करने के लिए बेहतरीन जगहों में भारत शीर्ष स्थान पर है। सोमवार को आई एक लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, शीर्ष 100 संगठनों में से 48 भारत में संचालित होते हैं। वर्कप्लेस कल्चर के वैश्विक सर्वेक्षणकर्ता, 'ग्रेट प्लेस टू वर्क' की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में मौजूद ये 48 कंपनियां बड़ी कंपनियों की कैटेगरी में आती हैं, जबकि मिड-साइज कैटेगरी में भारत में 12 कंपनियां संचालित होती हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि यह वर्कप्लेस कल्चर और कर्मचारी अनुभव में देश के बढ़ते नेतृत्व को दर्शाता है। रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में इस प्रतिष्ठित सूची में शामिल कंपनियों में एशिया के सामान्य वर्कप्लेस की तुलना में वर्कप्लेस पर सकारात्मक अनुभव बताने वाले कर्मचारियों की संख्या भी अधिक है। जब कंपनियां कर्मचारियों के साथ उच्च स्तर का विश्वास बनाती हैं तो उनके जनरेटिव एआई के उदय सहित, व्यवधानों के लिए तैयार रहने की संभावना अधिक होती है।

ग्रेट प्लेस टू वर्क के सीईओ माइकल सी. बुश ने कहा कि ये अग्रणी कंपनियां रास्ता दिखा रही हैं, ऐसे वर्कप्लेस बना रही हैं जो समुदायों को मजबूत, राष्ट्रों को अधिक समृद्ध और दुनिया को एक बेहतर जगह बनाते हैं।

बुश ने आगे कहा कि एशिया में 2025 के बेस्ट वर्कप्लेस के विजेताओं को जो चीज अलग बनाती है, वह है उन सभी कारकों में कर्मचारियों का निरंतर सकारात्मक अनुभव, जो वास्तव में एक बेहतरीन वर्कप्लेस कल्चर को परिभाषित करते हैं।

इस वर्ष की सूची में भारत में कार्यरत जिन कंपनियों को शामिल किया गया है, उनमें नोवार्टिस, श्नाइडर इलेक्ट्रिक, एरिक्सन, वीजा और एनवीडिया जैसी बड़ी कंपनियां शामिल हैं। 32 लाख से अधिक व्यक्तिगत प्रतिक्रियाओं वाले गोपनीय सर्वेक्षण आंकड़ों पर आधारित यह रिपोर्ट पूरे क्षेत्र के लगभग 75 लाख कर्मचारियों के अनुभवों को दर्शाती है।

खेल जगत

विश्व कप 2027 की योजनाओं में शामिल हैं डेविड मिलर : बावुमा

नई दिल्ली। 36 वर्षीय डेविड मिलर ने मार्च में साउथ अफ्रीका के चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद से कोई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को इंग्लैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज के लिए भी टीम में शामिल नहीं किया गया, लेकिन कप्तान टेंबा बावुमा ने स्पष्ट किया है कि मिलर वर्ल्ड कप 2027 के लिए दक्षिण अफ्रीका की वनडे योजनाओं में शामिल हैं। डेविड मिलर ने क्रिकेट साउथ अफ्रीका (सीएसए) के साथ एक हाइब्रिड अनुबंध पर हस्ताक्षर किया है। मिलर ने हाल ही में संपन्न 'द हंड्रेड' में नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स के साथ खेलने के लिए अगस्त में ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे को छोड़ दिया था। भले ही मिलर इंग्लैंड में वनडे टीम से भी बाहर हैं, लेकिन 10 सितंबर से शुरू होने जा रही तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम में वापसी करेंगे।

आईसीसी ने महिला एकदिवसीय विश्व कप के लिए पुरस्कार राशि में चार गुना वृद्धि की

दुबई, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए भारत में 30 सितंबर से दो नवंबर तक होने वाले आगामी महिला एकदिवसीय विश्वकप के लिए पुरस्कार राशि में चार गुना से अधिक की वृद्धि की है।

आईसीसी द्वारा आज की गई घोषणा के अनुसार, न्यूजीलैंड में 2022 में खेले गए इस टूर्नामेंट के पिछले संस्करण में कुल पुरस्कार राशि 35 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 30.80 करोड़ रुपये) थी। जिसे इस बार बढ़ाकर कुल 138.8 लाख अमेरिकी डॉलर (करीब 117.74 करोड़ रुपये) कर दिया है। यह राशि 2023 में होने वाले पुरुष एकदिवसीय विश्व कप के लिए निर्धारित पुरस्कार राशि एक करोड़ अमेरिकी डॉलर (लगभग 88 करोड़ रुपये) से भी अधिक है। आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह ने कहा कि यह घोषणा महिला क्रिकेट के सफर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। पुरस्कार राशि में यह चार गुना वृद्धि महिला क्रिकेट के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है और इसके दीर्घकालिक विकास के प्रति हमारी स्पष्ट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हमारा संदेश सरल है, महिला क्रिकेटरों को यह पता होना चाहिए कि अगर वे इस खेल को पेशेवर रूप से चुनेंगी तो उनके साथ पुरुषों के समान व्यवहार किया जाएगा। आईसीसी ने टूर्नामेंट के प्रत्येक चरण के लिए पुरस्कार राशि में भी वृद्धि की है। विश्वकप विजेता को अब 44.8 लाख अमेरिकी डॉलर (करीब 39.42 करोड़ रुपये) मिलेंगे। यह 2022 में ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम को मिली 13.2 लाख अमेरिकी डॉलर (11.62 करोड़ रुपये) की राशि से दोगुना से अधिक है। उपविजेता टीम को 22.4 लाख अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। हारने वाले दोनों सेमीफाइनलिस्टों को 11.2 लाख अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। ग्रुप-स्टेज में प्रत्येक जीत के लिए विजेताओं को 34,314 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। पांचवें और छठे स्थान पर रहने वाली टीमों को सात लाख अमेरिकी डॉलर मिलेंगे, जबकि सातवें और आठवें स्थान पर रहने वाली टीमों को 2,80,000 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे।

> यह घोषणा महिला क्रिकेट के सफर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है : जय शाह

विमेंस वर्ल्ड कप में प्राइज मनी बढ़ने से युवा क्रिकेटर्स को प्रोत्साहन मिलेगा : झूलन

नई दिल्ली। पिछले संस्करण की तुलना में इस बार विमेंस वर्ल्ड कप 2025 की प्राइज मनी में करीब 297 प्रतिशत इजाफा हुआ है। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के इस फैसले पर खुशी जताई है। झूलन गोस्वामी ने आईसीसी के इंस्टाग्राम अकाउंट पर सोमवार को पोस्ट किए गए वीडियो में कहा कि यह बहुत अच्छी बात है। मैं इसके लिए आईसीसी को धन्यवाद देना चाहूंगी। जिस तरह से उन्होंने इस बारे में सोचा, मुझे लगता है कि निश्चित रूप से महिलाओं के क्रिकेट को इससे काफी बढ़ावा मिलेगा। इससे उभरते हुए युवा क्रिकेटर्स को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि इससे खिलाड़ियों के माता-पिता को भी प्रोत्साहन मिलेगा। मुझे लगता है कि यह महिलाओं के क्रिकेट के लिए बहुत बड़ी खबर है। निश्चित रूप से यह सभी खिलाड़ियों को प्रेरित करेगा। विमेंस वर्ल्ड कप 2025 के लिए कुल प्राइज मनी 13.88 मिलियन अमेरिकी डॉलर निर्धारित की गई है।

टेनिस प्रीमियर लीग का ऐतिहासिक सातवां सीजन अहमदाबाद में

मुंबई, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) के तत्वावधान में आयोजित होने वाली टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) का सातवां सीजन नौ से 14 दिसंबर तक अहमदाबाद के गुजरात विश्वविद्यालय टेनिस स्टेडियम आयोजित होगा।

महाराष्ट्र के बाहर पहली बार आयोजित होने वाले टीपीएल के सातवें सीजन में लिएंडर पेस, सानिया मिर्जा, महेश भूपति, रकुल प्रीत सिंह और सोनाली बेंद्रे जैसे दिग्गजों द्वारा समर्थित आठ-फ्रैंचाइजी प्रतियोगिता में एटीपी रैंकिंग में 30 से 50 के बीच रैंकिंग वाले अंतरराष्ट्रीय टेनिस सितारे, दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन रोहन बोपन्ना सहित भारत के शीर्ष खिलाड़ी शामिल होंगे।

टीपीएल के सह-संस्थापक, कुणाल ठाकुर ने इस अवसर पर कहा कि हमें टीपीएल को पहली बार गुजरात में लाकर खुशी हो रही है। शहर की ऊर्जा, बुनियादी ढांचा और खेलों के प्रति जुनून इसे एक आदर्श मेजबान बनाते हैं। सातवां सीजन अहमदाबाद के प्रशंसकों के लिए विश्व स्तरीय टेनिस एक्शन प्रदान करते हुए एक विशेष संस्करण होने का वादा करता है। गुजरात टेनिस संघ के सचिव श्रीमल भट्ट ने कहा कि गुजरात के इतिहास में पहली बार, 30 से 50 वर्ष की आयु के शीर्ष एटीपी रैंकिंग वाले खिलाड़ी हमारे राज्य में आ रहे हैं। यह गुजरात में टेनिस के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन होगा।

चीनी ताइपे को 15-0 से हराकर मलयेशिया पूल बी में शीर्ष पर

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

राजगीर (बिहार), 1 सितम्बर (देशबन्धु)। स्ट्राइकर अखिमुल्लाह अनुर के पांच, अशरान हमसानी के चार तथा सुमंत्री नूरफायक की हैट्रिक की बदौलत मलयेशिया ने सबसे कमजोर चीनी ताइपे को 12 वें पुरुष हॉकी एशिया कप में पूल बी में आखिरी मैच में सोमवार को 15-0 से हरा कर मौजूदा टूर्नामेंट की सबसे बड़ी और लगातार तीसरी जीत के साथ कुल नौ अंक ले शीर्ष पर रह कर सुपर 4 में स्थान पा लिया। जेता मलयेशिया की ओर से आइमन रोजमी, एंडी वलिफायन, अबुलकमल अजराय ने भी एक गोल दागा। मलयेशिया को दो पेनल्टी स्ट्रोक मिले और इनमें मात्र एक पर अखिमुल्ला अनुर ने गोल किया। मलयेशिया ने मौजूदा टूर्नामेंट में सबसे बड़ी जीत दर्ज कर 15 में 14 मैदानी गोल किया और एक गोल पेनल्टी स्ट्रोक पर किया। मलयेशिया को मैच में तीन और चीनी ताइपे को चार पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन कोई भी टीम इस पर गोल नहीं कर पाई।

दक्षिण कोरिया भी दूसरी जीत से सुपर 4 में

स्ट्राइकर देन सन के एक मैदानी और पेनल्टी कॉर्नर दागे एक सहित दागे दो तथा था सियोंगवू ली, सियोंग हो तथा आखिरी क्षण में मिले पेनल्टी स्ट्रोक पर जिहुन यांग के एक एक गोल की बदौलत दक्षिण कोरिया ने बांग्लादेश को 12 वें पुरुष हॉकी एशिया कप में 5 -1हराकर पूल बी में तीन मैचों से छह अंक हासिल कर दूसरे स्थान पर रहकर सुपर 4 में स्थान बना लिया। पराजित बांग्लादेश की ओर से इकलौता गोल शाहनुर ने दागा। दोनो टीमे को तीन तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले और दोनो ने ही एक एक को गोल मे बदला। मैच में शुरू 22 मे ही 4-1 की बढ़त हासिल कर ली। दक्षिण कोरिया ले शुरू के 22 वे मिनट में ही चार गोल दाग कर बढ़त ले ली थी लेकिन इसके ठीक बाद बांग्लादेश ने एक गोल किया और मैच खत्म होने से मात्र एक सेकंड पहले जिहुन यांग ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल मे बदल कर दक्षिण कोरिया को जीत दिलाई। दक्षिण कोरिया अपने पूल के सबसे अहम मैच बढ़त लेने के बाद मलयेशिया से 1-4 से हार गई थी। दक्षिण कोरिया ने तीन मैचों में दो जीत के साथ छह अंक हासिल करने के साथ 13 गोल किए और पांच गोल खाए और उसका गोल अंतर +8 रहा।

आकर्शी कश्यप को मिला एनटीपीसी कोरबा का समर्थन

रायपुर। भारत की उभरती हुई बैडमिंटन स्टार आकर्शी कश्यप को एनटीपीसी कोरबा ने अपनी सीएसआर पहल के तहत समर्थन दिया है। आकर्शी ने लागोस इंटरनेशनल क्लासिक्स 2025 में रजत पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया है। आकर्शी ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि एनटीपीसी कोरबा और मेरे शुभचिंतकों के निरंतर समर्थन के बिना संभव नहीं थी। यहां का अनुभव मुझे और कड़ी मेहनत करने और बड़ी सफलता हासिल करने के लिए प्रेरित करता है। आकर्शी की अगली चुनौती वियतनाम इंटरनेशनल सीरीज़ है जो नौ से 14 सितंबर 2025 तक खेली जाएगी।

वेस्ट दिल्ली लायंस ने जीता डीपीएल 2025 का खिताब

नई दिल्ली, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। नितीश राणा (एक विकेट/79रन) के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत वेस्ट दिल्ली लायंस ने सेंट्रल दिल्ली किंग्स को छह विकेट से हराकर दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2025 का खिताब अपने नाम किया। अरुण जेटली स्टेडियम में रविवार रात हुए रोमांचक फाइनल मुकाबले में सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 173 रनों का स्कोर खड़ा किया। युगल सैनी ने 48 गेंदों में 65 रन बनाये। प्रांशु विजयरन ने 25 गेंदों में 50 रनों की पारी खेली। आर्यन राणा (21), सिद्धार्थ जून (10) और जोंटी सिद्धू ने 10 रनों का योगदान दिया। मैच की शुरुआत में ही किंग्स का शीर्ष क्रम दबाव में लड़खड़ा गया और नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। एक समय तो वे 78/6 के स्कोर पर लड़खड़ा रहे थे और वेस्ट दिल्ली लायंस पूरी तरह से नियंत्रण में दिख रही थी। जब युगल सैनी और प्रांशु विजयरन क्रीज पर आए तो कहानी नाटकीय रूप से बदल गई। दोनों ने धैर्य, संयम और चतुराई भरे शॉट चयन का परिचय देते हुए सातवें विकेट के लिए 78 रनों की शानदार साझेदारी की। युगल ने 48 गेंदों पर 65 रनों की दृढ़ पारी खेलकर पारी को संभाला, जिसमें लगातार रन बनाने के साथ-साथ समय पर चौके भी शामिल थे। दूसरे छोर पर, प्रांशु ने शानदार आक्रामक खेल दिखाया और सिर्फ़ 24 गेंदों पर नाबाद 50 रनों की शानदार पारी खेली। अंतिम ओवरों में उनके निडर स्ट्रोक्स ने सुनिश्चित किया कि किंग्स न केवल वापसी करें, बल्कि लायंस के शुरुआती दबदबे को कम करते हुए शानदार लय भी बनाए रखें।

केरल पर्यटन मंत्री आज सीताथोडे कयाकिंग उत्सव का करेंगे उद्‍घाटन

पथनमथिट्टा, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। केरल के पर्यटन मंत्री पी ए मोहम्मद रियास मंगलवार को सीताथोड़े में राज्य पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित कोडियेरी बालकृष्णन मेमोरियल सीताथोड कयाकिंग महोत्सव के पहले संस्करण का उद्‍घाटन करेंगे। सुबह 9.30 बजे शुरू होने वाले इस कार्यक्रम में उद्‍घाटन समारोह की अध्यक्षता विधायक केयू जनीश कुमार करेंगे जबकि उपाध्यक्ष चित्तयम गोपकुमार कोन्नी में सीताथोड़े अग्निशमन केंद्र के पास कक्कट्टार नदी में आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं को हरी झंडी दिखाएंगे। पर्यटन विभाग के अंतर्गत केरल एडवेंचर टूरिज्म प्रमोशन सोसाइटी (केएटीपीएस) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को तकनीकी रूप से केरल कयाकिंग सोसाइटी और कैनोइंग एसोसिएशन का समर्थन प्राप्त है। प्रतियोगिताओं का आयोजन पुरुष, महिला, पुरुष युगल, महिला युगल और मिश्रित श्रेणियों में किया जाएगा जो 15 वर्ष से अधिक आयु के कयाकरों के लिए खुली है। कुल 110 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है जिनमें पुरुष एकल में 40, महिला एकल में 14, पुरुष युगल में 34, महिला युगल में आठ और मिश्रित युगल में 14 प्रतिभागी शामिल हैं।

हम यहां जीत-हार गिनने नहीं, बल्कि ट्रॉफी उठाने आए हैं : मनप्रीत

> हम अपनी गलतियों को सुधारेंगे और जोरदार वापसी करेंगे : मनप्रीत सिंह

विशाखापट्टनम, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। प्रो कबड्डी लीग 2025 (पीकेएल) के छठे मुकाबले में हरियाणा स्टीलर्स को बंगाल वॉरियर्स के खिलाफ 44-54 से शिकस्त झेलनी पड़ी। हालांकि, सीजन का पहला मैच गंवाने पर हेड कोच मनप्रीत सिंह ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि टीम जीत-हार गिनने नहीं, बल्कि ट्रॉफी उठाने के मकसद से इस सीजन में उतरी है। मनप्रीत सिंह ने कहा कि हमने बहुत अच्छा खेला। हमारी रेडिंग मजबूत थी। हमारा डिफेंस भी मजबूत था, लेकिन मैच जीतने और ट्रॉफी जीतने में बहुत अंतर होता है। कोच के मुताबिक, टीम अभी भी अपनी लय हासिल कर रही है। पहले मैच में शीर्ष स्तर पर प्रदर्शन करना बहुत मुश्किल होता है। हर लीग में टीम को जमने में एक या दो मैच लगते हैं। एक बार टीम जम जाए, तो आपको हरियाणा स्टीलर्स बिल्कुल अलग नजर आएगी मनप्रीत सिंह ने कहा कि यह बस पहला कदम है। हम यहां जीत-हार गिनने नहीं आए हैं, हम यहां अंत में ट्रॉफी उठाने आए हैं। कोच ने कहा कि हम अपनी गलतियों को सुधारेंगे और जोरदार वापसी करेंगे। जब यह टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी, तो सभी पर इसका असर महसूस होगा। हरियाणा स्टीलर्स सिर्फ प्रतिस्पर्धा नहीं करेगी। हम यहां विपक्षियों पर हावी होने आए हैं। स्टार रेडर नवीन कुमार ने हार पर कहा कि हम मैच इसलिए हार गए क्योंकि हमने वो नहीं किया जो कोच ने हमें करने को कहा था। खिलाड़ियों ने संघर्ष किया, लेकिन हमने सुपर रेड जैसी कुछ गलतियां की, जिनका बंगाल वॉरियर्स ने फायदा उठाया। यह छोटी-मोटी गलतियां हैं। हम इन्हें जल्दी ठीक कर लेंगे। बंगाल वॉरियर्स की टीम ने पहले हाफ में 23-19 से लीड बना रखी थी। इस दौरान रेड प्वाइंट्स के मामले में हरियाणा स्टीलर्स 17-14 से आगे थी, लेकिन टैकल प्वाइंट्स के मामले में बंगाल वॉरियर्स के पास तीन अंकों की बढ़त थी।

सार संक्षेप

उत्तर मुंबई में होगा सांसद खेल महोत्सव

मुम्बई। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयुष गोयल ने हॉकी, कबड्डी, खो-खो, क्रिकेट, फुटबॉल, जेवलिन, शूटिंग, तीरंदाजी खेलों से खिलाड़ियों को जोड़ने के लिए कांदिवली पश्चिम स्थित एमसीए क्लब में सोमवार को उत्तर मुंबई में सांसद खेल महोत्सव की घोषणा की। श्री गोयल ने आज यहां मुम्बई स्पोट्स फेडरेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सांसद खेल महोत्सव की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव 21 सितंबर से 25 दिसंबर के बीच व्यापक स्तर पर आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम खेल को हर घर तक पहुंचाने की दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य लगभग एक लाख खिलाड़ियों को जोड़ने और भारत में खेले जाने वाले सभी खेलों जैसे हॉकी, कबड्डी, खो-खो, क्रिकेट, फुटबॉल, जेवलिन, शूटिंग, तीरंदाजी आदि को प्रोत्साहन देने का है।

शेफील्ड यूनाइटेड ने मिडफील्डर एलेक्स माटोस को अपने साथ जोड़ा

नई दिल्ली। शेफील्ड यूनाइटेड ने मिडफील्डर एलेक्स माटोस को अपनी टीम में शामिल कर लिया है। यह करार तीन वर्षों के लिए है। शेफील्ड यूनाइटेड फ्रेंचाइजी चेल्सी को एक ऐसे खिलाड़ी की सेवाओं के लिए भुगतान करेगा, जो अलग-अलग पोजीशन पर खेल सकता है। फिलहाल, यह पता नहीं लग सका है कि इसके लिए शेफील्ड यूनाइटेड ने कितनी रकम चुकाई है। 3 अक्टूबर 2004 को बेडफोर्ड में जन्मे एलेक्स माटोस ने ल्यूटन टाउन से फुटबॉल करियर की शुरुआत की। इसके बाद साल 2016 में नॉर्विच सिटी गए। नॉरफॉक में उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा से पहचान बनाई। वह कैनरीज की अंडर-18 टीम के नियमित खिलाड़ी बने। इसके साथ ही अंडर-21 टीम तक भी पहुंचे। जुलाई 2023 में मैटोस चेल्सी से जुड़े और अपने 19वें जन्मदिन की पूर्व संध्या पर प्रीमियर लीग में डेब्यू किया।

पीकेएल 12 : यू मुंबा ने तमिल थलाइवाज को 36-33 से हराया

विशाखापत्तनम। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 12 में यू मुंबा ने रविवार को तमिल थलाइवाज के खिलाफ 36-33 से रोमांचक जीत दर्ज की। विश्वनाथ स्पोर्ट्स क्लब में अर्जुन देशवाल के सुपर 10 ने थलाइवाज को पूरे मुकाबले में मजबूती दी, लेकिन अजीत चौहान और अनिल मोहन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबले का रुख पलट दिया। एक समय था, जब यू मुंबा नौ अंकों से पिछड़ रही थी, लेकिन टीम ने शानदार वापसी करते हुए तीन अंक से मुकाबला अपने नाम किया। अजीत चौहान ने सफल रेड के जरिए मुंबई को सीजन के पांचवें मुकाबले की शुरुआती बढ़त दिलाई, लेकिन 16वें मिनट में अर्जुन देशवाल की 'डू ऑर डाई' रेड ने मुकाबले का रुख थलाइवाज के पक्ष में मोड़ दिया।

इंटर मियामी को हराकर सिएटल साउंडर्स ने जीता खिताब

लीग्स कप

■ इंटर मियामी को दूसरे हाफ में बराबरी करने के कई सुनहरे मौके मिले

सिएटल, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। सिएटल साउंडर्स एफसी ने लीग्स कप के फाइनल में मियामी सीएफ को 3-0 से शिकस्त देकर खिताब अपने नाम कर लिया है। यह मुकाबला सोमवार को लुमेन फील्ड में खेला गया। इंटर मियामी पर इस जीत के साथ साउंडर्स एमएलएस की इकलौती ऐसी टीम बन गई, जिसने उत्तरी अमेरिकी फुटबॉल की सभी बड़ी ट्रॉफियां जीत ली हैं। क्लब इससे पहले चार यूएस ओपन कप, दो एमएलएस कप, एक कॉनकाकाफ चैंपियंस कप और एक सपोर्टर्स शील्ड जीत चुका है। साउंडर्स ने 26वें मिनट में बढ़त हासिल कर ली। फॉरवर्ड ओसाजे डी रोजारियो ने विंगर पॉल रॉथरॉक के क्रॉस को शानदार हेडर से गोलपोस्ट में पहुंचाया। इसके बाद 84वें मिनट में डिफेंडर एलेक्स रोल्डन ने पेनाल्टी किक पर गोल दागकर बढ़त 2-0 कर दी। रॉथरॉक ने 89वें मिनट में गोलपोस्ट के सामने से एक खूबसूरत शॉट लगाकर मियामी पर सिएटल साउंडर्स की जीत पक्की कर दी। इंटर मियामी को दूसरे हाफ में बराबरी करने के कई सुनहरे मौके मिले। लुइस सुआरेज ने मौके बनाए, लेकिन लियोनेल मेसी (50वें मिनट) और तादेओ अलेंदे (60वें मिनट) इसका फायदा नहीं उठा सके। सिएटल ने अपनी ट्रॉफी कैबिनेट में उत्तरी अमेरिका की सभी बड़ी ट्रॉफियां शामिल कर ली हैं। इस जीत ने साउंडर्स को 2026 कॉनकाकाफ चैंपियंस कप के अंतिम 16 के राउंड में बाई दे दी है।

केरल क्रिकेट लीग 2025
त्रिशूर टाइटंस ने अलेप्पी रिपल्स को 4 विकेट से हराया

तिरुवनंतपुरम, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। त्रिशूर टाइटंस ने अलेप्पी रिपल्स के खिलाफ केरल क्रिकेट लीग 2025 के 23वें मुकाबले को चार विकेट से अपने नाम किया। इस जीत के साथ टाइटंस प्वाइंट्स टेबल में दूसरे पायदान पर पहुंच गई है। ६ ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी अलेप्पी रिपल्स ने 9 विकेट खोकर 128 रन बनाए इस टीम ने पहली गेंद पर ही कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन का विकेट गंवा दिया था। यहां से अभिषेक नायर ने जलज सक्सेना के साथ दूसरे विकेट के लिए 24 रन की साझेदारी की, लेकिन अभिषेक का विकेट गिरते ही टीम लड़खड़ा गई। अभिषेक नायर ने 17 गेंदों में दो छक्कों और एक चौके की मदद से 22 रन की पारी खेली, जबकि श्रीरूप एमपी ने 24 रन का योगदान टीम के खाते में दिया।

जेमी ने टेस्ट क्रिकेट से लिया ब्रेक

लंदन, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ऑराउंडर जेमी ओवरटन ने सोमवार को शारीरिक क्षमता का हवाला देते हुए टेस्ट क्रिकेट से अनिश्चितकालीन ब्रेक लेने की घोषणा की। जेमी ओवरटन ने आज सोशल मीडिया मंच पर अपनी पोस्ट में लिखा, काफी सोच-विचार के बाद, मैंने लाल गेंद वाले क्रिकेट से अनिश्चितकालीन ब्रेक लेने का फैसला किया है। मैं खुद को बेहद भाग्यशाली मानता हूं कि मैंने इंग्लैंड के लिए दो टेस्ट मैचों सहित 99 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं। उन्होंने कहा कि लाल गेंद वाले प्रथम श्रेणी क्रिकेट ने मेरे पेशेवर करियर की नींव रखी है और अब तक मुझे खेल में मिले हर अवसर का प्रवेश द्वार रहा है। यहीं से मैंने खेल सीखा और इसने मेरे लक्ष्यों और महत्वाकांक्षाओं को बल दिया जो मुझे इतने लंबे समय तक प्रेरित करती रहीं। हालांकि, मेरे करियर के इस पड़ाव पर, 12 महीने के कैलेंडर में क्रिकेट की मांगों के साथ, अब हर स्तर पर सभी प्रारूपों के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध होना, शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से, संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि आगे मेरा ध्यान सफेद गेंद वाले क्रिकेट पर रहेगा और मैं उच्चतम स्तर पर खेलने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास जारी रखूंगा। 2022 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले ओवरटन ने अब तक केवल दो टेस्ट मैच खेले हैं, उनका आखिरी मैच हाल ही में समाप्त हुई घरेलू श्रृंखला में भारत के खिलाफ ओवल में था। इस ऑलराउंडर ने टेस्ट की दो पारियों में केवल दो विकेट लिए और नौ रन बनाए।

सबालेंका, जोकोविच, अल्काराज यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में

■ जोकोविच का अगला मुकाबला अमेरिकी नंबर 4 सीड टेलर फ्रिट्ज से होगा

■ इस जीत के साथ जोकोविच ने रोजर फेडरर और आंद्रे अगासी को भी पीछे छोड़ दिया

न्यूयॉर्क, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका, सर्बियाई टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच और स्पेन के दिग्गज कार्लोस अल्काराज ने अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज कर यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है।

लुइस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में एकल वर्ग के मुकाबले में सबालेंका ने स्पेन की क्रिस्टीना बुक्सा को 6-1, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अपने शुरुआती तीन राउंड में कड़ी परीक्षा दे चुकी गत चैंपियन को फ्लशिंग मीडोज में विश्व की 95वें नंबर की खिलाड़ी को हराने और लगातार पाँचवीं बार अंतिम-आठ में जगह बनाने में केवल 73 मिनट लगे। सबालेंका का अगले दौर में मुकाबला कजाकिस्तान की एलिना रिबाकिना और चेक गणराज्य की मार्केटा वोंद्रोसोवा के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। आर्थर ऐश स्टेडियम में रविवार रात नोवाक जोकोविच ने जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ को हराकर एक ही सीजन में चारों ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज़ खिलाड़ी बनकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। वहीं अल्काराज ने ओपन युग में 13 ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनने की उपलब्धि हासिल की। एक घंटे 49 मिनट तक चले मुकाबले 38 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जर्मन क्वालीफायर जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 6-3, 6-3, 6-2 से हराकर अपने करियर के 14वें यूएस ओपन क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। जोकोविच का अगला मुकाबला अमेरिकी नंबर 4 सीड टेलर फ्रिट्ज से होगा, जिन्होंने इससे पहले चेक गणराज्य के टॉमस मचाक को सीधे सेटों में हराया था। मैच के बाद साक्षात्कार में जोकोविच ने कहा कि अगर आप अच्छी सर्विस करते हैं तो यह निश्चित रूप से मददगार होता है। मुझे लगता है कि पिछले राउंड में और आज भी मेरी सर्विस बहुत अच्छी रही। शायद मुझे उतनी मेहनत करने की ज़रूरत नहीं है।

अपने करियर के ज़्यादातर समय मैं बेसलाइन से दौड़ता, फिसलता और घिसटता रहा हूं। लेकिन जब सही समय आता है, तो मैं आक्रामक होने का प्रयास करता हूं। रात भी ऐसा ही हुआ। इस जीत के साथ जोकोविच ने रोजर फेडरर और आंद्रे अगासी को भी पीछे छोड़ दिया, जो दोनों 13-13 यूएस ओपन क्वार्टर फ़ाइनल में पहुँचे थे, और अब वह 14-14 के साथ अकेले खड़े हैं। ओपन एरा रिकॉर्ड बुक में अब वह केवल कॉनर्स से पीछे हैं, जो 17 क्वार्टर फाइनल तक पहुंच चुके हैं। एक अन्य मुकाबले में स्पेन के सनसनीखेज खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने दर्शकों को एक बार फिर चकित कर करते हुए फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेच को सीधे सेटों में हराकर 2025 यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे मैच में सोनी बेकर करेंगे डेब्यू

नई दिल्ली, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका के बीच 2 सितंबर से तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज शुरू होगी। 22 वर्षीय तेज गेंदबाज सोनी बेकर हेडिंग्ले में साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे मैच में इंग्लैंड के लिए डेब्यू करने जा रहे हैं। 22 वर्षीय सोनी बेकर ने 'द हंड्रेड' में मैनचेस्टर ओरिजिनल्स की ओर से खेलते हुए प्रभावशाली प्रदर्शन किया। माना जा रहा है कि सोनी इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया के एशेज दौरे के लिए इंग्लैंड की टीम का हिस्सा बन सकते हैं। हैम्पशायर के बेकर ने जनवरी 2025 में सिडनी में ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ इंग्लैंड लायंस की ओर से खेलते हुए अपना फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था। सोनी बेकर के करियर को देखें, तो उन्होंने 7 फर्स्ट क्लास मुकाबलों की 13 पारियों में 33.90 की औसत के साथ 22 विकेट अपने नाम किए।